हादसे का शिकार हुई नुसरत भरूचा, चोटिल होने के बाद अस्पताल में भर्ती एक्ट्रेस?

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 31
न्यूनतम - 29

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

वर्ष 42, अंक 273 RNI NO.43285/85 · संस्करण- नगर · मुजफ्फरनगर शुक्रवार 02 अक्टूबर 2026 · भाद्रपद शुक्ल 20 विक्रमी संवत · पृष्ठ 12 · मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

सीएम योगी बोले

बंद कमरे में टिप्पणी करना आसान, सुरक्षा हटा दें तो कुछ लोग भीगी बिल्ली बने नजर आएंगे

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्ववर्ती सरकार की कानून-व्यवस्था पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश के हर जिले में दुर्दांत माफिया का बोलबाला था।

समानांतर सरकारें चलती थीं। माफिया के सामने नाक रगड़ी जाती थी, घुटने टेके जाते थे और पुलिस मजबूर थी। राजनीतिक नेतृत्व की रीढ़ ही टेढ़ी हो तो वह कानून-व्यवस्था को सीधा कैसे कर सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को लोकभवन सभागार में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने 87 इंटरसेप्टर वाहनों को हरी झंडी दिखाई, वीर पुलिसकर्मियों को पदक प्रदान किए और पूर्व डीजीपी प्रकाश सिंह की पुस्तक 'संघर्ष' का विमोचन भी किया।

एशियन गेम्स 2026

भारत-पाकिस्तान में होगा फाइनल

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत ने श्रीलंका को 124 रन से हराकर एशियन गेम्स के फाइनल में जगह बना ली है। अब शनिवार को गोल्ड के लिए भारत का

मुकाबला पाकिस्तान से होगा। यह पहला मौका है जब ये दोनों टीमें एशियन गेम्स में क्रिकेट मुकाबले में आमने-सामने होंगी।

हाकी में भारत ने आखिरी मिनट में गोलकर पाकिस्तान को हराया - भारत ने बेहद रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान को 4-3 से हराकर एशियन गेम्स मेंस हॉकी के फाइनल में जगह बना ली है। अभिषेक ने मैच के आखिरी मिनट में गोल कर भारत को जीत दिलाई। गोल्ड मेडल के लिए 3 अक्टूबर को भारत का सामना कोरिया और मलेशिया के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

एसआईआर में गड़बड़ी पर कर्नाटक सीएम धरने पर बैठे

बेंगलुरु (एजेंसी)। सीएम शिवकुमार और कई मंत्री गुरुवार को चुनाव आयोग के ऑफिस पर धरने पर बैठे। कर्नाटक के सीएम डीके शिवकुमार गुरुवार को राज्य चुनाव आयोग के दफ्तर के बाहर धरने पर बैठ गए। उन्होंने एसआईआर में गड़बड़ियों का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि फॉर्म 7 के दुरुपयोग में शामिल लोगों के खिलाफ जब तक रिपोर्ट दर्ज नहीं होगी, तब तक वे वहां से नहीं हटेंगे।

उनका कहना है कि एसआईआर में गड़बड़ियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। इससे पहले उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि 45 लाख से ज्यादा वोटरों के नामों में गड़बड़ियां सामने आई हैं। इसमें भाजपा के लोग शामिल हैं। राज्य सरकारें या उनकी पुलिस चुनाव आयुक्तों पर उनके सरकारी काम को लेकर सीधे केस दर्ज नहीं कर सकती हैं। कर्नाटक में एसआईआर जून से 8 अगस्त 2026 तक हुआ। इससे पहले राज्य में 5.54 करोड़ मतदाता थे।

45 लाख नहीं 30 करोड़

वैवाहिक झगड़े के मामले में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के जज बोले- 'पांच अंकों के आगे दिमाग काम नहीं करता'

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में वैवाहिक झगड़े से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस एस सी शर्मा ने पत्नी के वकील से पूछा कि आप 45 लाख रुपये मांग रहे हैं ओर बच्चे के लिए 30 लाख रुपये एक ट्रस्ट में रखने की बात कर रहे हैं। इसके जवाब में वकील ने उत्तर दिया कि 30 करोड़ रुपये। वकील का जवाब सुनकर जस्टिस शर्मा ने मजाकिया अंदाज में कहा कि हमें तो सैलरी ही लाखों में मिलती है।

बार एंड बेंच की एक रिपोर्ट के मुताबिक पत्नी पक्ष के वकील ने 30 करोड़ रुपये की बात कही जिस पर जस्टिस शर्मा ने कहा कि हमें तो सैलरी लाखों में ही मिलती है, इसलिए 5 अंकों से ज्यादा की गिनती में दिमाग काम नहीं करता। कभी-कभी मैं मिलियन और बिलियन में कन्फ्यूज हो जाता हूं।

इस पूरे मामले में कोर्ट ने अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। इसके बाद जब जस्टिस शर्मा अपनी सीट से उठने लगे तो कोर्ट मास्टर ने बताया कि सुनवाई के लिए अभी कुछ मामले बाकी हैं। इस पर जस्टिस शर्मा ने कहा कि अच्छा, मामले अभी बाकी हैं। सॉरी।

ऐसे मामलों में सावधानी बरतने की जरूरत- वहीं एक दूसरे मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया है कि वैवाहिक विवादों में पति के रिश्तेदारों पर आम और अस्पष्ट आरोपों के आधार पर मुकदमा चलाने से पहले अदालतों को सावधानी बरतनी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि आपराधिक कार्यवाही तब तक नहीं चल सकती जब तक आरोपों और जांच में मिले सबूतों से किसी खास आरोपी के खिलाफ अपराध के तत्व साबित न हों।

2008 अहमदाबाद धमाके में इंडियन मुजाहिदीन के सदस्य की फांसी पर रोक, हाईकोर्ट का फैसला पलटा- सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को 2008 के अहमदाबाद बम धमाकों के मामले में इंडियन मुजाहिदीन के एक सदस्य की मौत की सजा पर फिलहाल रोक लगाने का आदेश दिया है।

ड्राफ्ट के आधार पर मतदाता सूची से नाम नहीं हटा सकते: बाम्बे हाईकोर्ट- बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा है कि एसआईआर के तहत तैयार ड्राफ्ट मतदाता सूची, किसी मतदाता का नाम वोटर लिस्ट से हटाने का आधार नहीं हो सकती।

15 साल की दुष्कर्म पीड़िता

- 30 हफ्ते का गर्भ, केरल हाईकोर्ट ने दी गर्भपात की अनुमति- केरल हाईकोर्ट ने

दुष्कर्म पीड़िता 15 वर्षीय किशोरी के 30 सप्ताह के गर्भ को चिकित्सकीय तरीके से समाप्त करने की अनुमति दी है। किशोरी की मां ने इसके लिए याचिका दायर की थी।

यूपीएससी पर भरोसा अटूट है

पीएम मोदी शताब्दी समारोह में बोले, आईएएस-आईपीएस बनाने वाली संस्था के 100 साल पूरे

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1 अक्टूबर को सुबह 11 बजे नई दिल्ली के भारत मंडपम् में यूपीएससी के शताब्दी समारोह को संबोधित किया। यूपीएससी के 100 साल पूरे होने के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयोग की भूमिका और देश की प्रशासनिक व्यवस्था में उसके योगदान को रेखांकित किया। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने 1 अक्टूबर 2026 को अपनी स्थापना के 100 साल पूरे किए। इस अवसर पर नई दिल्ली के भारत मंडपम में दो दिवसीय शताब्दी समारोह 'मंथन' आयोजित किया गया। आयोग की स्थापना 1 अक्टूबर 1926 को हुई थी।

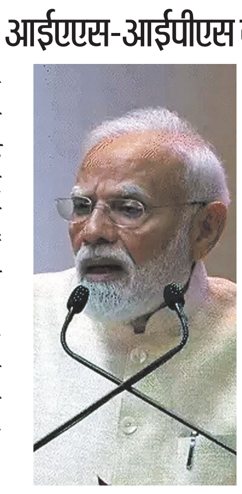

पीएससी के 100 साल लोगों के भरोसे का जश्न है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पीएससी की शताब्दी सिर्फ आयोग की 100 साल की यात्रा का जश्न नहीं है, बल्कि यह उसकी विरासत और करोड़ों भारतीयों द्वारा संस्था पर जताए गए भरोसे का भी जश्न है। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी, सरकार और परीक्षा प्रणालियों में बदलाव के बावजूद, आयोग ने लोगों का भरोसा बनाए रखा है। जनसेवा के लिए उम्मीदवारों का चयन करते समय हमेशा 2 सिद्धांतो को ध्यान में रखकर करना चाहिए। पहला है 'राष्ट्र प्रथम' और दूसरा है 'नागरिक प्रथम'। संघ लोक सेवा आयोग (पीएससी) ने 1 अक्टूबर 2026 को अपनी स्थापना के 100 साल पूरे कर लिए हैं। देश की प्रशासनिक व्यवस्था के लिए योग्य अधिकारियों का चयन करने वाली इस संस्था की शुरुआत 1926 में हुई थीं।

पीएम मोदी ने राष्ट्र-निर्माण में बताई पीएससी की भूमिका

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र-निर्माण में पीएससी के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि आयोग ने कई पीढ़ियों के लोक सेवकों की पहचान करने और उन्हें तैयार करने में मदद की है। उन्होंने कहा कि उनके काम ने दशकों से भारत की विकास यात्रा में योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि देश की बदलती जरूरतों को पूरा कने के लिए संघ लोक सेवा आयोग ने दशकों में लगातार खुद को बदला है।

अधीर रंजन का ममता को कांग्रेस में लौटने का न्योता

मुर्शिदाबाद (एजेंसी)। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने गुरुवार को ममता बनर्जी को दोबारा कांग्रेस में शामिल होने का न्योता दिया। मुर्शिदाबाद में उन्होंने ममता से कहा कि उन्हें बचे हुए टीएमसी विधायकों और सांसदों के साथ कांग्रेस में शामिल हो जाना चाहिए। चौधरी ने कहा कि कांग्रेस, बंगाल में ममता बनर्जी का नेतृत्व स्वीकार करने और उनके साथ काम करने को तैयार है। उन्होंने कांग्रेस हाईकमान से भी इस दिशा में कदम उठाने की अपील की।उन्होंने ममता बनर्जी से 6 अक्टूबर के नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव जैसी पहल करते हुए रेजीनगर में कांग्रेस उम्मीदवार को समर्थन देने को कहा। चौधरी ने बताया कि टीएमसी के विधानसभा और संसदीय दलों में अलग-अलग बगावत हो चुकी है।

शाही मस्जिद की मीनार का हिस्सा गिरा, छत भी डैमेज

उज्जैन में मुस्लिम समुदाय खुद दीवार तोड़ रहा था तभी हादसा, प्रशासन मरम्मत करा रहा

उज्जैन (एजेंसी)। उज्जैन के छत्री चौक स्थित शाही मस्जिद की मीनार का हिस्सा गुरुवार सुबह करीब 6.45 बजे अचानक टूटकर छत पर गिर गया। इससे मस्जिद की छत को भी नुकसान पहुंचा। हादसे में

किसी को चोट नहीं आई। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के तहत कंठाल चौक से गोपाल मंदिर तक सड़क चौड़ी की जानी है। शाही मस्जिद की मीनार समेत करीब 6 फीट हिस्सा सड़क की जद में आ रहा था। मुस्लिम समुदाय के लोग इसे हाथ से तोड़ने का काम चार दिन से कर रहे हैं। गुरुवार को भी निर्माण हटाया जा रहा था, तभी मीनार का हिस्सा टूटकर गिर गया।

प्रशासन ने छत का मरम्मत कार्य शुरू कराया- कलेक्टर रोशन सिंह ने बताया कि मीनार गिरने से मस्जिद के जिस हिस्से को नुकसान पहुंचा है, उसकी मरम्मत का काम शुरू करा दिया गया है। अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और स्थिति पर नजर रखी जा रही है। लोगों से शांति बनाए रखने और सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की है।

महीने के पहले ही दिन शेयर मार्केट लहूलुहान, 10 लाख करोड़ स्वाहा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। सितंबर में शेयर बाजार में भारी बिकवाली रही और निवेशकों को लाखों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। माना जा रहा था कि अक्टूबर का महीना निवेशकों के लिए खुशियां लेकर आएगा क्योंकि ऐतिहासिक रूप से यह महीना शेयर बाजार के लिए अच्छा रहा है। लेकिन महीने के पहले ही दिन निवेशकों को 10 लाख करोड़ रुपये का झटका लगा। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में 1.5 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई। लगातार विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली, बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और अन्य कारणों से निवेशक डरे हुए थे। बीएसई सेंसेक्स करीब 1,100 अंक गिरकर 71,400 के नीचे आ गया, जबकि निफ्टी 50 में करीब 400 अंक की गिरावट आई और यह 22,300 के नीचे चला गया। इस भारी बिकवाली के कारण बीएसई पर लिस्टेड सभी कंपनियों का कुल मार्केट कैप लगभग 10 लाख करोड़ रुपये कम होकर 462 लाख करोड़ रुपये से नीचे आ गया।

जमीन पर राहुल गांधी ने जमाई चौपाल, देखने पहुंची आदिवासियों की भीड़

मृत बच्चों के परिजनों को घंटे भर सुना, बोले- सरकार फेल

बालाघाट (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी गुरुवार को बालाघाट के बिरसा ब्लॉक के जगला गांव पहुंचे। यहां उन्होंने बैगा आदिवासियों से मुलाकात की और बीमारी से जान गंवाने वाले बच्चों के परिजनों के बीच बैठकर उनकी बातें सुनीं। राहुल गांधी करीब एक घंटे गांव में रहे। उनसे मिलने आसपास के गांवों से करीब डेढ़ हजार लोग भी पहुंचे।

जगला गांव में राहुल गांधी ने उन परिवारों से मुलाकात की, जिन्होंने बीमारी के बीच अपने बच्चों को खोया है। वह परिजनों के साथ बैठकर उनकी स्थिति और समस्याओं के बारे में बात करते नजर

आए। बालाघाट के बैहर और बिरसा इलाके में आदिवासी बच्चों की मौत का मामला पिछले कुछ समय से चर्चा में है। सरकारी आंकड़ों और कांग्रेस के दावों में मृत बच्चों की संख्या को लेकर अंतर भी सामने आया है।

बीमारी और कुपोषण को लेकर उठे सवाल

इन मौतों के बीच मलेरिया, खसरा, कुपोषण, एनीमिया, डिहाइड्रेशन और दूसरी स्वास्थ्य समस्याओं की चर्चा हुई है। जांच रिपोर्टों में सभी मौतों के लिए किसी एक बीमारी को जिम्मेदार नहीं बताया गया है। राहुल गांधी ने इससे पहले इस मामले को लेकर मध्य प्रदेश सरकार पर सवाल उठाए थे। अब जगला पहुंचकर उन्होंने प्रभावित परिवारों से सीधे मुलाकात की है। बच्चों को बचाने में सरकार पूरी तरह फेल रही। यह मुद्दा लोकसभा में उठाएंगे।

- **राहुल ने स्वास्थ्य, रोजगार और वन अधिकार का मुद्दा उठाया-** मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि आदिवासी इलाकों में स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार से जुड़ी सरकारी मदद पर्याप्त नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि बीमारी और कुपोषण के बीच कई बच्चों की जान गई, लेकिन पीड़ित परिवारों को पूरा मुआवजा भी नहीं मिला है। राहुल ने मनरेगा, वन अधिकार कानून और आदिवासियों को जमीन के पट्टे दिए जाने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने सरकार से इन क्षेत्रों में स्कूल और अस्पताल बनाने तथा स्वास्थ्य सुविधाएं मजबूत करने की मांग की। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ आदिवासी महिलाओं को लाड़ली बहना योजना का लाभ नहीं मिल रहा है।
- **'आदिवासी' कहेंगे, 'वनवासी' नहीं-** राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस आदिवासी समुदाय को 'वनवासी' नहीं, बल्कि 'आदिवासी' मानती है। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में आदिवासियों के अधिकार की बात कही।

उपाध्याय, पाठक, चौबे... स्वामी रामभद्राचार्य की विवादित टिप्पणी पर कोर्ट ने दिया केस दर्ज करने का आदेश

प्रयागराज (एजेंसी)। यहां पर अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) की अदालत ने स्वामी रामभद्राचार्य पर केस दर्ज करने का आदेश दिया है। उनके खिलाफ यह मामला ब्राह्मणों की उपजातियों को लेकर की गई टिप्पणी पर दर्ज करने के लिए कहा गया है। कोर्ट ने स्वामी रामभद्राचार्य को नोटिस जारी

किया है। इस मामले की सुनवाई 12 अक्टूबर को होगी। शिकायतकर्ता सुरेश चंद्र उपाध्याय की याचिका पर अदालत ने यह आदेश दिया है। राम भद्राचार्य ने उपाध्याय, पाठक, चौबे, त्रिगुणायक और दीक्षित आदि सरनेम वाले ब्राह्मणों पर अपमानजनक टिप्पणी की थी। तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामभद्राचार्य की ब्राह्मण समुदाय की कुछ उपजातियों पर की गई टिप्पणी पर कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है। प्रयागराज के एसीजेएम कोर्ट ने इस मामले में रामभद्राचार्य पर मामला दर्ज करने का आदेश दिया है।

बिहार में गंडक नदी उफान पर

सारण और मुजफ्फरपुर में तटबंध टूटे; कई इलाके बाढ़ की चपेट में, नेशनल हाइवे तक पहुंचा पानी

पटना (एजेंसी)। बिहार के सारण जिले में तटबंध क्षतिग्रस्त होने के बाद बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। मकेर प्रखंड में तटबंध टूटने से बड़ी मात्रा में पानी फैल गया है। इससे मकेर प्रखंड की सभी पंचायतें और अमनौर प्रखंड की कुछ पंचायतें प्रभावित हुई हैं। पानी का तेज बहाव परसा प्रखंड की ओर भी हो रहा है।

वहीं, बाढ़ का पानी कुछ स्थानों पर एनएच-722 पर चढ़ जाने से आवागमन और संपर्कता प्रभावित हुई है। जिला प्रशासन के अनुसार, जिले की 18 पंचायतों के 48 गांव बाढ़ से प्रभावित थे। प्रभावित आबादी करीब 24,725 और लगभग 4,220 परिवार हैं। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्य तेज कर दिया है।

प्रभावित पंचायतों में नाव की व्यवस्था: जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव और वरीय पुलिस अधिकारी स्वयं प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रहे हैं और स्थानीय लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील कर रहे हैं।

यूपी के 14 शहरों में बाढ़, स्कूल-मंदिरों में घुसा पानी:लखनऊ के कई इलाके जलमग्न

यूपी में बारिश थमने के बावजूद नदियां उफान पर हैं। गंगा, शारदा समेत 15 नदियां खतरे के निशान के करीब बह रही हैं। लखनऊ में सई और गोमती नदी का जलस्तर लगातार

बढ़ रहा है। निचले इलाकों में 5 फीट तक पानी भर गया है। सड़कें जलमग्न हो गई हैं। बाराबंकी में पानी सरकारी स्कूलों और मंदिरों तक में घुस गया है। गोंडा में घाघरा नदी खतरे के निशान से 26 सेमी ऊपर बह रही है। 30 गांव टापू में तब्दील हो गए हैं। रास्ते पूरी तरह डूब चुके हैं। 25 हजार से ज्यादा की आबादी बाढ़ में फंसी हुई है। गलियों में नावें चलाई जा रही हैं। वहीं, बाढ़ के पानी में डूबने से 2 युवकों की मौत हो गई। उन्नाव में भी बाढ़ के तेज बहाव में सड़क बह गई है।

कॉमर्शियल सिलेंडर 70 रुपए महंगा

- **केबायसी नहीं तो आज से एलपीजी सब्सिडी नहीं, एसी-टीवी फ्रिज महंगे, अक्टूबर में 7 बदलाव**

नईदिल्ली (एजेंसी)। अक्टूबर 2026 में सिलेंडर, हवाई ईंधन, बैंकिंग, डिजिटल पेमेंट और सरकारी योजनाओं से जुड़े 7 बदलाव हो रहे हैं। तेल कंपनियों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर रू. 70 रुपए तक महंगा कर दिया है। कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ने से रेस्टोरेंट मालिकों का खर्च मामूली बढ़ेगा। ऐसे में वे चाय, नाश्ता महंगा कर सकते हैं। शादियों की कैटरिंग भी महंगी हो सकती है। वहीं किलो वाले घरेलू सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं।

वेरिफिकेशन नहीं तो एलपीजी सब्सिडी नहीं- 1 अक्टूबर 2026 से सब्सिडी वाले रेट पर एलीपीजी गैस सिलिंडर

बुक करने के लिए ग्राहकों को बायोमेट्रिक आधार ऑथेंटिकेशन (केबायसी) पूरा करना अनिवार्य कर दिया गया है। जिन लोगों का ई केबायसी पहले से है, उनके लिए कोई बदलाव नहीं होगा।

अनमोल वचन

आज मातृ-पितृ दिवस है। आज के दिन विशेष रूप से बच्चों को माता-पिता के प्रति उनके क्या कर्तव्य हैं, यह ज्ञान होना बहुत जरूरी है। बच्चों की माँ-बाप के प्रति धारणा तो बदलती है परन्तु तब जब वे स्वयं माँ-बाप बन जाते हैं। वे स्वयं इस स्थिति में पहुँच जाते हैं कि घर में पुत्रवधु आ जाये, बेटी की शादी हो जाये, वह भी किसी की बहू बन जाये। उनकी धारणाएं स्वतः बदलने लगती हैं। तब उन्हें यह बात समझाने की आवश्यकता नहीं रहती कि माँ-बाप के आशीर्वाद का, उनके सदुपरामर्श का क्या महत्व है। जवानी में उनकी सोच अथवा धारणा गलत थी परन्तु तब तक माता-पिता दोनों अथवा उनमें से एक भगवान को प्यारा हो जाता है अथवा आयु के उस पड़ाव पर आ जाते हैं जब जीवन का कोई भरोसा नहीं रहता, यह बात भी अक्षरशः सत्य है। सत्य यह है कि बेटा तब जीवन की वास्तविकता समझता है जब वह स्वयं बाप बन जाता है और उसके बच्चे भी बड़े हो जाते हैं। उस समय अपनी गृहस्थी के आरम्भ में अपने द्वारा किये गये माँ-बाप के प्रति व्यवहार पर पछतावा होता है। परन्तु उस पछतावे का कोई अर्थ नहीं होता। इसलिये सभी सन्तानों को अपने माँ-बाप के तत्कालीन वर्तमान में अपने भविष्य की कल्पना कर लेनी चाहिये। इससे पारिवारिक सम्बन्ध सामान्य बने रहने की संभावनाएँ बनी रहती हैं

बुढ़ाना पुलिस ने किया अवैध पटाखा फैक्ट्री का भंडाफोड़, आठ लाख के पटाखे बरामद

दीपावली से पहले बिना लाइसेंस घर में चल रहा था पटाखों का कारोबार, 80 किलो तैयार पटाखे समेत 127 किलो से अधिक निर्माण सामग्री जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। दीपावली से पहले थाना बुढ़ाना पुलिस ने अवैध पटाखा कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक मकान में चल रहे अवैध पटाखा निर्माण और भंडारण का पदार्फाश किया है। पुलिस ने मौके से करीब आठ लाख रुपये कीमत के तैयार पटाखे और पटाखा निर्माण सामग्री बरामद करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपी बिना किसी वैध लाइसेंस और सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के पटाखों का निर्माण और भंडारण कर रहे थे।

कांधला रोड पर मकान में चल रहा था अवैध कारोबार

पुलिस लाइन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि थाना बुढ़ाना पुलिस को सूचना मिली थी कि कांधला रोड स्थित शिव मूर्ति के सामने वाली गली में एक मकान के अंदर अवैध रूप से पटाखे बनाए जा रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर मकान की जांच की। पुलिस ने वहां मौजूद लोगों से पटाखा निर्माण और भंडारण से संबंधित लाइसेंस के बारे में जानकारी मांगी। मौके पर मौजूद दोनों आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने कुछ समय पहले ही मकान में पटाखे बनाने का काम शुरू किया था। उनके मुताबिक इस कारोबार में काफी मुनाफा होता है और दीपावली का त्योहार नजदीक आने के कारण अधिक मुनाफा कमाने के लिए पटाखे तैयार किए जा रहे थे। पुलिस के मुताबिक दोनों के पास पटाखा निर्माण अथवा भंडारण का कोई वैध लाइसेंस नहीं था। इसके बाद पुलिस ने दोनों को मौके से गिरफ्तार कर लिया।

80 किलो तैयार पटाखे समेत भारी मात्रा में सामग्री बरामद

पुलिस ने मौके से 80 किलोग्राम चटरपटर पटाखे बरामद किए। ये पटाखे आठ पेटियों में रखे हुए थे, प्रत्येक पेटी में करीब 10 किलोग्राम पटाखे बताए गए हैं। इसके अलावा पुलिस ने 28 किलोग्राम डैस्टिंग पाउडर, 25 किलोग्राम अरारोट, 11 किलोग्राम कोयला पाउडर, 2.5 किलोग्राम पटाखा बत्ती, 19 किलोग्राम अधबने पटाखे, 37 किलोग्राम गत्ता और चार किलोग्राम पैकिंग गत्ता बरामद किया है। मौके से पटाखों की पैकिंग में इस्तेमाल होने वाला इलेक्ट्रॉनिक कांटा, पैकिंग टेप और कैंची भी पुलिस ने कब्जे में ली है। पुलिस के अनुसार बरामद समस्त सामान की अनुमानित कीमत करीब आठ लाख रुपये है।

बिना लाइसेंस पटाखा निर्माण से आसपास के लोगों की सुरक्षा पर था खतरा

पुलिस के मुताबिक आरोपी बिना वैध लाइसेंस और सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के पटाखों का निर्माण कर रहे थे। साथ ही पटाखा निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री और तैयार पटाखों का भी अनधिकृत रूप से भंडारण किया जा रहा था।

पुलिस ने इसे जनसुरक्षा की दृष्टि से गंभीर मामला बताया है। पुलिस के अनुसार मकान में पटाखों और निर्माण सामग्री का भंडारण होने के कारण आग लगने या विस्फोट की स्थिति में आसपास रहने वाले लोगों के साथ-साथ आरोपियों की जान-माल को भी खतरा हो सकता था।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम

पुलिस ने आस मोहम्मद पुत्र यासीन निवासी मोहल्ला चमारान, नई बस्ती, कस्बा व थाना बुढ़ाना, मुजफ्फरनगर तथा बिलाल पुत्र कय्यूम निवासी ग्राम बुटराडा, थाना बाबरी, जिला शामली को गिरफ्तार किया है।

विस्फोटक अधिनियम समेत बीएनएस की धाराओं में मुकदमा

मामले में थाना बुढ़ाना में मुकदमा अपराध संख्या 446/2025 धारा 288, 125 बीएनएस तथा 5/9बी (1)(ए)/9बी (1)(बी) विस्फोटक अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस टीम को एसएसपी ने दिया 15 हजार रुपये का पुरस्कार

अवैध पटाखा निर्माण और भंडारण के खिलाफ कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक सुभाष अत्री, उपनिरीक्षक ललित कसाना, हेड कांस्टेबल हरीशपाल, सिराज, पुष्पेंद्र कुमार, अमरदीप, सुनील कुमार, निर्वेश कुमार, अमित तेवतिया तथा महिला कांस्टेबल डिम्पल पंवार शामिल रहीं। कार्रवाई पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने पुलिस टीम की सराहना करते हुए टीम को 15 हजार रुपये के पुरस्कार से पुरस्कृत किया है।

मोबाइल झपटमारी गिरोह के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई, गैंगलीडर नदीम समेत दो पर मुकदमा दर्ज

बुढ़ाना थाना प्रभारी निरीक्षक सुभाष अत्री ने दर्ज कराया मुकदमा, राह चलते लोगों से मोबाइल छीनने के दो मामलों का पुलिस ने किया उल्लेख

मुजफ्फरनगर। बुढ़ाना थाना क्षेत्र में राह चलते लोगों से झपट्टा मारकर मोबाइल छीनने के आरोप में कार्रवाई झेल चुके दो आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया है। बुढ़ाना थाना प्रभारी निरीक्षक सुभाष अत्री की ओर से दर्ज कराए गए मुकदमे में नंगला रियावली निवासी नदीम को कथित गैंगलीडर तथा महराज को उसका सहअभियुक्त बताया गया है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम-1986 की धारा 2/3 के तहत कार्रवाई की है। पुलिस के मुताबिक नदीम पुत्र मोहम्मद अली निवासी ग्राम नंगला रियावली, थाना रतनपुरी ने अपने सहअभियुक्त महराज पुत्र आस मोहम्मद निवासी ग्राम नंगला रियावली के साथ मिलकर एक संगठित आपराधिक गिरोह बनाया। पुलिस का आरोप है कि यह गिरोह जनपद स्तर पर सक्रिय रहते हुए भौतिक एवं आर्थिक लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से लूट और छिनैती जैसी वारदातों को अंजाम देता रहा है। पुलिस के मुकदमे में दर्ज विवरण के अनुसार गिरोह ने 28 सितंबर 2025 को बुढ़ाना कस्बे के पारसी बस स्टैंड, बड़ा बाजार के पास आयुष गोयल पुत्र योगेश गोयल निवासी बड़ा बाजार से झपट्टा मारकर रेडमी नोट-9 मोबाइल फोन छीन लिया था। इस मामले में थाना बुढ़ाना पर मु0अ0सं0 408/2025, धारा 304(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद 2 अक्टूबर 2025 को चरण सिंह तिराहे के पास बुढ़ाना कस्बे में शुऐब पुत्र जाहिद निवासी करबला रोड से भी झपट्टा मारकर मोबाइल छीनने का आरोप है। इस मामले में थाना बुढ़ाना पर मु0अ0सं0 414/2025, धारा 304(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार दोनों घटनाओं की विवेचना के दौरान सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्य जुटाए गए। साक्ष्यों के आधार पर नदीम और महराज के नाम सामने आए। पुलिस के मुताबिक वारदात में मोटरसाइकिल संख्या यूपी-12-बीएस-0980 का इस्तेमाल किया गया था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार 18 अक्टूबर 2025 को महराज को छीने गए मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया गया था, जबकि नदीम ने न्यायालय के समक्ष आत्मसमर्पण किया था। बरामदगी और साक्ष्य के आधार पर दोनों मुकदमों में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई। पुलिस के अनुसार महराज के खिलाफ मुकदमा संख्या 408/2025 में आरोप पत्र संख्या 397/25 दिनांक 12 दिसंबर 2025 तथा मुकदमा संख्या 414/2025 में आरोप पत्र संख्या 399/25 दिनांक 14 दिसंबर 2025 को न्यायालय भेजा गया। वहीं नदीम के खिलाफ मुकदमा संख्या 408/2025 में आरोप पत्र संख्या 397ए/25 दिनांक 10 अप्रैल 2026 और मुकदमा संख्या 414/2025 में आरोप पत्र संख्या 399ए/25 दिनांक 12 अप्रैल 2026 को न्यायालय प्रेषित किए जाने का उल्लेख पुलिस रिकॉर्ड में है।

नदीम पर पहले भी गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई का उल्लेख

मुकदमे में पुलिस ने नदीम के पूर्व आपराधिक इतिहास का भी उल्लेख किया है। पुलिस के मुताबिक नदीम पूर्व में इमरान पुत्र बाबू अमीर साहब निवासी ग्राम रियावली, थाना बुढ़ाना के गैंग का सदस्य था। उसके खिलाफ पूर्व में थाना बुढ़ाना से गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई किए जाने का भी उल्लेख किया गया है। इसमें मु0अ0सं0 223/2023, धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट का हवाला दिया गया है। पुलिस का कहना है कि नदीम ने वर्तमान में महराज के साथ मिलकर नया गिरोह बनाया, जिसमें वह स्वयं गैंगलीडर है। मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि गिरोह की गतिविधियों के कारण आम लोगों में भय का वातावरण बना और लोग आरोपियों के खिलाफ गवाही देने से भी कतराते हैं।

यूपी पुलिस ने बॉडीबिल्डिंग में लहराया परचम, 4 स्वर्ण और 5 रजत पदकों के साथ जीती विजेता ट्रॉफी

75वीं अखिल भारतीय पुलिस रेसलिंग क्लस्टर-2026 में 340 अंक हासिल कर पुरुष बॉडीबिल्डिंग वर्ग में यूपी पुलिस बनी विजेता, एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने खिलाड़ियों और कोच को कैश रिवार्ड देकर किया सम्मानित

मुजफ्फरनगर। हरियाणा के करनाल स्थित पुलिस परिसर मधुबन में आयोजित 75वीं अखिल भारतीय पुलिस रेसलिंग क्लस्टर-2026 की बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश पुलिस के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का नाम रोशन किया। यूपी पुलिस की टीम ने प्रतियोगिता में चार स्वर्ण और पांच रजत पदक हासिल करते हुए कुल 340 अंक अर्जित किए और पुरुष बॉडीबिल्डिंग वर्ग की विजेता ट्रॉफी अपने नाम कर ली। पुलिस के अनुसार 23 से 27 सितंबर 2026 तक करनाल, हरियाणा के पुलिस परिसर मधुबन में 75वीं अखिल भारतीय पुलिस रेसलिंग क्लस्टर-2026 का आयोजन किया गया। इसमें देशभर की विभिन्न पुलिस टीमों के साथ केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के खिलाड़ियों ने भी प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में आर्म रेसलिंग, बॉडीबिल्डिंग, बॉक्सिंग और कुश्ती के मुकाबले आयोजित किए गए। बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश पुलिस के खिलाड़ियों ने विभिन्न मुकाबलों में दमदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण पदक और पांच रजत पदक अपने नाम किए। पदकों के आधार पर यूपी पुलिस ने 340 अंक अर्जित किए और पुरुष बॉडीबिल्डिंग वर्ग में विजेता ट्रॉफी हासिल की।

एसएसपी ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर बढ़ाया हौसला

उत्तर प्रदेश पुलिस के खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर मुजफ्फरनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने खिलाड़ियों और कोच से मुलाकात की। उन्होंने खिलाड़ियों को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। एसएसपी ने खिलाड़ियों को कैश रिवार्ड प्रदान कर सम्मानित भी किया। उन्होंने खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन, लगन और खेल भावना की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस बल के जवान कानून-व्यवस्था और पुलिसिंग की जिम्मेदारियों के साथ खेल के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं, जो पूरे पुलिस विभाग और प्रदेश के लिए गौरव की बात है।

मेहनत और अनुशासन से हासिल की बड़ी उपलब्धि

एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने खिलाड़ियों को भविष्य में होने वाली प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं देते हुए निरंतर मेहनत और समर्पण के साथ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक क्षमता को मजबूत करता है, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, धैर्य और टीम भावना को भी बढ़ाता है। यूपी पुलिस के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण और पांच रजत पदक हासिल किए। 340 अंकों के साथ विजेता ट्रॉफी हासिल करना खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत और निरंतर अभ्यास का परिणाम माना जा रहा है।

देशभर की पुलिस टीमों ने लिया हिस्सा

75वीं अखिल भारतीय पुलिस रेसलिंग क्लस्टर-2026 में देशभर की पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के दौरान अलग-अलग खेल विधाओं में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बॉडीबिल्डिंग वर्ग में उत्तर प्रदेश पुलिस ने सर्वाधिक प्रभावी प्रदर्शन करते हुए विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। मुजफ्फरनगर पुलिस के अनुसार खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से पुलिस विभाग में भी उत्साह का माहौल है। अधिकारियों ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन को अन्य पुलिसकर्मियों के लिए प्रेरणादायी बताया और उम्मीद जताई कि भविष्य की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी यूपी पुलिस के खिलाड़ी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखेंगे।

रहकड़ा पुलिया पर तेज रफ्तार अज्ञात कार ने बाइक में मारी भीषण टक्कर, युवक की मौके पर मौत

मुजफ्फरनगर। भोपा थाना क्षेत्र में करीब एक माह पहले हुए सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत के मामले में पुलिस ने अब अज्ञात कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। ग्राम हरीनगर मखियाली निवासी युवक दिनेश अपने मामा के घर ग्राम रहकड़ा जा रहा था। रहकड़ा पुलिया के पास देव फार्म के निकट पीछे से तेज गति में आए अज्ञात कार चालक ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से जा टकराई। हादसे में दिनेश की मौके पर ही मौत हो गई थी। परिवार में तेरहवीं और अन्य रस्मों के चलते मृतक का भाई तत्काल पुलिस को तहरीर नहीं दे सका। रस्में पूरी होने के बाद 30 सितंबर को थाने पहुंचकर तहरीर दी गई, जिस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना भोपा पुलिस को दी गई तहरीर में ग्राम हरीनगर मखियाली, थाना नई मंडी निवासी अरुण कुमार पुत्र शेर सिंह ने बताया कि उसका छोटा भाई दिनेश गत 3 सितंबर 2026 की रात करीब आठ बजे अपनी स्प्लेंडर मोटरसाइकिल लेकर ग्राम रहकड़ा में अपने मामा के यहां जाने के लिए घर से निकला था। वह मोटरसाइकिल से रहकड़ा की ओर जा रहा था। इसी दौरान रहकड़ा पुलिया के पास देव फार्म के निकट पीछे से तेज रफ्तार में आ रही एक अज्ञात कार ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बिजली के खंभे से जा भिड़ा बाइक सवार

तहरीर के अनुसार अज्ञात कार की टक्कर लगते ही दिनेश की मोटरसाइकिल का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से जा टकराया। टक्कर के कारण दिनेश गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा इतना भीषण था कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई, जबकि टक्कर मारने वाला अज्ञात कार चालक मौके से फरार हो गया। दिनेश की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों के लिए अचानक हुई इस घटना से संभलना मुश्किल हो गया। परिवार ने मृतक की तेरहवीं और अन्य धार्मिक रस्में पूरी कीं। इन्हीं पारिवारिक कारणों के चलते मृतक के भाई अरुण कुमार ने तत्काल थाने पहुंचकर मुकदमा दर्ज नहीं कराया। अरुण कुमार ने पुलिस को बताया कि परिवार में तेरहवीं एवं अन्य कारणों के चलते वह कुछ समय बाद थाने पहुंचा। 30 सितंबर 2026 को उसने भोपा थाने में लिखित तहरीर देकर हादसे की जानकारी दी और अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है।

लकड़संधा में युवक से मारपीट और गाली-गलौज, विरोध पर जान से मारने की धमकी

मुजफ्फरनगर। कोतवाली नगर थाना क्षेत्र के ग्राम लकड़संधा में एक युवक के साथ मारपीट और गाली-गलौज किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि गांव के ही चार लोगों ने युवक के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया। पीड़ित ने जब इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। मामले में पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चार लोगों पर मारपीट करने का आरोप

ग्राम लकड़संधा निवासी कुलदीप पुत्र राजवीर ने कोतवाली नगर पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गांव के ही राजकुमार पुत्र मांगे राम, राहुल पुत्र मांगे राम, चंद्रवीर पुत्र वंशी और लोकेश पुत्र चंद्रवीर ने उसके साथ मारपीट और गाली-गलौज की। पीड़ित के अनुसार मारपीट के दौरान उसे काफी चोटें आईं।

तहरीर के मुताबिक जब कुलदीप ने आरोपियों की मारपीट और गाली-गलौज का विरोध किया तो आरोपी कथित रूप से उसे जान से मारने की धमकी देने लगे। घटना के बाद पीड़ित ने मामले की जानकारी पुलिस को दी और आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की।

28 सितंबर की शाम का बताया मामला

पीड़ित ने पुलिस को दी तहरीर में घटना 28 सितंबर 2026 की शाम करीब छह बजे की बताई है। घटना के बाद पीड़ित ने कोतवाली नगर थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने शुरू की जांच

मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटना के कारणों, मारपीट में शामिल लोगों और मौके पर मौजूद परिस्थितियों के संबंध में जानकारी जुटा रही है। पुलिस द्वारा तहरीर में लगाए गए आरोपों की जांच के साथ ही उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित कुलदीप ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की थी। पुलिस ने तहरीर को मुकदमे में दर्ज करते हुए विवेचना शुरू कर दी है।

होटल पर खाना खाने पहुंचे युवक पर बोतल और धारदार हथियार से हमला, सिर फाड़ा

नई मंडी के कूकड़ा बाईपास स्थित होटल पर शराब पी रहे युवकों पर मारपीट का आरोप; घायल युवक बेहोश होकर गिरा, गले की सोने की चेन भी गायब होने की शिकायत

मुजफ्फरनगर। नई मंडी थाना क्षेत्र के कूकड़ा बाईपास स्थित एक होटल पर खाना खाने पहुंचे युवक के साथ मारपीट कर सिर पर बोतल और धारदार हथियार से हमला करने का मामला सामने आया है। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा। घायल युवक को परिजन रात में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका उपचार कराया गया। पीड़ित के पिता की तहरीर पर नई मंडी पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव कूकड़ा की बैंक वाली गली निवासी धर्मेन्द्र राठी पुत्र स्वर्गीय बिरता सिंह राठी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 28 सितंबर 2026 की रात करीब नौ बजे उसका पुत्र अर्जुन राठी अपने दोस्त नीशू काररान पुत्र देवेंद्र काररान निवासी कूकड़ा के साथ खाना खाने के लिए बाईपास स्थित एक होटल पर गया था। तहरीर के अनुसार, वहां अर्जुन राठी का एक अन्य दोस्त शिवम भी मौजूद था। शिवम ईवान हॉस्पिटल के सामने स्थित होटल का मालिक बताया गया है। शिवम ने आवाज देकर अर्जुन राठी और नीशू काररान को अपने पास बुलाया।

आरोप है कि होटल पर पहले से ही कुछ युवक मौजूद थे और शराब पी रहे थे। तहरीर में अभय खाटियान पुत्र नामालूम निवासी मखियाली, आकाश निवासी मखियाली, यश तौमर निवासी मखियाली और अर्पित निवासी मखियाली के नाम बताए गए हैं। पीड़ित के पिता का आरोप है कि अर्जुन राठी को देखते ही उक्त युवकों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। अर्जुन ने जब उनसे गाली देने का कारण पूछा तो आरोप है कि सभी ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। तहरीर में गंभीर आरोप लगाते हुए कहा गया है कि मारपीट के दौरान अर्जुन के सिर पर बोतल से हमला किया गया। इसके साथ ही धारदार हथियार से भी उसके सिर पर वार किए गए। हमले में अर्जुन का सिर फट गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के दौरान सिर में गंभीर चोट लगने के कारण अर्जुन चक्कर खाकर बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा। तहरीर में पिता ने आरोप लगाया है कि उसके पुत्र पर जानलेवा हमला किया गया। तहरीर के मुताबिक कुछ समय बाद होश में आने पर अर्जुन ने डायल-112 पर पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस की गाड़ी मौके की ओर पहुंची। आरोप है कि पुलिस वाहन के सायरन की आवाज सुनते ही आरोपी अर्जुन को जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजन भी मौके पर पहुंचे और घायल अर्जुन को रात में उपचार के लिए जिला अस्पताल मुजफ्फरनगर लेकर गए। वहां चिकित्सकों ने उसका उपचार किया।

मारपीट के दौरान सोने की चेन गायब होने का आरोप

पीड़ित के पिता ने तहरीर में यह भी बताया कि घटना के समय अर्जुन के गले में सोने की चेन थी, जो बाद में नहीं मिली। उन्होंने आशंका जताई है कि मारपीट के दौरान चेन घटनास्थल पर गिरकर गुम हो गई या फिर आरोपित उसे अपने साथ ले गए। घटना के संबंध में धर्मेन्द्र राठी ने 29 सितंबर 2026 को नई मंडी थाने में तहरीर देकर आरोपितों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने और कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब घटना के कारणों, मारपीट के दौरान इस्तेमाल किए गए हथियार, घायल युवक को आई चोटों तथा सोने की चेन गायब होने के आरोप की जांच कर रही है।

घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और घटना के समय मौजूद लोगों की भूमिका भी जांच का हिस्सा हो सकती है। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी है।

आईजीआरएस निस्तारण में मुजफ्फरनगर पुलिस फिर प्रदेश में नंबर वन

लगातार सातवीं बार प्रदेश में प्रथम स्थान, बिना किसी प्रार्थना पत्र को डिफाल्टर किए शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण

मुजफ्फरनगर। जनशिकायतों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के मामले में मुजफ्फरनगर पुलिस ने एक बार फिर प्रदेश स्तर पर अपनी उपलब्धि दर्ज कराई है। जनसुनवाई पोर्टल (आईजीआरएस) पर प्राप्त शिकायतों के समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में मुजफ्फरनगर पुलिस को लगातार सातवीं बार प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। सितंबर 2026 में भी जिले की पुलिस ने आईजीआरएस के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में प्रदेशभर में पहला स्थान हासिल किया। उत्तर प्रदेश शासन की ओर से जनता की समस्याओं के त्वरित, समयबद्ध और संतुष्टिपूर्ण समाधान के लिए समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली यानी आईजीआरएस संचालित की जा रही है। इस पोर्टल के माध्यम से आमजन अपनी शिकायतें शासन और संबंधित विभागों तक पहुंचाते हैं। शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता और समयबद्धता के आधार पर जिलों की

रैंकिंग निर्धारित की जाती है। मुजफ्फरनगर पुलिस ने वर्ष 2026 में लगातार सात माह तक प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। पुलिस के अनुसार आईजीआरएस के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रार्थना पत्र को डिफाल्टर नहीं होने दिया गया। शिकायतों पर निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्रवाई के साथ ही निस्तारण की गुणवत्ता और शिकायतकर्ता की संतुष्टि पर भी विशेष ध्यान दिया गया। इसी का परिणाम रहा कि सितंबर माह की रैंकिंग में भी मुजफ्फरनगर पुलिस प्रदेश के सभी जिलों में पहले स्थान पर रही। यह उपलब्धि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक के निकट पर्यवेक्षण तथा प्रभारी आईजीआरएस ओमप्रकाश सिंह के नेतृत्व में किए जा रहे कार्यों का परिणाम बताई गई है। जिले के सभी थानों को आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों के त्वरित और निष्पक्ष निस्तारण के लिए लगातार निर्देशित किया जा रहा है। शिकायतों के निस्तारण में आईजीआरएस शाखा के साथ-साथ जिले के सभी थानों में नियुक्त आईजीआरएस कर्मचारियों और जांच अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस के अनुसार शिकायत प्राप्त होने के बाद संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मामले की जांच करते हैं तथा निर्धारित समय सीमा में कार्रवाई कर उसकी रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड करते हैं। शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता की निगरानी उच्चाधिकारियों के स्तर से भी की जाती है।

दहेज हत्या के मामले में फरार दो आरोपी गिरफ्तार, पति और देवर पर पुलिस का शिकंजा

मुजफ्फरनगर। थाना नई मंडी क्षेत्र में विवाहिता प्रतिभा की मौत के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मृतका के पति सुनील राणा और देवर कपिल राणा को जानसठ रोड स्थित बीबीपुर भट्टे के पास से गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी गोकुल सिटी के रहने वाले हैं और मामले में वांछित चल रहे थे। पुलिस ने दोनों को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना नई मंडी पुलिस उनकी तलाश में जुटी थी। इसी दौरान पुलिस टीम को दोनों आरोपियों के संबंध में जानकारी मिली। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने जानसठ रोड स्थित बीबीपुर भट्टे के पास घेराबंदी कर सुनील राणा और कपिल राणा को गिरफ्तार कर लिया। मामला प्रतिभा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत से जुड़ा है। जानकारी के मुताबिक प्रतिभा की शादी वर्ष 2020 में सुनील राणा के साथ हुई थी। बताया गया कि घर में प्रतिभा के फांसी लगाने की बात सामने आई। घटना के समय उसका पति सुनील घर से बाहर बताया गया। बाद में करीब साढ़े चार बजे थाने पर घटना की सूचना दी गई। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के भाई राहुल, पुत्र देशपाल, निवासी करौंदा, थाना फुगाना ने मामले में पुलिस को तहरीर देकर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाया। तहरीर के आधार पर थाना नई मंडी में मुकदमा दर्ज किया गया। आरोप लगाया गया कि प्रतिभा से दहेज के रूप में पांच लाख रुपये की मांग की जा रही थी और इसी को लेकर उसका उत्पीड़न किया जाता था। पुलिस ने मामले में मुकदमा संख्या 457/2026 दर्ज किया है। इसमें भारतीय न्याय संहिता की धारा 85 और 80(2) तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 के तहत कार्रवाई की गई है। बताया गया कि वर्ष 2020 में शादी होने के बावजूद प्रतिभा और सुनील के कोई बच्चा नहीं था। सुनील राणा के बारे में बताया गया कि वह प्लॉट खरीद-बिकवाने का काम करता था और मूल रूप से निरपुड़ा, बागपत क्षेत्र का रहने वाला बताया गया है। वहीं गिरफ्तार किया गया कपिल राणा मृतका का देवर है और प्रॉपर्टी ब्रोकर का काम करता है। परिजनों के मुताबिक प्रतिभा पढ़ाई में भी आगे थी और एलएलबी की छात्रा थी। उसकी मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपे जाने की प्रक्रिया की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुनील राणा और कपिल राणा पुत्र जसवीर राणा निवासी गोकुल सिटी, थाना नई मंडी, मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादकः
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222, मो. 9412211222
e-mail Address : royalbulletin@gmail.com

रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
शुक्रवार 02 अक्टूबर 2026 पृष्ठ 3

मीनाक्षी चौक पर अब रात 11 बजे के बाद नहीं खुलेंगे होटल और दुकानें, खालापार पुलिस ने कसा शिकंजा

10:50 बजे लाइट ऑफ और 11 बजे तक दुकानें बंद कराने का आदेश, मीनाक्षी चौक पर होटल संचालकों और दुकानदारों को सख्त चेतावनी

मुजफ्फरनगर। शहर के मीनाक्षी चौक पर देर रात तक खुलने वाले होटल और दुकाने और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को लेकर पुलिस ने सख्ती शुरू कर दी है। खालापार थाना प्रभारी विजय कुमार ने भारी पुलिस बल के साथ क्षेत्र में अभियान चलाकर अतिक्रमण हटवाया और मीनाक्षी चौक समेत आसपास के दुकानदारों व होटल संचालकों को रात 11 बजे तक प्रतिष्ठान बंद करने के स्पष्ट निर्देश दिए। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद देर रात तक खुले रहने वाले प्रतिष्ठानों में हड़कंप मच गया।

खालापार थाना प्रभारी विजय कुमार पुलिस बल के साथ मीनाक्षी चौक पहुंचे। यहां उन्होंने सड़क और आसपास के क्षेत्र में किए गए अतिक्रमण को हटवाया। पुलिस टीम ने दुकानदारों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क और सार्वजनिक स्थान पर किसी भी तरह का सामान रखकर आवागमन बाधित न किया जाए। पुलिस ने दुकानदारों और होटल संचालकों को निर्धारित समय का पालन करने की हिदायत भी दी।

10:50 बजे लाइट ऑफ, 11 बजे पूरी तरह बंद

पुलिस ने मीनाक्षी चौक के होटल संचालकों और दुकानदारों को निर्देश दिए कि रात 10:50 बजे लाइट बंद करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाए और रात 11 बजे तक दुकान व होटल पूरी तरह बंद कर दिए जाएं। थाना प्रभारी ने साफ किया कि निर्धारित समय के बाद प्रतिष्ठान खुले मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

होटल संचालकों को सख्त चेतावनी

मीनाक्षी चौक क्षेत्र में कई होटल और अन्य प्रतिष्ठान देर रात तक खुले रहने को लेकर पुलिस के रडार पर रहे हैं। अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों ने होटल संचालकों से कहा कि वे रात 11 बजे के बाद होटल संचालन न करें। पुलिस ने स्पष्ट किया कि निर्धारित समय का पालन करना सभी के लिए जरूरी है और किसी भी स्तर पर लापरवाही

मिलने पर कार्रवाई की जा सकती है।

सिविल लाइन क्षेत्र में भी लागू होंगे निर्देश

खालापार थाना क्षेत्र के साथ-साथ सिविल लाइन थाना क्षेत्र में आने वाले होटल और दुकानों को भी रात 11 बजे तक बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस ने संबंधित दुकानदारों और होटल संचालकों को समय सीमा की जानकारी देते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं।

अतिक्रमण पर भी पुलिस की सख्ती

रात में अभियान के दौरान पुलिस ने केवल प्रतिष्ठान बंद कराने तक ही कार्रवाई सीमित नहीं रखी, बल्कि सड़क किनारे और सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अतिक्रमण को भी हटवाया। पुलिस ने दुकानदारों को चेताया कि दोबारा अतिक्रमण किए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस बल की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाए जाने से क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल भी बना रहा।

दुकानदारों और होटल संचालकों को दिए आवश्यक निर्देश

थाना प्रभारी विजय कुमार ने दुकानदारों और होटल संचालकों से कहा कि वे पुलिस द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करें। रात में अनावश्यक भीड़ जमा न होने देने, सार्वजनिक मार्ग को बाधामुक्त रखने और निर्धारित समय पर प्रतिष्ठान बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस ने कहा कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए समय-समय पर इस तरह के अभियान जारी रहेंगे।

पुलिस की सख्ती से देर रात तक खुलने वाले प्रतिष्ठानों पर असर

मीनाक्षी चौक और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस की इस कार्रवाई का सीधा असर देर रात तक खुलने वाले होटल और दुकानों पर दिखाई दिया। पुलिस ने साफ कर दिया है कि रात 10:50 बजे लाइट ऑफ और 11 बजे तक प्रतिष्ठान बंद करने की व्यवस्था का पालन कराया जाएगा। पुलिस की सख्ती के बाद अब निर्धारित समय के बाद दुकान या होटल खोलकर बैठने वालों पर कार्रवाई की संभावना बढ़ गई है।

मोरना के टंढेडा में आवारा कुत्तों का आतंक: राशन डीलर पर हमला, गंभीर रुप से घायल, ग्रामीणों में दहशत

बच्चों का स्कूल जाना भी हुआ दुश्वार, अभिभावकों में बढी चिंता

मोरना (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र के टंढेडा गांव में इन दिनों आवारा कुत्तों का आतंक चरम पर पहुँच गया है। गांव की गलियों से लेकर रास्तों तक आवारा कुत्तों के झुंड घूम रहे हैं, जिससे पूरे ग्रामीण इलाकों में खौफ और दहशत का माहौल बना हुआ है। स्थिति यह हो गई है कि आम ग्रामीणों के साथ-साथ अब छोटे स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी अभिभावक बेहद चिंतित दिखाई दे रहे हैं। सुबह जंगल जाते समय कुत्तों के झुंड ने घेरा

सोमवार/मंगलवार सुबह ककरौली थाना क्षेत्र के गांव टंढेडा में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब गांव के राशन डीलर शाहनजर (पुत्र मोहम्मद कासिम) पर कुत्तों के झुंड ने हमला बोल दिया। पीड़ित शाहनजर के अनुसार, वे सुबह सवेरे अपने घर से जंगल की ओर टहलने/काम से जा रहे थे। रास्ते में अचानक कुत्तों के एक झुंड ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया और आक्रामक होकर भौंकने लगे। इससे पहले कि वे खुद का बचाव कर पाते, एक कुत्ते ने झपटकर

उन पर जानलेवा हमला कर दिया और उन्हें बुरी तरह काट लिया। कुत्ते के हमले में मेरे हाथ और पैर पर गहरे घाव आए हैं। शोर मचाने पर जब आसपास के लोग दौड़े, तब जाकर मेरी जान बच सकी। घटना के तुरंत बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने घायल शाहनजर को आनन-फानन में इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है।

बच्चों का स्कूल जाना हुआ दुश्वार, खौफ में ग्रामीण

गांव में लगातार बढ़ रही इस समस्या पर स्थानीय ग्रामीणों–अली नवाज, खुशनूद, मेहंदी, मुशर्रफ, सलमान, जीशान, उस्मान और अमीर का कहना है कि आवारा कुत्तों का झुंड हर समय सड़कों पर जमा रहता है। कुत्तों के इस हिंसक रवैये के कारण छोटे बच्चों का अकेले स्कूल जाना लगभग असंभव हो चुका है। कई माता-पिता डर के मारे खुद बच्चों को अपनी निगरानी में स्कूल छोड़ने और वापस लाने को मजबूर हैं।

प्रशासन से नसबंदी और पकड़वाने की मांग

राशन डीलर पर हुए इस हमले के बाद गांव के लोगों में आक्रोश के साथ-साथ भारी डर व्याप्त है। ग्रामीणों ने प्रशासनिक अधिकारियों व नगर पंचायत/ग्राम पंचायत प्रशासन से गुहार लगाई है कि गांव में घूम रहे इन खूंखार कुत्तों को तुरंत पकड़वाया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन ने इस पर ठोस कदम नहीं उठाया, तो भविष्य में किसी बच्चे या बुजुर्ग के साथ कोई बड़ा और गंभीर हादसा हो सकता है।

मिमलाना रोड के मकान में छिपा रखा था बारूद का जखीरा, 480.8 किलो विस्फोटक और 120 बुलेट बम बरामद

कोतवाली नगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई से मचा हड़कंप, करीब सात लाख रुपये की सामग्री जब्त, बिना लाइसेंस पटाखे बनाने वाली महिला गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। त्योहारों से पहले अवैध पटाखा निर्माण और विस्फोटक सामग्री के भंडारण के खिलाफ मुजफ्फरनगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। कोतवाली नगर पुलिस ने मिमलाना रोड क्षेत्र में एक मकान पर छापेमारी कर भारी मात्रा में अवैध विस्फोटक सामग्री बरामद की है। पुलिस के मुताबिक मकान के अंदर बिना वैध लाइसेंस के पटाखों का निर्माण किया जा रहा था और विस्फोटक सामग्री के साथ तैयार पटाखों को भी स्टोर किया गया था। तलाशी के दौरान पुलिस को 480.8 किलोग्राम अवैध विस्फोटक पदार्थ और 120 पैकेट तैयार बुलेट बम मिले। बरामद सामान की कीमत करीब सात लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने मौके से 45 वर्षीय महिला को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस लाइन में एसएसपी ने पत्रकारों को दी कार्रवाई की जानकारी

पुलिस लाइन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में जनपद में अवैध विस्फोटक पदार्थों के निर्माण और भंडारण के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कोतवाली नगर पुलिस को मिमलाना रोड पर एक मकान में अवैध पटाखा निर्माण की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर मकान की जांच की तो वहां भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री और तैयार बुलेट बम बरामद हुए। एसएसपी के अनुसार कुल 480.8 किलो विस्फोटक पदार्थ और 120 पैकेट तैयार बुलेट बम बरामद किए गए हैं, जिनकी कीमत करीब सात लाख रुपये है। एसएसपी ने बताया कि मौके से महजबी पत्नी अलीमुद्दीन, निवासी बाबू परचूनिया वाली गली, मिमलाना रोड, थाना कोतवाली नगर को गिरफ्तार किया गया है। उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया

कि बिना वैध लाइसेंस के विस्फोटक सामग्री का निर्माण और भंडारण करने वालों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। पुलिस के मुताबिक तलाशी के दौरान मकान से कुल 480.8 किलोग्राम अवैध विस्फोटक पदार्थ बरामद किया गया। इसके साथ ही 120 पैकेट तैयार बुलेट बम भी पुलिस के हाथ लगे। इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री मिलने से पुलिस भी सतर्क हो गई और मौके पर सुरक्षा व्यवस्था के साथ बरामदगी की कार्रवाई पूरी की गई।

पुलिस ने बरामद सामग्री की अनुमानित कीमत करीब सात लाख रुपये बताई है। बरामदगी के बाद पुलिस ने सामग्री को कब्जे में लेकर मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस का आरोप है कि गिरफ्तार महिला के पास पटाखा निर्माण और विस्फोटक सामग्री के भंडारण के लिए कोई वैध लाइसेंस या सक्षम प्राधिकारी की अनुमति नहीं थी। इसके बावजूद मकान में पटाखे तैयार किए जा रहे थे। तैयार बुलेट बम और पटाखा निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री को भी उसी स्थान पर रखा गया था। पुलिस के मुताबिक आवासीय क्षेत्र में इस तरह से बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री रखना बेहद जोखिमपूर्ण था। यदि किसी कारणवश आग लग जाती या विस्फोट हो जाता तो आसपास के मकानों में रहने वाले लोगों की जान-माल को गंभीर नुकसान पहुंच सकता था। पुलिस ने इसी खतरे को देखते हुए मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की। पुलिस अधिकारियों के अनुसार अवैध रूप से पटाखों का निर्माण और विस्फोटक सामग्री का भंडारण न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि आसपास रहने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करता है। मकान में इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री और तैयार पटाखे रखे जाने के कारण किसी भी समय आग अथवा विस्फोट की स्थिति उत्पन्न हो सकती थी।

पुलिस के अनुसार इस तरह की गतिविधि से खुद सामग्री रखने वाले व्यक्ति की

रामराज में महिला से लूट का खुलासा: बिजनौर के दो शातिर लुटेरे गिरफ्तार, चाकू, दराती और बाइक बरामद

महमूदपुर मूंगर के जंगल से लौट रही महिला से लूटा था सोने का लॉकेट

मीरापुर (मुजफ्फरनगर)। थाना रामराज पुलिस ने महिला के साथ हुई लूट की घटना की गुत्थी को सुलझाते हुए दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त स्प्लेंडर मोटरसाइकिल, दराती और दो अवैध चाकू बरामद करने में सफलता हासिल की है। पकड़े गए दोनों आरोपी बिजनौर जिले के रहने वाले हैं और उनके खिलाफ पहले से भी आपराधिक मामले दर्ज हैं।

चेकिंग के दौरान हत्थे चढ़े आरोपी

रामराज थाना प्रभारी ज्ञानेन्द्र सिरोही ने बताया कि उपनिरीक्षक हर्षित शर्मा पुलिस टीम के साथ इलाके में शांति व्यवस्था बनाए रखने और संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की सघन चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सटीक सूचना मिली। सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने आसिफ (पुत्र अली वारस, निवासी ग्राम खुशियालपुर, थाना अफजलगढ़, बिजनौर) और निसार (पुत्र शौकत, निवासी कस्बा व थाना अफजलगढ़, बिजनौर) को घेराबंदी कर

धर दबोचा। पुलिस द्वारा ली गई तलाशी में दोनों आरोपियों के पास से एक-एक अवैध चाकू मिला, जबकि उनके पास से घटना में इस्तेमाल दराती और स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली गई।

जंगल से लौट रही महिला से की थी लूट

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने 10 सितंबर को अंजाम दी गई वारदात को कुबूल किया है। आरोपियों ने बताया कि 10 सितंबर को ग्राम महमूदपुर मूंगर के पास जब एक महिला जंगल से घास लेकर वापस लौट रही थी, तब दोनों ने मोटरसाइकिल पर सवार होकर झपट्टा मारा और महिला के गले से लॉकेट छीनकर फरार हो गए थे। दोनों आरोपियों का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है और रामराज थाने में उनके खिलाफ पूर्व में भी मुकदमे दर्ज हैं। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया गया है। रामराज पुलिस की इस त्वरित और सटीक कार्रवाई से क्षेत्र के आपराधिक तत्वों में हड़कंप मच गया है।

अवैध हथियारों के बड़े नेटवर्क का खुलासा, तीन तस्कर गिरफ्तार

चार पिस्टल समेत 11 अवैध तमंचे बरामद, हथियारों की सप्लाई में इस्तेमाल फ्रोंक्स कार और बाइक भी कब्जे में; मेरठ से हथियार लाकर अलग-अलग जिलों में सप्लाई करने की बात सामने आई

मुजफ्फरनगर। थाना कोतवाली नगर पुलिस ने अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चार पिस्टल .32 बोर, छह खाली मैगजीन, छह तमंचे 315 बोर और एक तमंचा 12 बोर बरामद किया है। इसके अलावा हथियारों की तस्करी में इस्तेमाल की जा रही मारुति सुजुकी फ्रोंक्स कार और हीरो स्प्लेंडर बाइक, चार हजार रुपये नकद और दो मोबाइल फोन भी पुलिस ने बरामद किए हैं। पुलिस लाइन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि 30 सितंबर को कोतवाली नगर पुलिस क्षेत्र में गश्त और संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि न्याजूपुरा-चरथावल रोड पर काली नदी पुल के पास कुछ लोग अवैध हथियारों के साथ मौजूद हैं और हथियार खरीदने के लिए एक अन्य व्यक्ति भी वहां पहुंचने वाला है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम बताए गए स्थान पर पहुंची। पुलिस को वहां एक कार में तीन व्यक्ति बैठे दिखाई दिए। मुखबिर ने

तीनों की पहचान हथियारों की खरीद-फरोख्त में शामिल लोगों के रूप में की। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी करते हुए कार की तलाशी ली तो उसमें बैठे तीनों आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में अवैध हथियार बरामद हुए। चार पिस्टल और सात तमंचे बरामद पुलिस के अनुसार तलाशी के दौरान चार पिस्टल .32 बोर मय छह खाली मैगजीन, छह तमंचे 315 बोर और एक तमंचा 12 बोर बरामद हुआ। इसके साथ ही चार हजार रुपये नकद और दो मोबाइल फोन भी मिले। पुलिस ने मौके से सफेद रंग की मारुति सुजुकी फ्रोंक्स कार भी बरामद की, जिस पर नंबर प्लेट नहीं लगी थी। कार का पंजीकरण नंबर यूपी 15 एफई 3793 बताया गया है। इसके अलावा काले रंग की हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल नंबर यूपी 15 ईजे 5079 भी बरामद की गई। प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस के मुताबिक समीर और उमंग उर्फ देवा चौहान ने बताया कि वे अवैध हथियारों की सप्लाई करते हैं। कथित तौर पर मेरठ निवासी एक व्यक्ति से हथियार खरीदकर मांग के अनुसार अलग-अलग स्थानों पर सप्लाई किए जाते थे और इससे आर्थिक लाभ कमाया जाता था। वहीं नितेश सैनी ने पुलिस को बताया कि उसकी समीर से पहचान थी और वह उससे अवैध असलाह खरीदने के लिए आया था। इसी दौरान पुलिस ने तीनों को पकड़ लिया।

गिरफ्तार तीनों आरोपियों के नाम

पुलिस ने नितेश सैनी पुत्र स्व. राजू सैनी निवासी तहसील रोड, सरधना, थाना सरधना, मेरठ, समीर पुत्र शौकीन निवासी बुलंदशहर रोड मजीदपुरा, गली नंबर-6, थाना कोतवाली नगर, हापुड़, तथा उमंग उर्फ देवा चौहान पुत्र सुनील चौहान निवासी मटौर, थाना दौराला, मेरठ को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार समीर के खिलाफ थाना कोतवाली नगर मेरठ में वर्ष 2026 में आर्म्स एक्ट का मुकदमा दर्ज है। वहीं उमंग उर्फ देवा चौहान के खिलाफ थाना इंचौली मेरठ में बीएनएस और आर्म्स एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज बताया गया है। तीनों आरोपियों के विस्तृत आपराधिक इतिहास की जानकारी पुलिस द्वारा जुटाई जा रही है।

आयुध अधिनियम में मुकदमा दर्ज

मामले में थाना कोतवाली नगर में मुकदमा अपराध संख्या 432/2026, धारा 3/5/25/29(क)/29(ख) आयुध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

नाबालिग छात्रा से जुड़े मामले में दो आरोपियों की जमानत खारिज

नाबालिग छात्रा से जुड़े मामले में उस्मान और फिरोज की जमानत खारिज

मुजफ्फरनगर। नाबालिग छात्रा से जुड़े थाना कोतवाली नगर के एक मामले में विशेष पॉक्सो न्यायालय ने आरोपी उस्मान और फिरोज को फिलहाल राहत नहीं दी है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट मनोज कुमार सिद्धू की अदालत में हुई सुनवाई के दौरान दोनों आरोपियों की जमानत अर्जियों पर अभियोजन तथा वादिया की ओर से जोरदार विरोध किया गया। दोनों पक्षों को विस्तार से सुनने के बाद न्यायालय ने आरोपी उस्मान और फिरोज की जमानत अर्जियां निरस्त कर दीं। प्रकरण के अनुसार थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के रामलीला टीला निवासी महिला नीरू पत्नी रवि ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि उसकी नाबालिग पुत्री, जो कक्षा 10 में पढ़ती थी, 17 अगस्त 2026 को घर से बिना बताए चली गई थी। इसके बाद वादिया की तहरीर पर 18 अगस्त को थाना कोतवाली नगर में मुकदमा अपराध संख्या 360/2026 धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था।

पुलिस द्वारा की गई विवेचना के दौरान मामले में इरशाद अली खान उर्फ डॉ. सम्राट, नदीम पुत्र फिरदौस, फिरोज, उस्मान तथा डॉ. अबरार आदि के नाम प्रकाश में आने की बात कही गई। विवेचना के दौरान मुकदमे में विभिन्न धाराओं की बढ़ोतरी की गई। पुलिस के अनुसार डॉ. सम्राट के विरुद्ध धारा 49 बीएनएस, धारा 16/17 पॉक्सो एक्ट तथा धारा 3(2)(५) एससी/एसटी एक्ट की धाराओं में तरमीम की गई। वहीं आरोपी नदीम पुत्र फिरदौस सहित अन्य आरोपियों के विरुद्ध धारा 49, 64(2) बीएनएस, धारा 16/17 पॉक्सो एक्ट एवं धारा 3(2)(५) एससी/एसटी एक्ट की धाराएं जोड़ी गईं। मामले में इससे पहले 19 सितंबर 2026 को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट मनोज कुमार सिद्धू की अदालत में आरोपी नदीम की जमानत अर्जी पर सुनवाई हुई थी। अदालत ने नदीम का जमानत प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया था। वहीं आरोपी डॉ. सम्राट की जमानत अर्जी स्वीकार किए जाने की जानकारी भी सामने आई थी।

इसके बाद आरोपी उस्मान और फिरोज की ओर से भी जमानत के लिए अदालत में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए गए। गुरुवार को इन दोनों जमानत अर्जियों पर विशेष पॉक्सो न्यायालय में सुनवाई हुई। अभियोजन और वादिया के अधिवक्ता ने किया जोरदार विरोध सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक प्रदीप कुमार बालियान ने दोनों आरोपियों की जमानत का विरोध करते हुए अपना पक्ष रखा। वहीं वादिया की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता संदीप कुमार त्यागी ने भी जमानत प्रार्थना पत्रों का विरोध किया और न्यायालय के समक्ष मामले से संबंधित तथ्यों एवं कानूनी पक्ष को विस्तार से रखा। दोनों पक्षों को सुनने के बाद विशेष न्यायाधीश मनोज कुमार सिद्धू ने आरोपी उस्मान और फिरोज की जमानत अर्जियों को निरस्त कर दिया। बताया गया कि उस्मान की जमानत अर्जी संख्या 4923/26 तथा फिरोज की जमानत अर्जी संख्या 4922/26 थी। इसी प्रकरण में आरोपी डॉ. अबरार की ओर से दाखिल अग्रिम जमानत प्रार्थना पत्र को लेकर भी अदालत में महत्वपूर्ण कानूनी बिंदु उठाया गया। वादिया की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता संदीप कुमार त्यागी ने डॉ. अबरार की अग्रिम जमानत अर्जी की पोषणीयता पर ही आपत्ति दर्ज कराई। वरिष्ठ अधिवक्ता की ओर से न्यायालय के समक्ष तर्क रखा गया कि डॉ. अबरार की ओर से दाखिल अग्रिम जमानत प्रार्थना पत्र विधिक दृष्टि से पोषणीय नहीं है। इस मुद्दे पर अदालत ने फिलहाल अंतिम निर्णय नहीं दिया है और 5 अक्टूबर 2026 को पोषणीयता के प्रश्न पर सुनवाई की तिथि निर्धारित की है। अब अदालत में यह तय होगा कि डॉ. अबरार की अग्रिम जमानत अर्जी सुनवाई योग्य है अथवा नहीं।

आरटीआई मामलों की समीक्षा आरटीआई के लंबित मामलों का प्राथमिकता से करें निस्तारण : राज्य सूचना आयुक्त

मुजफ्फरनगर। विकास भवन सभागार में गुरुवार को जन सूचना अधिकार अधिनियम (आरटीआई) की प्रगति को लेकर महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। राज्य सूचना आयोग के राज्य सूचना आयुक्त मोहम्मद नदीम की अध्यक्षता में हुई बैठक में आरटीआई के तहत लंबित आवेदनों, उनके निस्तारण की स्थिति और आयोग में चल रहे मामलों की समीक्षा की गई। राज्य सूचना आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आरटीआई आवेदनों का निर्धारित समयसीमा में पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में राज्य सूचना आयुक्त मोहम्मद नदीम ने कहा कि जन सूचना

अधिकार अधिनियम का उद्देश्य आम नागरिकों को समयबद्ध तरीके से आवश्यक सूचनाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आरटीआई अधिनियम एवं उसके नियमों का गंभीरता से अध्ययन करें और आवेदकों को सही, स्पष्ट एवं पूर्ण जानकारी निर्धारित अवधि में उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि विभागीय स्तर पर ही आवेदकों को समय से सूचना मिल जाने पर उन्हें अनावश्यक रूप से राज्य सूचना आयोग तक जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। समीक्षा के दौरान सामने आया कि जनपद से संबंधित आरटीआई के 162 मामले वर्तमान में लंबित हैं। राज्य सूचना आयुक्त ने इन मामलों की स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आरटीआई के मामलों में किसी भी प्रकार की शिथिलता अथवा अनावश्यक देरी स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि सूचना मांगने वाले प्रत्येक आवेदक के मामले में नियमानुसार कार्रवाई की जाए और सूचना उपलब्ध कराने में पारदर्शिता बरती जाए। विभागीय अधिकारियों को अपने-अपने स्तर पर लंबित मामलों की नियमित समीक्षा करने के लिए भी कहा गया। बैठक में बताया गया कि राज्य सूचना आयोग में जनपद से जुड़े 565 मामलों में अधिकारियों पर अर्थदंड लगाया जा चुका है। इनमें से कई मामलों में अर्थदंड की वसूली की जा चुकी है, जबकि शेष मामलों में नियमानुसार वसूली की प्रक्रिया जारी है। राज्य सूचना आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आयोग में सुनवाई के दौरान संबंधित अधिकारी स्वयं अथवा अधिकृत सरकारी प्रतिनिधि के माध्यम से अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। उन्होंने कहा कि आयोग से संबंधित मामलों में अधिकारी आवश्यक अभिलेखों और सूचनाओं के साथ निर्धारित तिथि पर उपस्थित होना

मीरापुर में शातिर नशा तस्कर गिरफ्तार: 14.5 किलो गांजा बरामद, पुलिस ने भेजा जेल

मीरापुर (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध नशीले पदार्थों के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे 'ऑपरेशन सवेरा' अभियान के तहत मीरापुर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने देर रात चेकिंग अभियान के दौरान एक अभियुक्त को दबोचकर उसके पास से 14 किलोग्राम 540 ग्राम अवैध गांजा और बिक्री की नकदी बरामद करने का दावा किया है। आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है।

थाना प्रभारी निरीक्षक इन्द्रजीत सिंह ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि 30 सितंबर की देर रात पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त पर थी। इस दौरान ग्राम सिकंदरपुर से कैलापुर जसमोर हाईवे की ओर जाने वाले मार्ग पर स्थित ट्यूबवेल के पास संदिग्ध वाहनों और

व्यक्तियों की सघन चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान एक व्यक्ति अंधेरे में पैदल आता दिखाई दिया। पुलिस टीम को देखकर उसने रास्ता बदलने का प्रयास किया, जिससे संदेह गहरा गया। पुलिस कर्मियों ने घेराबंदी कर उसे रोक लिया और जब उसकी नियमानुसार तलाशी ली गई, तो उसके बैग से 14 किलो 540 ग्राम मादक पदार्थ (गांजा) बरामद हुआ। इसके साथ ही तलाशी में 250 रुपये की नकदी भी मिली।

पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी ने अपना नाम जीशान (पुत्र एहसान), निवासी ग्राम सिकंदरपुर, कस्बा मीरापुर (जनपद मुजफ्फरनगर) बताया है। बरामद गांजे को सील कर कब्जे में ले लिया गया है। आरोपी जीशान के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया है। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया गया है।

संपादकीय

जटिल संघर्षों से उपजी वैश्विक अस्थिरता

राष्ट्रों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं, ऐतिहासिक विवाद और क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मगर यह भी उतना ही सच है कि युद्ध जितना लंबा खिंचता है, उसके आर्थिक दुष्परिणाम भी उतने ही व्यापक होते जाते हैं।रूस वह देश है, जहां लियो टाल्स्टाय ने 'युद्ध और शांति' की रचना के जरिए मनुष्य की हिंसक प्रवृत्ति और शांति की आकांक्षा को उजागर किया था। आज उसी धरती पर युद्ध जैसे समाप्त होने का नाम ही नहीं ले रहा है। यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध चौथे वर्ष से आगे निकल चुका है और मध्य-पूर्व में अमेरिका तथा ईरान के बीच महीनों से जारी संघर्ष ने वैश्विक अस्थिरता को और गहरा कर दिया है।सवाल केवल यह नहीं कि युद्ध कब खत्म होंगे, बल्कि यह है कि आधुनिक दुनिया में शांति की राह लगातार इतनी कठिन क्यों होती जा रही है। सितंबर में रूस के संसदीय चुनाव के अंतिम दिन यूक्रेन ने वहां बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले किए। रूस का दावा है कि इस दौरान डेढ़ हजार से अधिक ड्रोन मार गिराए गए। हमलों में कुछ लोगों की मौत हुई और एक प्रमुख तेल प्रतिष्ठान को भी नुकसान पहुंचा।यह हमला ऐसे समय हुआ, जब रूस में 18 से 20 सितंबर तक स्टेट ड्यूमा के चुनाव हो रहे थे। रूस की सत्तारूढ़ यूनाइटेड रशिया पार्टी ने चुनाव में स्पष्ट बहुमत हासिल किया और 450 सदस्यीय ड्यूमा में 355 सीटें जीतने का एलान किया। इन चुनावों को क्रेमलिन ने युद्ध के बीच अपने शासन और नीतियों के लिए समर्थन के संकेत के रूप में प्रस्तुत किया, जबकि आलोचकों और कुछ पर्यवेक्षकों ने चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाए। यहां चुनाव और युद्ध का यह संयोग एक असहज प्रश्न खड़ा करता है कि क्या लंबे समय से चल रहे युद्धों में राजनीति और सैन्य रणनीति एक-दूसरे से इतनी गहराई से जुड़ जाती हैं कि शांति की संभावना लगातार पीछे खिसकती जाती है? इसका उत्तर किसी एक देश या नेता के व्यवहार में नहीं, बल्कि उस अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में तलाशना होगा, जहां सुरक्षा, सत्ता, संसाधन और रणनीतिक हित एक-दूसरे में उलझ चुके हैं। मध्य-पूर्व की स्थिति इस जटिलता को और बढ़ाती है।अमेरिका और ईरान के बीच लंबे संघर्ष ने होर्मुज जलमार्ग को वैश्विक चिंता का केंद्र बना दिया है। यह दुनिया के महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक है। इसके आसपास तनाव बढ़ने का असर केवल युद्धरत पक्षों पर ही नहीं पड़ता, बल्कि तेल, गैस, जहाजरानी, बीमा और आपूर्ति-व्यवस्था के जरिए उसका प्रभाव दूर-दूर तक पहुंचता है। अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थों के जरिए बातचीत भी हुई, लेकिन युद्ध समाप्त करने और होर्मुज से आवागमन सामान्य बनाने पर अभी पूर्ण सहमति नहीं बन सकी है। युद्धों की आधुनिक त्रासदी यह है कि उनके लक्ष्य अक्सर सीमाओं से आगे निकल जाते हैं।

पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ा प्रश्न आतंकवाद को लेकर उसकी नीति का है। भारत लगातार यह आरोप लगाता रहा है कि पाकिस्तान की धरती से या उसके संरक्षण में सक्रिय आतंकी नेटवर्क भारत की सुरक्षा के लिए चुनौती पैदा करते हैं। जयशंकर ने इसी संदर्भ में कहा कि आतंकवाद और मित्रता साथ-साथ नहीं चल सकते और आतंकवाद के कर्ता को अपना रास्ता बदलना होगा। दूसरी ओर पाकिस्तान भारत पर भी आतंकवाद को समर्थन देने के आरोप लगाता है और अपने यहां होने वाली हिंसक घटनाओं के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराता है।

पाकिस्तान के बेतूके सवालः भारत के सटीक जबाव

(ललित गर्ग)

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 26 सितंबर को महासभा में सटीक, तीक्ष्ण एवं प्रभावी वक्तव्य में पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि एक 'सीरियल प्रैक्टिशनर ऑफ टेररिज्म' ने एक दिन पहले तथ्यों को गलत ढंग से प्रस्तुत किया और आतंकवाद को सामान्य बनाने तथा उसके परिणामों से बचने का प्रयास किया, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें अधिवेशन में भारत और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर वही पुराने सवाल सामने आए, जिनका समाधान दक्षिण एशिया की शांति और स्थिरता के लिए अत्यंत आवश्यक है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार 81वां अधिवेशन 8 सितंबर 2026 से शुरू हुआ और इसकी सामान्य बहस 22 से 26 सितंबर के बीच हुई। इस वर्ष की बहस का घोषित केंद्रीय विषय था- विश्वास बहाल करना, परिवर्तन का प्रबंधन करना और ऐसी संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था बनाना जो सभी के लिए प्रभावी हो। ऐसे समय में जब दुनिया युद्धों, आतंकवाद, आर्थिक असमानता, ऊर्जा संकट और भू-राजनीतिक तनाव से जूझ रही है, यह सवाल और महत्वपूर्ण हो जाता है कि दक्षिण एशिया कब पुराने विवादों के चक्र से बाहर निकलेगा।

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 26 सितंबर को महासभा में सटीक, तीक्ष्ण एवं प्रभावी वक्तव्य में पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि एक 'सीरियल प्रैक्टिशनर ऑफ टेररिज्म' ने एक दिन पहले तथ्यों को गलत ढंग से प्रस्तुत किया और आतंकवाद को सामान्य बनाने तथा उसके परिणामों से बचने का प्रयास किया, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि भारत आतंकवाद के विरुद्ध आत्मरक्षा के अपने अधिकार का प्रयोग करेगा और आतंकवाद को प्रायोजित करने वाली सरकारों को जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। उन्होंने आतंकवाद के वित्तीय स्रोतों को उजागर करने और उन पर कार्रवाई की आवश्यकता भी रेखांकित किया। इसके एक दिन पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने संबोधन में कश्मीर का मुद्दा उठाया और भारत द्वारा सिंधु जल संधि को रोकने के निर्णय की आलोचना की। पाकिस्तान ने इसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया, जबकि भारत की ओर से पाकिस्तान के सीमा-पार आतंकवाद संबंधी रुख पर सवाल उठाए गए। पाकिस्तान की प्रतिनिधि ने भी भारत पर आतंकवाद और कश्मीर को लेकर गंभीर आरोप लगाए। इस प्रकार संयुक्त राष्ट्र का मंच एक बार फिर दोनों देशों के पारस्परिक आरोप-प्रत्यारोप का साक्षी बना। लेकिन असली प्रश्न यह है कि इन आरोपों के बाद भी समाधान की दिशा में कितना रास्ता तय हुआ?

पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ा प्रश्न आतंकवाद को लेकर उसकी नीति का है। भारत लगातार यह आरोप लगाता रहा है कि पाकिस्तान की धरती से या उसके संरक्षण में सक्रिय आतंकी नेटवर्क भारत की सुरक्षा के लिए चुनौती पैदा करते हैं। जयशंकर ने इसी संदर्भ में कहा कि आतंकवाद और मित्रता साथ-साथ नहीं चल सकते और आतंकवाद के कर्ता को अपना रास्ता बदलना होगा। दूसरी ओर पाकिस्तान भारत पर भी आतंकवाद को समर्थन देने के आरोप लगाता है और अपने यहां होने वाली हिंसक घटनाओं के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराता है। इन परस्पर आरोपों की सच्चाई और प्रमाण अलग-अलग मामलों में जांच का विषय हो सकते हैं, लेकिन इतना निर्विवाद है कि पाक आतंकवाद को पोषित कर भारत की शांति का भंग करता रहा है, इन आतंकी घटनाओं ने दोनों देशों की जनता को भारी मानवीय, आर्थिक और सामाजिक कीमत चुकाने पर मजबूर किया है। तो फिर सवाल उठता है-पाकिस्तान आखिर कब यह स्वीकार करेगा कि आतंकवाद किसी भी राष्ट्र की स्थायी विदेश नीति नहीं बन सकता? आतंकवाद यदि किसी देश के लिए रणनीतिक साधन बनता है तो अंततः वही साधन उस देश की आंतरिक सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय विश्वसनीयता के लिए भी समस्या बन सकता है। पाकिस्तान स्वयं लंबे समय से आतंकवादी हिंसा से जूझ रहा है। ऐसे में उसके सामने यह ऐतिहासिक अवसर है कि वह आतंकवाद के प्रश्न को केवल भारत-विरोधी दृष्टिकोण से न देखकर अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और भविष्य के संदर्भ में भी देखे। आतंकवाद के विरुद्ध कार्रवाई केवल किसी दूसरे देश की मांग पूरी करने के लिए नहीं, बल्कि पाकिस्तान के अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है।

दूसरा प्रश्न कश्मीर का है। पाकिस्तान ने इस बार भी संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर का मुद्दा उठाया। लेकिन लगभग आठ दशक से चली आ रही इस बहस ने यह साबित कर दिया है कि केवल अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बयान देने से समस्या का समाधान नहीं होता। कश्मीर के नाम पर भारत और पाकिस्तान के बीच अविश्वास बढ़ता है, सुरक्षा तनाव पैदा होता है और दोनों देशों की विकास प्राथमिकताएं प्रभावित होती हैं। यदि पाकिस्तान वास्तव में क्षेत्रीय शांति और स्थिरता चाहता है, तो उसे यह विचार करना होगा कि कश्मीर को अपनी विदेश नीति के स्थायी केंद्र में रखकर वह अपने नागरिकों के भविष्य के लिए क्या हासिल कर रहा है। हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर कश्मीर का उल्लेख करना और घरेलू समस्याओं को पीछे छोड़ देना किसी भी देश के लिए दीर्घकालिक समाधान नहीं हो सकता। तीसरा और शायद सबसे गंभीर प्रश्न पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और वहां के आम नागरिक की जिंदगी का है। महंगाई, रोजगार, ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दे किसी भी सरकार के लिए मूलभूत जिम्मेदारियां हैं। विदेश नीति तभी सार्थक होती है जब उसका अंतिम उद्देश्य देश के नागरिकों के जीवन को सुरक्षित, समृद्ध और सम्मानजनक बनाना हो। पाकिस्तान के लिए यह समय इस बात पर गंभीरता से विचार करने का है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के खिलाफ राजनीतिक और कूटनीतिक अभियान चलाने की तुलना में उसकी जनता की आर्थिक आवश्यकताओं, संस्थागत स्थिरता और मानव विकास पर अधिक ऊर्जा लगाना कितना आवश्यक है।

यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि भारत-पाक संबंधों को केवल आरोप-प्रत्यारोप के चश्मे से न देखा जाए। भारत की अपनी सुरक्षा चिंताएं वास्तविक हैं और किसी भी सरकार की पहली जिम्मेदारी अपने नागरिकों की सुरक्षा करना है। जयशंकर ने भी संयुक्त राष्ट्र में भारत के आत्मरक्षा के अधिकार और आतंकवाद के विरुद्ध शून्य-सहिष्णुता की बात कही। लेकिन इसी के साथ क्षेत्रीय शांति के लिए यह भी आवश्यक है कि आतंकवाद के विरुद्ध दृढ़ता और संवाद की संभावनाओं के बीच संतुलन खोजा जाए। संवाद तभी सार्थक हो सकता है जब हिंसा और आतंकवाद के प्रश्न पर स्पष्टता हो। पाकिस्तान को यह भी समझना होगा कि दुनिया आज केवल बयान नहीं सुनती, बल्कि नीतियों और व्यवहार को भी देखती है। संयुक्त राष्ट्र महासभा का मूल उद्देश्य ही बहुपक्षीय संवाद, शांति और सहयोग के लिए मंच उपलब्ध कराना है। यदि इस मंच का इस्तेमाल एक-दूसरे के विरुद्ध आरोपों को दोहराने में ही होता रहे, तो दोनों देशों के नागरिकों को उससे क्या हासिल होगा? भारत और पाकिस्तान दोनों परमाणु शक्ति संपन्न पड़ोसी हैं। इसलिए इनके बीच तनाव केवल द्विपक्षीय समस्या नहीं रहता, उसका प्रभाव पूरे दक्षिण एशिया की सुरक्षा और वैश्विक स्थिरता पर भी पड़ सकता है।

आज पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ा आत्ममंथन यही होना चाहिए कि वह अपने भविष्य को किस आधार पर निर्मित करना चाहता है-पुराने विवादों, कश्मीर-केंद्रित राजनीति और आतंकवाद के आरोपों के आधार पर या आर्थिक विकास, शिक्षा, रोजगार, संस्थागत मजबूती और क्षेत्रीय सहयोग के आधार पर? भारत के सामने भी चुनौती यही है कि सुरक्षा से समझौता किए बिना दक्षिण एशिया में स्थायी शांति की संभावनाओं को खुला रखा जाए। पाकिस्तान कब बदलेगा, इसका उत्तर कोई दूसरा देश नहीं दे सकता। परिवर्तन अंततः पाकिस्तान की अपनी राजनीतिक इच्छाशक्ति, संस्थागत निर्णयों और नीति-निर्माताओं पर निर्भर करेगा। लेकिन दिशा स्पष्ट है-आतंकवाद को किसी भी रूप में राजनीतिक साधन न बनने देना, अपनी जनता की आर्थिक जरूरतों को प्राथमिकता देना, कश्मीर के नाम पर लगातार टकराव की नीति से आगे बढ़ना और पड़ोसियों के साथ संबंधों को हिंसा के बजाय विश्वास तथा पारस्परिक सम्मान के आधार पर विकसित करना। यदि पाकिस्तान यह रास्ता चुनता है तो उसका लाभ केवल भारत को नहीं, स्वयं पाकिस्तान के नागरिकों और पूरे दक्षिण एशिया को मिलेगा। और यदि वह पुराने रास्ते पर ही चलता रहा, तो सबसे बड़ा प्रश्न दुनिया से अधिक उसके अपने नागरिकों के सामने खड़ा होगा-आखिर कब तक अतीत की राजनीति भविष्य की पीढ़ियों का वर्तमान तय करती रहेगी? (लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है)।

राम और शिव के बारे में रेवंत रेड्डी की टिप्पणियां हिंदू धर्म के प्रति उनकी घोर अज्ञानता को प्रदर्शित कर रही हैं

(नीरज कुमार दुबे)

भारतीय राजनीति में धर्म को चुनावी हथियार बनाने की प्रवृत्ति कोई नई बात नहीं है। लेकिन जब राजनीति सीधे भगवानों के बीच भी वर्ग, क्षेत्र और विचारधारा की दीवार खड़ी करने लगे, तब सवाल सिर्फ किसी एक पार्टी या नेता का नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन में आस्था की मर्यादा का बन जाता है।

भारतीय राजनीति में भगवानों के नाम पर सियासत कोई नई बात नहीं, लेकिन सवाल तब खड़ा होता है जब सत्ता की राजनीति में भगवानों को भी जाति, वर्ग और क्षेत्र के खांचों में बांटने की कोशिश होने लगे। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के ताजा बयान ने यही सवाल देश के सामने ला खड़ा किया है कि क्या अब भगवान राम और भगवान शिव को भी राजनीति के अलग-अलग खेमों में खड़ा किया जाएगा? क्या राम को अमीरों का और शिव को गरीबों का भगवान बताकर आस्था को भी वोटबैंक की राजनीति में बांटने की कोशिश होगी? सबसे बड़ा सवाल यह भी है कि एक मुख्यमंत्री के मुंह से निकले ऐसे शब्द देश की धार्मिक और सामाजिक एकता को कहां ले जाएंगे?

हम आपको बता दें कि एक कार्यक्रम में भाजपा पर निशाना साधते हुए तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि शिव गरीबों के भगवान हैं, जबकि राम अमीरों के भगवान हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने भगवान राम को चुरा लिया है और उत्तर भारत में चुनावी सफलता के लिए राम की भावना और आस्था का राजनीतिक इस्तेमाल किया। रेड्डी ने अपने तर्क को उत्तर-दक्षिण और द्रविड़-आर्य पहचान से भी जोड़ा। उनका कहना था कि हम द्रविड़ हैं और उत्तर भारत के लोग आर्य हैं। हम शिव के भक्त हैं और वे राम के भक्त हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेता मंचों से हर हर महादेव क्यों नहीं कहते और केवल जय श्रीराम का उद्घोष क्यों सुनाई देता है? रेड्डी ने कहा कि जब दक्षिण भारत में हर हर महादेव बोला जाता है तो भाजपा को यह पसंद नहीं आता।

यहीं से विवाद ने राजनीतिक रूप ले लिया। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता बंडी संजय कुमार ने रेड्डी पर भगवान राम और भगवान शिव के बीच राजनीतिक विभाजन खड़ा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री को यह नहीं भूलना चाहिए कि उसी तेलंगाना में वेमुलवाड़ा को दक्षिण काशी और भद्राचलम को दक्षिण अयोध्या कहा जाता है। ऐसे में राम और शिव को उत्तर और दक्षिण की सीमाओं में बांटना उचित नहीं है। बंडी संजय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी और काशी विश्वनाथ से जुड़ाव का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद नरेंद्र मोदी पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने वेमुलवाड़ा स्थित श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर का दौरा किया।

देखा जाये तो भारतीय राजनीति में धर्म को चुनावी हथियार बनाने की प्रवृत्ति कोई नई बात नहीं है। लेकिन जब राजनीति सीधे भगवानों के बीच भी वर्ग, क्षेत्र और विचारधारा की दीवार खड़ी करने लगे, तब सवाल सिर्फ किसी एक पार्टी या नेता का नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन में आस्था की मर्यादा का बन जाता है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का ताजा बयान इसी वजह से गंभीर राजनीतिक बहस का विषय बन गया है। सवाल उठ रहा है कि भगवान राम और भगवान शिव को राजनीति की दो अलग-अलग खेमों में खड़ा करने की जरूरत आखिर क्यों पड़ी? क्या किसी भी राजनीतिक दल के लिए यह उचित है कि करोड़ों लोगों की साझा आस्था को अमीर बनाम गरीब या उत्तर बनाम दक्षिण की राजनीतिक श्रेणियों में बांट दिया जाए?

वैसे रेवंत रेड्डी का यह पहला विवादित बयान नहीं है। दिसंबर 2025 में उन्होंने हिंदू देवी-देवताओं की संख्या और अलग-अलग पूजा परंपराओं को लेकर भी ऐसी टिप्पणियां की थीं, जिन पर भाजपा और अन्य विपक्षी दलों ने हिंदू आस्था का मजाक उड़ाने का आरोप लगाया था। यही वजह है कि अब यह सवाल और तेज हो रहा है कि रेवंत रेड्डी के राजनीतिक भाषणों में हिंदू आस्था ही बार-बार निशाने पर क्यों दिखाई देती है? यहां हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि यह सवाल उठाना किसी दूसरे धर्म के प्रति पूर्वाग्रह नहीं है, बल्कि उद्देश्य यह पूछना है कि सत्ता और राजनीति में धार्मिक आस्थाओं के साथ समान मर्यादा क्यों नहीं होनी चाहिए?

साथ ही यहां सवाल यह भी उठता है कि धर्म और भगवान पर टिप्पणी कर रहे मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को हिंदू धर्म के बारे में कितना ज्ञान है? राम को अमीरों का भगवान बता रहे रेड्डी को शायद यह पता नहीं कि भगवान राम का शबरी के आश्रम में जाना और उनकी भक्ति स्वीकार करना, निषादराज गुह के साथ उनका आत्मीय संबंध तथा वनवासी समाज के लोगों के साथ उनका लगाव इस बात के उदाहरण हैं कि राम के लिए भक्त की सामाजिक या आर्थिक स्थिति जरा भी महत्व नहीं रखती।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी मिलावटखोरी रोकने की व्यवस्था

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, साल 2020 से हर साल करीब एक लाख से अधिक खाद्य नमूनों की जांच की जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने पर करीब आठ हजार से ज्यादा खाद्य व्यावसायिक लाइसेंस रद्द भी किए गए हैं। लेकिन देश में इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं लगाया जा सका है। रोक ना लग पाने के पीछे मोटे तौर पर तीन कारण नजर आते हैं। पहला है, मुनाफाखोरी की बढ़ती प्रवृत्ति, दूसरा नैतिकता का क्षरण और तीसरा कारण निश्चित तौर पर प्रशासनिक विफलता और भ्रष्टाचार है।

(उमेश चतुर्वेदी)

महाराष्ट्र की घटनाएं इसलिए सामने आ रही हैं, क्योंकि वहां तेज-तर्रार अधिकारी खाद्य प्रशासन को मिला है। दूसरे इलाकों में ऐसी कार्रवाई नजर नहीं आती। इसका मतलब यह नहीं है कि भारत में मिलावटखोरी बंद हो गई है। इससे शायद ही किसी को इनकार हो कि शुद्ध खाना और दवा प्राप्त करना हर व्यक्ति का अधिकार है। बिडंबना ही कहेंगे कि जिस मिलावटखोरी से हर साल देश में करीब दो लाख लोग मौत की भेंट चढ़ जाते हैं, फिर भी हमारी कानूनी तंत्र इस पर प्रभावी रोक लगाने में नाकाम रहा है। वैसे तो हर साल त्योहारी सीजन के साथ ही मिलावटखोरी की चर्चा तेज हो जाती है। लेकिन इन दिनों इस चर्चा की वजह महाराष्ट्र के तेजतर्रार आईएएस अधिकारी तुकाराम मुंढे की कार्रवाई है। मुंढे ने जब से महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन यानी एफडीए के आयुक्त का पद संभाला है, मिलावटखोरों की शामत आ गई है। उन्होंने खाद्य कानूनों और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया है। महाराष्ट्र एफडीए की टीमों ने शुरुआती 100 दिनों में ही 904 से ज्यादा छापे मारकर 450 से अधिक मिलावटखोरों को गिरफ्तार किया और करोड़ों के मिलावटी खाद्य पदार्थ जब्त किए। इस कार्रवाई से महाराष्ट्र में डिटर्जेंट और रसायनों से बने नकली दूध और ताड़ के तेल से बने वाले 'एनालॉग पनीर' का रैकेट ध्वस्त हो गया है। नियमों और स्वच्छता मानकों की अनदेखी करने वाले कई नामी फूड चेन्स, बड़े रेस्तराओं आदि के लाइसेंस तक निलंबित या रद्द किए जा चुके हैं। महाराष्ट्र की घटनाएं इसलिए सामने आ रही हैं, क्योंकि वहां तेज-तर्रार अधिकारी खाद्य प्रशासन को मिला है। दूसरे इलाकों में ऐसी कार्रवाई नजर नहीं आती। इसका मतलब यह नहीं है कि भारत में मिलावटखोरी बंद हो गई है। इससे शायद ही किसी को इनकार हो कि शुद्ध खाना और दवा

प्राप्त करना हर व्यक्ति का अधिकार है। ब्रिटेन और अमेरिका में ध्यान रखा जाता है कि उपभोक्ताओं तक वही सामान पहुंचे, जो शुद्ध है। ऐसी व्यवस्था भारत में भी की गई है। 2006 में संसद से पारित खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के तहत भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई का गठन किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत कार्यरत इस संस्था का दायित्व खाद्य पदार्थों के मानकों पर निगाह रखना और उन्हें तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना है। राज्यों की पुलिस, प्रशासन और आपूर्ति अधिकारियों को भी अधिकार है कि वे मिलावटखोरों रोकें। त्योहारी सीजन में ये संस्थाएं कार्रवाइयां करती भी हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, साल 2020 से हर साल करीब एक लाख से अधिक खाद्य नमूनों की जांच की जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने पर करीब आठ हजार से ज्यादा खाद्य व्यावसायिक लाइसेंस रद्द भी किए गए हैं। लेकिन देश में इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं लगाया जा सका है। रोक ना लग पाने के पीछे मोटे तौर पर तीन कारण नजर आते हैं। पहला है, मुनाफाखोरी की बढ़ती प्रवृत्ति, दूसरा नैतिकता का क्षरण और तीसरा कारण निश्चित तौर पर प्रशासनिक विफलता और भ्रष्टाचार है। विनोबा भावे ने करीब आठ दशक पहले लिखे अपने निबंध 'नवयुवकों से दो बातें' में कहा है कि देश में सुराख ही सुराख हैं। उन्होंने राष्ट्ररूपी घड़े में बने इन सुराखों को सदाचार से भरने की अपील की है। कुछ उसी तरह व्यवस्था में अब भी सुराख हैं। हमारे तंत्र के बड़े हिस्से से सदाचार और कर्तव्यपरायणता गायब है। वह राष्ट्र निर्माण के भाव से दूर है। इस वजह से वक्त पर कार्रवाई नहीं होती। कई बार तंत्र को जानकारी होती है कि फलां कारोबारी आटे में पत्थर का सफेद बुरादा मिला रहा है, चावलों में प्लास्टिक के दाने फेंट रहा है, दवाओं के सैंपल में गड़बड़ी कर रहा है, नकली मावे की मिठाई बेच रहा है, जाली शराब बिक रही है। वक्त पर इन गड़बड़ियों की जानकारी होने के बावजूद मुनाफाखोर से मिलने वाली चंद रकम के एवज में वह चुप रह जाता है। भले ही नकली दूध पीने से नागरिक बीमार हो रहा हो या नकली शराब से निर्दोष जान जा रही हो। नैतिकता का क्षरण भी मिलावटखोरी के लिए जिम्मेदार है। नैतिकता की कमी मुनाफाखोर कारोबारी और उत्पादक के साथ तंत्र में भी पैठी हुई है। सत्ता संभालते वक्त प्रधानमंत्री मोदी ने तंत्र को चेताया था कि सब चलता है-वाली मानसिकता की अब गुंजाइश नहीं रही। शुरू में इससे ग्रस्त लोगों में भय दिखा, लेकिन अब तंत्र का बड़ा हिस्सा उसी पुराने ढर्रे पर चलता दिखता है, इसलिए मुनाफाखोरों और मिलावटखोरों का डर कम हो चला है। स्वास्थ्य संविधान के समवर्ती सूची का विषय है, इसलिए इस मामले में केंद्र के साथ राज्य सरकारों को भी कार्रवाई का अधिकार है। ऐसे में तंत्र को प्रभावी और जवाबदेह बनाने के लिए केंद्र और राज्यों की सरकारों को जीरो टालरेंस की नीति अख्तियार करना जरूरी लगता है। तभी मुनाफाखोर, मिलावटखोर और लापरवाह प्रशासनिक तंत्र के पेंच कसे जा सकते हैं। पड़ोसी देश चीन का मिलावटखोरी रोकने वाला 'फूड सेफ्टी लॉ' दुनिया के सबसे कठोर कानूनों में से एक है। जिसके तहत जानबूझकर खाद्य पदार्थों में खतरनाक मिलावट करने वालों को मृत्युदंड देने का प्रावधान है। चीन में साल 2008 में दूध में मेलामाइन रसायन मिलाने के चर्चित मामले के दोषियों को मौत की सजा दी गई थी। स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाली मिलावटखोरों को इस कानून के तहत आजीवन कारावास के साथ ही भारी आर्थिक जुर्माने का भी प्रावधान है। चीन में खाद्य नियमों का उल्लंघन करने, घटिया या मानकरहित उत्पाद बेचने और सबूत नष्ट करने वाली कंपनियों और कारोबारियों पर वहां भारी-भरकम जुर्माना लगाया जाता है। साथ ही व्यवसाय का लाइसेंस रद्द भी किया जाता है।

शिक्षा के साथ संस्कारों का होना भी जरूरी : योगाचार्य सुरेंद्र पाल सिंह आर्य

ग्रीनलैंड मॉडर्न जूनियर हाई स्कूल में अभिभावक गोष्ठी का आयोजन, बच्चों की शिक्षा और चरित्र निर्माण पर हुआ मंथन

मुजफ्फरनगर। ग्रीनलैंड मॉडर्न जूनियर हाई स्कूल मुजफ्फरनगर में विद्यार्थियों की शिक्षा के उन्नयन, उनके सर्वांगीण विकास और चरित्र निर्माण को लेकर अभिभावक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में विद्यालय में बच्चों की पढ़ाई, अनुशासन, व्यवहार, संस्कार तथा अभिभावकों की भूमिका को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता अभिभावक नरेंद्र शर्मा ने की। गोष्ठी में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने भाग लेकर बच्चों के बेहतर भविष्य को लेकर अपने विचार एवं सुझाव रखे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय प्रबंधक योगाचार्य सुरेंद्र पाल सिंह आर्य ने कहा कि बालकों के लिए शिक्षा बेहद जरूरी है, लेकिन शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों का होना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बच्चे के व्यक्तित्व का वास्तविक निर्माण केवल विद्यालय में नहीं होता, बल्कि परिवार और समाज का भी उसके जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

उन्होंने कहा कि बालक की प्रथम पाठशाला उसका परिवार होता है। माता उसकी प्रथम गुरु, पिता दूसरा गुरु और आचार्य तीसरा गुरु होता है। यदि माता-पिता और शिक्षक स्वयं सदाचारी, सद्गुणी, सद्व्यवहारी और सत्यवादी होंगे तो उनके आचरण का प्रभाव निश्चित रूप से बच्चों पर पड़ेगा और उनमें भी अच्छे गुण विकसित होंगे।

योगाचार्य सुरेंद्र पाल सिंह आर्य ने कहा कि अच्छी शिक्षा के लिए तीन चीजों का समन्वय आवश्यक है। सबसे पहले विद्यार्थी में शिक्षा प्राप्त करने की रुचि होनी चाहिए। दूसरे, शिक्षक मेहनती, योग्य और अपने दायित्व के प्रति समर्पित होना चाहिए तथा तीसरे, अभिभावकों का विद्यालय और शिक्षकों को पूरा सहयोग मिलना चाहिए। इन तीनों के सामूहिक प्रयास से ही बच्चे शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल बच्चों को किताबी ज्ञान देना अथवा परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कराना नहीं है। वास्तविक शिक्षा वह है, जो बालकों के अंदर सदाचार, देशभक्ति, अनुशासन, दया, करुणा, परोपकार, सहनशीलता और मेहनत जैसे गुणों का विकास करे। इसके साथ ही बच्चों को माता-पिता, गुरुजनों और अपने से बड़ों का सम्मान

रत्र जैसे मानवीय मूल्यों की शिक्षा भी मिलनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि परिवार, समाज और राष्ट्र के पतन से केवल सुसंस्कार ही बचा सकते हैं। यदि बच्चों को बचपन से ही अच्छे संस्कार दिए जाएं और उन्हें सही-गलत का अंतर समझाया जाए तो वे भविष्य में जिम्मेदार नागरिक बन सकते हैं। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की शिक्षा के साथ उनके व्यवहार एवं दिनचर्या पर भी ध्यान देने का आह्वान किया।

मोबाइल और टीवी के बढ़ते प्रभाव पर जताई चिंता

गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे अभिभावक बच्चों को बुरी संगत से बचाना माता-पिता का महत्वपूर्ण दायित्व है। मोबाइल फोन, टीवी और अन्य माध्यम बच्चों के जीवन का हिस्सा बन गए हैं। इनके बढ़ते प्रभाव के बीच अभिभावकों को यह देखना आवश्यक है कि बच्चे इन साधनों का किस प्रकार और कितना उपयोग कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षित करने में माता-पिता और अध्यापकों के बीच बेहतर समन्वय बेहद जरूरी है। विद्यालय में शिक्षक यदि बच्चों की पढ़ाई और व्यवहार पर ध्यान दें तथा घर पर अभिभावक भी बच्चों की पढ़ाई और अच्छे संस्कारों के प्रति जागरूक रहें तो निश्चित रूप से बच्चों में सकारात्मक बदलाव आएगा।

नरेंद्र शर्मा ने कहा कि बच्चों की सफलता केवल विद्यालय के प्रयास से संभव नहीं है। इसके लिए घर और विद्यालय दोनों स्थानों पर एक जैसा सकारात्मक वातावरण होना चाहिए। माता-पिता को बच्चों के साथ संवाद बनाए रखना चाहिए और उनकी समस्याओं को समझकर उनका मार्गदर्शन करना चाहिए। इससे बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे पढ़ाई के साथ-साथ जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे।

अभिभावकों ने रखे सुझाव

गोष्ठी के दौरान उपस्थित अभिभावकों ने बच्चों की शिक्षा एवं संस्कारों को लेकर अपने विचार रखे और विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। अभिभावकों ने कहा कि बच्चों के शैक्षिक विकास के साथ उनके चरित्र निर्माण पर ध्यान देना आज की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों के साथ मिलकर बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए सहयोग जारी रखने की बात कही।

सत्य-अहिंसा भारतीय ज्ञान का निकष है : डॉ. प्रमोद कुमार मिश्र

सनातन धर्म कॉलेज में भारतीय ज्ञान परम्परा में सत्य और अहिंसा विषय पर व्याख्यान एवं संगोष्ठी आयोजित

मुजफ्फरनगर। महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की जयंती की पूर्व संध्या पर सनातन धर्म कॉलेज में भारतीय ज्ञान परम्परा समिति के तत्वावधान में ह्यभारतीय ज्ञान परम्परा में सत्य और अहिंसाह्न विषय पर व्याख्यान एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सुधीर कुमार पुण्डीर के निर्देशन में हुआ। कार्यक्रम के समन्वयक एवं मुख्य वक्ता डॉ. प्रमोद कुमार मिश्र रहे। कार्यक्रम में भारतीय ज्ञान परम्परा में सत्य एवं अहिंसा के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य वक्ता डॉ. प्रमोद कुमार मिश्र ने अपने संबोधन में वेदों, उपनिषदों, रामायण, श्रीमद्भगवद्गीता, महावीर स्वामी, गौतम बुद्ध, आदि शंकराचार्य, संत कबीरदास, गोस्वामी तुलसीदास, स्वामी दयानंद सरस्वती, स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री के सत्य और अहिंसा पर आधारित विचारों का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया।

डॉ. मिश्र ने कहा कि सत्य और अहिंसा भारतीय ज्ञान परम्परा का निकष एवं बीज

बिंदु हैं। भारतीय चिंतन परम्परा में सत्य को जीवन के मूल आधार के रूप में स्वीकार किया गया है, जबकि अहिंसा को मानवता, सह-अस्तित्व और सामाजिक समरसता से जोड़कर देखा गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा ने सदैव मनुष्य को सत्य के मार्ग पर चलने और हिंसा से दूर रहने की प्रेरणा दी है।

उन्होंने वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पूरी दुनिया अस्थिरता, असत्य, हिंसा और विभिन्न प्रकार के संकटों के दौर से गुजर रही है। ऐसे समय में सत्य और अहिंसा पर आधारित भारतीय ज्ञान परम्परा विश्व को नई दिशा देने और मानव समाज का मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सत्य एवं अहिंसा जैसे मूल्यों का पुनर्मूल्यांकन कर उन्हें व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन में धारण करना आवश्यक है।

डॉ. प्रमोद कुमार मिश्र ने अपने वक्तव्य में स्वामी विवेकानंद द्वारा वर्ष 1893 में शिकागो विश्व धर्म संसद में दिए गए वक्तव्य का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि स्वामी विवेकानंद ने भारत की प्राचीन संत परम्परा, सहिष्णुता और सार्वभौमिकता की भावना को विश्व के समक्ष प्रस्तुत किया था। डॉ. मिश्र ने महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा के विचारों तथा पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री के जीवन एवं विचारों का भी विस्तार से विवेचन किया।

मुजफ्फरनगर में 23 लोगों के निःशुल्क नेत्र ऑपरेशन, सफल रही सभी सर्जरी

ग्रामीण अंचल के 167 पुरुष एवं महिलाओं की हुई आंखों की जांच, 23 मरीजों को ऑपरेशन की जरूरत

मुजफ्फरनगर। वरदान धर्मार्थ नेत्र चिकित्सालय की ओर से आयोजित निःशुल्क नेत्र चिकित्सा सेवा के तहत 23 पुरुष एवं महिलाओं के नेत्र ऑपरेशन सफलतापूर्वक किए गए। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. स्वाती अग्रवाल के कुशल नेतृत्व में सभी ऑपरेशन संपन्न हुए। इन ऑपरेशनों की पूरी जिम्मेदारी रेशू एडवरटाइजिंग के सत्यप्रकाश रेशू के सहयोग से निभाई गई।

वरदान धर्मार्थ नेत्र चिकित्सालय के अध्यक्ष शिवचरण दास गर्ग, योगेन्द्र जैन एवं भानु प्रताप ने बताया कि ग्रामीण अंचल में आयोजित नेत्र जांच शिविर के दौरान कुल 167 पुरुष एवं महिलाओं की आंखों की जांच की गई। जांच के बाद 23 मरीजों में नेत्र ऑपरेशन की आवश्यकता पाई गई। इसके बाद इन सभी मरीजों के निःशुल्क ऑपरेशन की जिम्मेदारी सत्यप्रकाश रेशू ने ली।

ऑपरेशन के लिए सभी 23 नेत्र रोगियों को उनके गांवों से चिकित्सालय तक लाने और ऑपरेशन के बाद वापस

पहुंचाने की व्यवस्था की गई। इसके साथ ही मरीजों के लिए आवश्यक दवाइयां, चश्मे, भोजन एवं अन्य सुविधाएं भी निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। चिकित्सकों के परामर्श के अनुसार मरीजों को ऑपरेशन के बाद आवश्यक देखभाल और उपचार संबंधी जानकारी भी दी गई। चिकित्सालय के पदाधिकारियों ने बताया कि वरदान धर्मार्थ नेत्र चिकित्सालय ह्यनेत्रदान महादानह्न के सिद्धांत को लेकर देशभर में निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविरों का आयोजन करता है। इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में रहने वाले ऐसे लोगों तक नेत्र चिकित्सा सुविधा पहुंचाना है, जो आर्थिक या अन्य कारणों से समय पर उपचार नहीं करा पाते।

उन्होंने बताया कि इन निःशुल्क शिविरों की जिम्मेदारी सामाजिक संस्थाओं अथवा व्यक्तिगत सहयोगियों द्वारा उठाई जाती है। ऐसे प्रयासों से नेत्र रोग से पीड़ित अनेक पुरुष, महिलाएं एवं बच्चे सफल उपचार के बाद दोबारा अपनी आंखों से दुनिया देख पाते हैं।

नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. स्वाती अग्रवाल द्वारा दी गई चिकित्सकीय जानकारी तथा सफल ऑपरेशन के बाद मरीजों द्वारा दिए गए फीडबैक को जानने के लिए क्यूआर कोड स्कैन किया जा सकता है।

बाल सुरक्षा के संदेश से गूंजा जी. डी. गोयनका पब्लिक स्कूल

पॉक्सो जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किया प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक"

मुजफ्फरनगर। बाल सुरक्षा एवं अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जी. डी. गोयनका पब्लिक स्कूल, मुजफ्फरनगर में पॉक्सो अधिनियम पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुश्री गरिमा सिंह (प्रभारी जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण) रहीं। विशिष्ट अतिथियों में मनोज कुमार सिद्धू (अपर जनपद न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश, पॉक्सो अधिनियम), देवेंद्र सिंह फौजदार (अपर सिविल जज/अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट), डॉ. सत्येंद्र कुमार चौधरी (सिविल जज, वरिष्ठ प्रभाग एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण), राजीव त्यागी (मुख्य विधिक एवं प्रतिरक्षा अधिवक्ता), गौरव मलिक (पैरालीगल स्वयंसेवक, जिला विधिक

सेवा प्राधिकरण) तथा विद्यालय प्रबंधक श्री सचिन गोयल, शाश्वत गोयल आदि उपस्थित रहे। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। विद्यार्थियों ने पॉक्सो अधिनियम, सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श तथा बाल सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर जागरूकता का संदेश दिया। न्यायिक एवं विधिक अधिकारियों ने विद्यार्थियों को बाल अधिकारों, पॉक्सो अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों एवं विधिक सहायता की जानकारी प्रदान करते हुए किसी भी असुरक्षित स्थिति में निडर होकर आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. स्वाति शर्मा ने कहा, बच्चों की सुरक्षा केवल विद्यालय की नहीं, बल्कि परिवार और पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। प्रत्येक बच्चे को अपने अधिकारों की जानकारी होना तथा किसी भी असुरक्षित स्थिति में बिना भय के आवाज उठाना आवश्यक है।

बीएसएनएल पेंशनर्स का प्रदर्शन, बिना वाउचर मिलने वाला मासिक मेडिकल भत्ता बंद करने के आदेश का विरोध

बीएसएनएल पेंशनर्स ने पटेल नगर टेलीफोन एक्सचेंज परिसर में किया प्रदर्शन, पेंशन संशोधन और तृतीय वेतन संशोधन का मुद्दा भी उठाया

मुजफ्फरनगर। बीएसएनएल पेंशनर्स की एआईबीडीपीए एवं एसएनपीडब्ल्यूए एसोसिएशन्स की ओर से बीएसएनएल/एमटीएनएल पेंशनर्स एसोसिएशन्स की समिति के आह्वान पर पटेल नगर टेलीफोन एक्सचेंज परिसर में प्रदर्शन किया गया। पेंशनर्स ने बिना वाउचर मिलने वाले मासिक मेडिकल भत्ते को बंद करने के आदेश का विरोध करते हुए अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में बीएसएनएल पेंशनर्स ने भाग लिया।

प्रदर्शन के बाद आयोजित सभा की

अध्यक्षता मो. इस्राइल, सर्कल अध्यक्ष ने की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में संचार निगम पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश पश्चिम के परिमंडलीय सचिव रामबीर सिंह भी मौजूद रहे। उन्होंने पेंशनर्स को मेडिकल भुगतान तथा पेंशन संशोधन से संबंधित नवीनतम जानकारी से अवगत कराया और वर्तमान स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की। सभा में पेंशनर्स की विभिन्न समस्याओं और मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई।

एआईबीडीपीए के कोषाध्यक्ष गणेश दत्त शर्मा, एसएनपीडब्ल्यूए के जिला सचिव आदित्य गर्ग तथा एसके त्यागी, जनार्दन शर्मा आदि ने बीएसएनएल के तृतीय वेतन संशोधन के मुद्दे पर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने पेंशनर्स से जुड़े विभिन्न विषयों को प्रमुखता से उठाते हुए संगठनात्मक एकजुटता बनाए रखने पर जोर दिया।

एआईबीडीपीए के जिला सचिव आरयू सिंह ने पेंशनर्स की मांगों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि पेंशनर्स से जुड़े मेडिकल भत्ते सहित अन्य मामलों पर संगठन लगातार अपनी आवाज उठा रहा है। प्रदर्शन के माध्यम से पेंशनर्स ने संबंधित आदेश पर अपना विरोध दर्ज कराया।

सभा में वक्ताओं ने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। मेडिकल सुविधाएं और पेंशन से जुड़े विषय पेंशनर्स के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने संगठन के माध्यम से अपनी मांगों को संबंधित स्तर तक पहुंचाने तथा भविष्य में भी आवश्यकता के अनुसार आंदोलनात्मक कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

पितृपक्ष में श्राद्ध-तर्पण के साथ भजन-कीर्तन से घर में बनी रहती है सुख-शांति, आरोग्य और समृद्धि : रामबीर सिंह

श्री मनकामनेश्वर महादेव शिव मंदिर में गीता पाठ, पितृनाम संकीर्तन और भजन संध्या का भव्य आयोजन

मुजफ्फरनगर। पितृपक्ष के पावन अवसर पर श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार मुजफ्फरनगर की ओर से नगर में विभिन्न स्थानों पर किए जा रहे निःशुल्क गीता पाठ एवं पितृनाम संकीर्तन की श्रृंखला के अंतर्गत भरतिया कॉलोनी स्थित श्री मनकामनेश्वर महादेव शिव मंदिर में गीता पाठ, भजन संध्या एवं संकीर्तन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में भाव-विभोर होकर भजनों पर नाचते-झूमते नजर आए।

श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार के सचिव अतुल कुमार गर्ग ने बताया कि पितृपक्ष के दौरान नगर के अलग-अलग क्षेत्रों एवं परिवारों में प्रतिदिन निःशुल्क गीता पाठ, अक्षरब्रह्मयोग तथा पितृनाम संकीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में विवेक गर्ग एवं पंकज गर्ग के सौजन्य से तथा भगवताचार्य पंडित अरुण मिश्रा के पावन सानिध्य में श्री मनकामनेश्वर महादेव शिव मंदिर में यह

धार्मिक आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ गर्ग परिवार द्वारा गीता जी की शोभायात्रा निकालकर किया गया। शोभायात्रा के पश्चात मंदिर परिसर में दीप प्रज्वलित कर विधिवत पूजन-अर्चना की गई। इसके बाद अतुल कुमार गर्ग ने गणेश वंदना कराई और श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से महामंत्र ह्यॐ नमो भगवते वासुदेवायह्न का जाप किया। इसके उपरांत गीता जी के आठवें अध्याय अक्षरब्रह्मयोग का पाठ किया गया। गीता मंत्रों एवं भगवान श्रीकृष्ण की स्तुति के दौरान श्रद्धालु पूरी तरह भक्तिरस में डूबे दिखाई दिए। भजन संध्या में भजन गायक महेंद्र रावत, नवीन गोस्वामी, गरिमा गोयल, विपिन गुप्ता एवं संजय अरोरा ने राधा रानी और पितरों की महिमा से जुड़े भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। भजनों की मधुर धुनों और भक्तिमय वातावरण ने मंदिर परिसर को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। सैकड़ों श्रद्धालु भजनों पर नाचते-झूमते और भगवान की भक्ति में लीन नजर आए।

इस अवसर पर गीता पाठ परिवार के रामबीर सिंह ने पितृपक्ष में गीता पाठ एवं संकीर्तन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गीता जी के आठवें अध्याय अक्षरब्रह्मयोग का पितृपक्ष में विशेष महत्व माना जाता है। उन्होंने कहा कि धार्मिक मान्यता के अनुसार पितृपक्ष में श्राद्ध एवं तर्पण के साथ-साथ भजन और संकीर्तन करने से परिवार में सुख, शांति, आरोग्य एवं समृद्धि का वातावरण बना रहता है। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों का उद्देश्य नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, संस्कारों और सनातन परंपराओं से जोड़ना भी है। भगवताचार्य पंडित अरुण मिश्रा ने श्रद्धालुओं को गीता जी के प्रथम श्लोक के महत्व को विस्तार से समझाया। उन्होंने गीता के आध्यात्मिक संदेश और भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गए उपदेशों का उल्लेख करते हुए कहा कि गीता मानव जीवन को सही दिशा देने वाला महान ग्रंथ है। उन्होंने श्रद्धालुओं से गीता के संदेश को अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से गीता पाठ और संकीर्तन में भाग लिया। पूरे परिसर में भक्ति गीतों और मंत्रोच्चार से आध्यात्मिक वातावरण बना रहा।

आयोजन में अतुल कुमार गर्ग, पंडित अरुण मिश्रा, रामबीर सिंह, सुभाष गर्ग, विवेक गर्ग, पंकज गर्ग, गरिमा गोयल, विपिन गुप्ता, महेंद्र रावत, अनीता गुप्ता, मीनू गोयल, आशीष प्रदीप, पवन, प्रमोद, नवीन, अजय गर्ग, वरुण, धनप्रकाश, मयंक, ममता गर्ग, मीतू गर्ग, कीर्ति, मोनिका, बबीता, मेघा, कमलेश, शकुंतला, रेखा, सोनिया, लता, रश्मि, मीनाक्षी, नीलम, सविता, मीरा, उर्वशी, रितिका, उमा, सुशील कुमार, लाली, डॉ. राशि गर्ग, आदेश, प्रीति, सुधा, अमित, संजय, लव, कुश, वासु, उन्नत, प्रदीप, अमित मिश्रा, विनायक, रविशंकर मिश्रा सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से गीता जी की आरती की।

रंग संसार

हादसे का शिकार हुईं नुसरत भरूचा, चोटिल होने के बाद अस्पताल में भर्ती एक्ट्रेस

नई दिल्ली। आकाशवाणी और प्यार का पंचनामा जैसी मूवीज से फेंस का दिल जीतने वालीं अदाकारा नुसरत भरूचा का नाम इस वक्त चर्चा में बना हुआ है। खबर है कि विदेश में एक प्रोजेक्ट की शूटिंग के वक्त नुसरत के साथ एक हादसा हो गया है, जिसकी वजह से अभिनेत्री घायल हो गई हैं। चोटिल होने के बाद नुसरत भरूचा को पास के हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। पूरा मामला क्या है, आइए विस्तार से जानते हैं- हादसे का शिकार हुईं नुसरत भरूचा दरअसल एनडीटीवी की रिपोर्ट में ये दावा किया गया है कि मौजूदा समय में नुसरत भरूचा इंडोनेशिया के द्वीप प्रांत बाली में मौजूद हैं। वहां वह अपने वर्क कमिटमेंट के आधार पर एक प्रोजेक्ट पर काम कर रही थीं। उसकी शूटिंग जारी थी और इसी दौरान नुसरत के साथ एक एक्सीटेंड हो गया है, जिसकी वजह से अभिनेत्री चोटिल हो गई हैं।आनन-फानन में उनकी बाली के प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है, जहां छोरी फिल्म एक्ट्रेस का ट्रीटमेंट चल रहा है। हालांकि, इस रिपोर्ट में ये खुलासा नहीं किया है कि नुसरत भरूचा को कितनी चोट लगी है और इस हादसे की असली वजह क्या है। इतना ही नहीं नुसरत भरूचा के साथ हुए इस हादसे की आधिकारिक पुष्टि जागरण नहीं करता है।लेकिन इस खबर के सामने आने के बाद फैंस की चिंता बढ़ गई है वे अभिनेत्री की सलामती की दुआएं कर रहे हैं। ये पहला मौका नहीं है, जब नुसरत भरूचा का नाम अपने एक्टिंग करियर के अलावा अन्य किसी वजह से सुर्खियां बटोर रहा है। इससे पहले मिडिल ईस्ट में हुए संघर्ष के बीच भी नुसरत वहीं फंस गई थीं और फिर उनको रेस्क्यू कर इंडिया लाया गया था। बात की जाए नुसरत भरूचा की अपकमिंग फिल्म के बारे में तो वह ओटीटी पर आएगी और उसका नाम घूसखोर पंडत है। जिसमें अभिनेता मनोज बाजपेयी लीड रोल में मौजूद हैं। इस मूवी को नेटफ्लिक्स पर ऑनलाइन स्ट्रीम किया जाएगा।

राज काज

टाटा स्टील के शेयरों पर बड़ा टारगेट प्राइस, एलारा कैपिटल की बाय कॉल; जानिए कहां तक जा सकता है भाव?

नई दिल्ली। टाटा समूह की दिग्गज कंपनी टाटा स्टील के शेयरों पर ब्रोकरेज फर्म एलारा सिक्योरिटीज ने एक रिपोर्ट जारी की है और इस शेयर पर अपनी इव रेटिंग बरकरार रखी है। ब्रोकरेज ने टाटा स्टील के प्रदर्शन, आउटलुक और वैल्यूएशन पर बात करते हुए यह रिपोर्ट दी है। टाटा स्टील के शेयर 1 अक्तूबर को 3 फीसदी से ज्यादा की गिरावट के साथ 178 रुपये पर क्लोज हुए। कंपनी के शेयरों ने इस साल मई में 226 रुपये का ऑल टाइम हाई लगाया था और यहीं से शेयर में गिरावट देखने को मिली है। एलारा कैपिटल ने लंबी अवधि के नजरिये से बड़ा टारगेट प्राइस दिया है। यूरोप के बिजनेस की चिंताओं और 2030 के बाद लौह अयस्क खदानों के छिनने की आशंकाओं के कारण शेयर ने पिछले 3 महीनों में अपने प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले कमजोर प्रदर्शन किया है। इसका वैल्यूएशन डिस्काउंट बढ़कर क्रमशः 39% और 32% हो गया है, लेकिन ब्रोकरेज का मानना है कि शेयर इन नेगेटिव पहलुओं पर रिएक्ट कर चुका है। ब्रोकरेज ने कहा कि यूरोपीय कारोबार में रिकवरी दिख रही है। नीदरलैंड स्थित डायरेक्ट शीट प्लांट (DSP) के अस्थायी शटडाउन के कारण Q1FY27 में यूरोपीय ऑपरेशंस का EBITDA नेगेटिव (घाटे में) रहा था। अगस्त में इस प्लांट के दोबारा शुरू होने के बाद से Q2FY27 से लेकर Q1FY28 तक मुनाफे में लगातार सुधार की उम्मीद है। भारतीय कारोबार में मजबूती आई। ऐतिहासिक रूप से Q2 स्टील के लिए कमजोर तिमाही होती है, लेकिन Q2FY27 में HRC की कीमतों में Q1FY27 के औसत की तुलना में 2% की बढ़ोतरी देखी गई है। ऑटो और पाइप इंडस्ट्री की मजबूत मांग, रीस्टॉकिंग, और सेफगार्ड ड्यूटी के कारण भारतीय ऑपरेशंस का मुनाफा मजबूत रहने की उम्मीद है।

दैनिक राशिफल शुक्रवार 02 अक्टूबर 2026

मेष – लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा।

वृष – आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

मिथुन : पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा।

कर्क – कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी।

सिंह– संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। अपने काम पर नजर रखिए। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा।

कन्या – समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना।

तुला – जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, ङ्कषचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें।

वृश्चिक – परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान हैं अतः वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें।

धनु – घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे।

मकर – भावुकतावश निर्णय न लें। मन में चंचलता बढ़ेगी। कर्ज देने से बचें। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य में गिरावट से चिंता रहेगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी।

कुंभ – सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं।

मीन – आय के नये स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी।

दैनिक पंचांग

2 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.03 बजे से
चंद्र	वृष में	वृश्चिक	09.18 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	11.34 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.39 बजे से
गुरु	कर्क में	कुंभ	15.25 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	16.58 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.28 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.09 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	22.07 बजे से
		कर्क	00.20 बजे से
		सिंह	02.36 बजे से
		कन्या	04.48 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2026 वर्ष का 275 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** षष्ठी 10.16 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** मृगशीर्ष 02.55 बजे रात्र को समाप्त। **योग** व्यतीपात 18.18 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 10.16 बजे तदनन्तर विष्टि 21.07 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 20.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 03° 30' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872850 **जूलियन दिन** 2461315.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 20 **विशेष** महात्मा गाँधी व लालबहादुर शास्त्री जयंती, अहिंसा दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

रामपुर तिराहा कांड की 32वीं बरसी पर फिर गूंजा न्याय का मुद्दा

2024 के ऐतिहासिक फैसले में दो पूर्व पीएसी जवानों को उम्रकैद सुनाने वाले तत्कालीन एडीजे शक्ति सिंह की हुई प्रशंसा, अन्य लंबित मामलों में भी फैसले का इंतजार

मुजफ्फरनगर। उत्तराखंड राज्य आंदोलन के दौरान हुए रामपुर तिराहा कांड की 31वीं बरसी पर एक बार फिर उस लंबे न्यायिक संघर्ष और 2024 में आए महत्वपूर्ण फैसले की चर्चा तेज हो गई है। इस मौके पर आम लोगों और आंदोलन से जुड़े लोगों ने उस समय मुजफ्फरनगर में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद पर तैनात रहे शक्ति सिंह के उस फैसले की सराहना की, जिसमें उन्होंने रामपुर तिराहा प्रकरण से जुड़े सामूहिक दुष्कर्म, लूट और छेड़छाड़ के मामले में दो तत्कालीन पीएसी जवानों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। रामपुर तिराहा कांड से जुड़े सीबीआई बनाम मिलाप सिंह मामले में तत्कालीन अपर जिला एवं सत्र न्यायालय संख्या-7 के पीठासीन अधिकारी शक्ति सिंह ने 18 मार्च 2024 को फैसला सुनाया था। अदालत ने तत्कालीन पीएसी सिपाही मिलाप सिंह और वीरेंद्र प्रताप सिंह को दोषी ठहराते हुए सामूहिक दुष्कर्म के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। अदालत ने दोनों दोषियों पर अलग-अलग धाराओं में सजा और जुमार्ना भी लगाया था। रिपोर्टों के अनुसार, दोनों पर कुल एक लाख रुपये का अर्थदंड लगाया गया, जिसकी राशि पीड़िता को प्रतिकर के रूप में दिए जाने का आदेश हुआ था।

तीन दशक बाद आया था फैसला

रामपुर तिराहा की घटना 1-2 अक्टूबर 1994 की रात से जुड़ी है। अलग उत्तराखंड राज्य की मांग को लेकर आंदोलनकारी दिल्ली की ओर जा रहे थे। रामपुर तिराहा के पास पुलिस और आंदोलनकारियों के बीच टकराव हुआ। घटना में गोलीबारी में आंदोलनकारियों की मौत हुई और महिला आंदोलनकारियों के साथ दुर्व्यवहार, छेड़छाड़ तथा सामूहिक दुष्कर्म के गंभीर मामले सामने आए। बाद में इन मामलों की जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। सामूहिक दुष्कर्म और लूट से जुड़े मामले में लंबे समय तक चली न्यायिक प्रक्रिया के बाद 2024 में अदालत का फैसला आया। इस फैसले को पीड़ित पक्ष और आंदोलन से जुड़े लोगों के लिए लंबे इंतजार के बाद आया महत्वपूर्ण न्यायिक निर्णय माना गया।

अदालत ने फैसले में पुलिसकर्मियों की भूमिका पर की थी टिप्पणी

2024 के फैसले में अदालत ने महिला आंदोलनकारी के साथ हुए व्यवहार को गंभीर बताते हुए कहा था कि शांतिपूर्ण आंदोलन में भाग लेना प्रत्येक व्यक्ति का मौलिक अधिकार है और किसी महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म जैसा कृत्य किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। अदालत ने यह भी टिप्पणी की थी कि यदि अपराध करने वाला पुलिस बल का सदस्य हो तो घटना की गंभीरता और बढ़ जाती है। इस मामले की सुनवाई को तेजी से पूरा करने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने विशेष रूप से एडीजे-7 शक्ति सिंह को अधिकृत किया था। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार, अदालत ने करीब एक वर्ष में सुनवाई पूरी करते हुए पहली पत्रावली में फैसला सुनाया था।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, 2024 के फैसले में दोषी ठहराए गए दोनों पूर्व पीएसी जवानों ने फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील दाखिल की है। उनकी अपील न्यायिक प्रक्रिया के तहत विचाराधीन है। इसलिए निचली अदालत का दोषसिद्धि आदेश उच्च न्यायालय की कार्यवाही के अधीन है। रामपुर तिराहा कांड से जुड़े अन्य मामलों की न्यायिक प्रक्रिया भी अलग-अलग स्तरों पर जारी रही है। 30जून 2026 में फर्जी हथियार बरामदगी से जुड़े एक अन्य मामले में तत्कालीन एसओ और दो पुलिसकर्मियों को अदालत ने दोषी ठहराकर सजा सुनाई थी। इस मामले में तीनों आरोपियों को डेढ़–डेढ़ साल और जुमार्ने की सजा सुनाई गई थी।

रामपुर तिराहा कांड की बरसी पर फिर उठी न्याय की चर्चा

32वीं बरसी के अवसर पर 2024 के फैसले का उल्लेख करते हुए लोगों ने न्यायिक प्रक्रिया में उस निर्णय को महत्वपूर्ण पड़ाव बताया। आंदोलन से जुड़े लोगों के लिए रामपुर तिराहा कांड केवल एक पुरानी घटना नहीं, बल्कि उत्तराखंड राज्य आंदोलन के संघर्ष और उससे जुड़े पीड़ितों के न्याय की लंबी प्रक्रिया का हिस्सा है। उत्तराखंड सरकार की ओर से भी रामपुर तिराहा शहीद स्थल पर प्रतिवर्ष श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। पिछले वर्ष मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शहीद स्थल पर श्रद्धांजलि देते हुए स्थल के पुनर्विकास, संग्रहालय को बेहतर स्वरूप देने और अन्य सुविधाएं विकसित करने की घोषणा की थी। रामपुर तिराहा कांड से जुड़े सभी मामलों का न्यायिक सफर अलग-अलग रहा है। 2026 में उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार कुछ मामलों में सुनवाई पूरी होकर फैसले की प्रक्रिया में पहुंची, जबकि कुछ अन्य पत्रावलियों में सुनवाई जारी रही। ऐसे में 31वीं बरसी पर 2024 के फैसले के साथ-साथ उन मामलों पर भी चर्चा हो रही है जिनमें न्यायिक प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है।

खतौली में चोरी का बड़ा खुलासा: 80 हजार नकद व आभूषणों के साथ 2 अभियुक्त गिरफ्तार

भेंगेला गांव में हुई चोरी के मामले में ने दूधली कट से आरोपियों को दबोचा

खतौली (मुजफ्फरनगर)। थाना खतौली पुलिस ने क्षेत्र में हुई चोरी की वारदात का सफल अनावरण करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए 80 हजार रुपये नकद, चांदी के आभूषण और सोने की नाक की लौंग बरामद की है। कोतवाल दिनेश चन्द्र बघेल ने बताया कि गत 12 सितंबर को ग्राम भेंगेला निवासी अमीर अहमद के घर से नकदी व सोने-चांदी के जेवरातों की चोरी हुई थी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज किया और मामले की विवेचना उपनिरीक्षक राघव बंसल को सौंपी गई थी। दूधली कट से हुई गिरफ्तारीमामले की जांच, सुरागरसी व पतारसी में जुटी पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी, जब मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने गांव दूधली कट के पास से दो संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तारी व बरामदगी विवरण

कोतवाल दिनेश चंद बघेल ने बताया कि दोनों आरोपियों से 80,000 नकद एवं सोने-चांदी के जेवरात बरामद किये गये हैं, जिनमें फरमान (निवासीः रायपुर, थाना बाबरी, शामली) से ड्ड45,000 नकद , चांदी की 1 जोड़ी पाजेब, 4 अंगूठियां, 2 चेन, 3 जोड़ी बिछुए (पैर के छल्ले) व पीली धातु की 2 नाक की लौंग बरामद की गई है। जबकि दूसरे आरोपी रजत वर्मा (निवासीः थानाभवन, शामली) के कब्जे से 35,000 नकद बरामद किये गये हैं।

मुकदमे में बढ़ी धाराएं, भेजे गए जेल

पुलिस के अनुसार, अभियुक्तों के पास से चोरी का माल व नकदी बरामद होने के आधार पर दर्ज मुकदमे में बीएनएस की धारा 317(2) की बढ़ोतरी की गई है। दोनों आरोपियों को वैधानिक कार्रवाई के पश्चात न्यायालय में पेश किया जा रहा है। कोतवाल दिनेश चन्द्र बघेल के नेतृत्व में इस गुडवर्क को अंजाम देने वाली टीम में उपनिरीक्षक राघव बंसल, प्रदीप नारायण, हेड कांस्टेबल ज्ञानेन्द्र कुमार, नवीन कुमार, विकास कुमार, मुनीष शर्मा तथा कांस्टेबल प्रवीन कुमार शामिल रहे।

अवैध संबंध का विरोध पड़ा भारी, तीन साल पुराने हत्याकांड में देवर-भाभी दोषी

बड़े भाई ने दोनों को आपत्तिजनक हालत में देख लिया था, चुनरी से गला घोंटकर हत्या के बाद निमार्णाधीन शौचालय के गड्ढे में छिपाया था शव; 11 गवाहों ने दी गवाही

मुजफ्फरनगर। पुरकाजी थाना क्षेत्र के गांव मांडला में करीब तीन साल पहले हुए साकर हत्याकांड में अदालत ने उसकी पत्नी आसया और छोटे भाई सुहैल को दोषी ठहराया है। अभियोजन के अनुसार, साकर ने अपनी पत्नी और छोटे भाई को आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया था और उनके संबंधों का विरोध किया था। इसके बाद दोनों ने मिलकर उसकी हत्या कर दी और शव को निमार्णाधीन मकान में बने शौचालय के गड्ढे में छिपा दिया था। अदालत में दोनों आरोपितों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। दोष सिद्ध होने के बाद अदालत ने सजा सुनाने के लिए 13 सितंबर की तारीख निर्धारित की है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता आशीष कुमार त्यागी ने बताया कि पुरकाजी थाना क्षेत्र के गांव मांडला निवासी साकर पुत्र फरीद की पत्नी आसया और उसके देवर सुहैल के बीच प्रेम संबंध होने का अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया था। बताया गया कि सुहैल सऊदी अरब में रहता था और वहां से वापस आने के बाद अपनी भाभी आसया के संपर्क में आया। इसके बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गई थीं। अभियोजन के अनुसार, दोनों साकर की गैरमौजूदगी में एक-दूसरे से मिलते थे। 6 जून 2023 को साकर ने दोनों को आपत्तिजनक हालत में देख लिया था। इसके बाद उसने उनके संबंधों का विरोध किया। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, 6 जून 2023 की रात साकर चारपाई पर सो रहा था। इसी दौरान आसया और सुहैल ने मिलकर उसकी हत्या कर दी। आरोप है कि दोनों ने चुनरी से साकर का गला घोंट दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपितों ने वारदात को छिपाने के लिए साकर के शव को निमार्णाधीन मकान में बने शौचालय के गड्ढे में डाल दिया। शव को छिपाने के बाद दोनों ने घटना को छिपाने का प्रयास किया। साकर के अचानक गायब होने के बाद उसके चचेरे भाई असलम ने 7 जून 2023 को थाना पुरकाजी में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और साकर की तलाश के साथ उसके गायब होने की परिस्थितियों की पड़ताल की।

जांच आगे बढ़ने पर पुलिस को मामले में साकर की पत्नी आसया और उसके देवर सुहैल की भूमिका पर संदेह हुआ। पुलिस ने दोनों से पूछताछ की और उनकी निशानदेही पर शव बरामद किया।

15 जून को बरामद हुआ था शव

पुलिस के अनुसार, 15 जून 2023 को सुहैल और आसया की निशानदेही पर निमार्णाधीन मकान में बने शौचालय के गड्ढे से साकर का शव बरामद किया गया था। शव की बरामदगी के दौरान बड़े भाई शोएब की मौजूदगी भी बताई गई है। इसके बाद साकर के पिता फरीद की ओर से दोनों आरोपितों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया गया। विवेचना पूरी होने के बाद पुलिस ने दोनों के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। मामले में आरोपी बनाए गए सुहैल और आसया 16 जून 2023 से जेल में बंद हैं। गुरुवार को दोनों को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत के समक्ष पेश किया गया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से मामले को साबित करने के लिए कुल 11 गवाह पेश किए गए। अभियोजन पक्ष ने गवाहों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अदालत के समक्ष अपना पक्ष रखा। सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने दोनों आरोपितों को दोषी ठहरा दिया।

मुजफ्फरनगर से 2 अक्टूबर को कांग्रेस निकालेगी किसान अधिकार यात्रा

शामली, बागपत, मेरठ और गाजियाबाद होते हुए 7 अक्टूबर को पीलीभीत चौराहा पहुंचेगी यात्रा, किसानों, खेत मजदूरों और ग्रामीण युवाओं से संवाद का दावा

मुजफ्फरनगर। किसानों और कृषि क्षेत्र से जुड़े विभिन्न वर्गों की समस्याओं, अधिकारों और मांगों को लेकर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी तथा किसान कांग्रेस की ओर से किसान अधिकार यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। कांग्रेस के प्रदेश स्तर से जारी संशोधित कार्यक्रम के अनुसार यात्रा का शुभारंभ 2 अक्टूबर 2026 को मुजफ्फरनगर से होगा। यात्रा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जनपदों से होकर आगे बढ़ेगी और 7 अक्टूबर 2026 को पीलीभीत चौराहा पहुंचने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। यात्रा को लेकर कांग्रेस संगठन ने संबंधित जिलों के पदाधिकारियों और समन्वयकों को आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपते हुए तैयारियों में जुटने के निर्देश दिए हैं।

पूर्व केबिनेट मंत्री एवं पूर्व कार्यकारी उत्तर प्रदेश कांग्रेस राजबहादुर की ओर से 25 सितंबर को जारी पत्र के मुताबिक, उत्तर प्रदेश किसान कांग्रेस एवं किसान कांग्रेस पश्चिम जोन की ओर से यह यात्रा प्रदेश के किसानों, खेत मजदूरों, महिला किसानों, ग्रामीण युवाओं, पशुपालकों और कृषि से जुड़े अन्य वर्गों के साथ सीधा संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। कांग्रेस के अनुसार यात्रा के दौरान इन वर्गों के अधिकारों, समस्याओं और मांगों को समझने तथा उन्हें संबंधित क्षेत्रों में उठाने का प्रयास किया जाएगा।

2 अक्टूबर को मुजफ्फरनगर से होगा यात्रा का आगाज

कांग्रेस की प्रस्तावित किसान अधिकार यात्रा का पहला प्रमुख पड़ाव मुजफ्फरनगर होगा। 2 अक्टूबर को मुजफ्फरनगर से यात्रा की शुरूआत की जाएगी। इसके बाद यात्रा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से होकर आगे बढ़ेगी। जारी पत्र में बताया गया है कि यात्रा शामली, बागपत, मेरठ और गाजियाबाद होते हुए आगे जाएगी। इसके बाद 7 अक्टूबर को पीलीभीत चौराहा पहुंचने का कार्यक्रम रखा गया है। यात्रा के प्रत्येक पड़ाव पर स्थानीय कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकताओं द्वारा कार्यक्रम के संचालन में सहयोग किया जाएगा।

हरी झंडी दिखाकर रवाना किए जाने का कार्यक्रम

कांग्रेस की ओर से जारी पत्र में किसान अधिकार यात्रा के शुभारंभ कार्यक्रम में पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं और किसान कांग्रेस से जुड़े पदाधिकारियों के शामिल होने का उल्लेख किया गया है। यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किए जाने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। पत्र में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी राजेन्द्र पाल गौतम, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय, सह-प्रभारी सचिव संजीव शर्मा, सांसद सुरमा सिंह तथा किसान कांग्रेस से जुड़े पदाधिकारियों अखिलेश शुक्ला और रोहित जाखड़ सहित अन्य नेताओं के नाम कार्यक्रम से जुड़े हुए बताए गए हैं।

किसानों से सीधे संवाद पर रहेगा जोर

पुरकाजी में निजी अस्पतालों और क्लीनिकों पर स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्रवाई

मुजफ्फरनगर। जनपद में निजी अस्पतालों और क्लीनिकों की कार्यप्रणाली पर निगरानी तेज करते हुए स्वास्थ्य विभाग ने गुरुवार को पुरकाजी क्षेत्र में विशेष जांच अभियान चलाया। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा के निर्देश तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने विभिन्न निजी अस्पतालों और क्लीनिकों का निरीक्षण कर उनके पंजीकरण, चिकित्सकीय अभिलेखों और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की। जांच के दौरान जिन संस्थानों में कमियां पाई गईं, उनके संचालकों से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

डीएम और सीएमओ के निर्देश पर चला निरीक्षण अभियान

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार जनपद में संचालित निजी अस्पतालों और क्लीनिकों में निर्धारित मानकों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए यह अभियान चलाया गया। उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. महक सिंह और उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने पुरकाजी क्षेत्र के कई चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि निरीक्षण का उद्देश्य निजी स्वास्थ्य संस्थानों के पंजीकरण, चिकित्सकीय व्यवस्थाओं और आवश्यक अभिलेखों की जांच करना था, ताकि बिना मानक अथवा अधूरे दस्तावेजों के संचालन पर रोक लगाई जा सके। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पुरकाजी स्थित वाहेगुरु क्लीनिक, लिमरा हॉस्पिटल, डॉ. मनोज कुमार क्लीनिक, श्री साईं क्लीनिक और सिटी क्लीनिक का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संस्थानों के पंजीकरण प्रमाण पत्र, चिकित्सकों से संबंधित दस्तावेज, स्टाफ का विवरण और अन्य आवश्यक अभिलेखों की जांच की गई। अधिकारियों ने संस्थान संचालकों से उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, मरीजों के उपचार की व्यवस्थाओं तथा अन्य आवश्यक मानकों के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की।

मीरापुर के जंगल में तेंदुओं का आतंक: वन विभाग ने ड्रोन से शुरू किया सर्च ऑपरेशन, 3 महीने से दहशत में ग्रामीण

भुम्मा के जंगल में नर–मादा तेंदुओं की सुनाई दे रही है गुर्राहट

मीरापुर (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र के भुम्मा जंगल में नर और मादा तेंदुए की लगातार चहलकदमी और गुर्राहट से आसपास के ग्रामीणों में भारी दहशत का माहौल है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार पिछले करीब तीन महीनों से इलाके में तेंदुओं की गतिविधियां देखी जा रही हैं। ग्रामीणों ने दावा किया है कि जंगल में दो छोटे शावकों के साथ नर और मादा तेंदुए का पूरा कुनबा मौजूद है, जो पालतू मवेशियों पर हमले की कोशिश कर रहा है।

डीएफओ के आदेश पर हरकत में आया वन विभाग

ग्रामीणों की ओर से बार-बार शिकायत के बावजूद स्थानीय स्तर पर सुनवाई न होने का आरोप लगा, जिसके बाद मामला उच्च अधिकारियों तक पहुंचा। डीएफओ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित रेंजर को तत्काल मौके पर पहुंचकर जांच करने और सख्त कदम उठाने के सख्त निर्देश दिए। गुरुवार सुबह वन विभाग की विशेष टीम ने भुम्मा के जंगलों में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। जंगलों के घने हिस्सों में तेंदुओं की लोकेशन ट्रैक करने के लिए ड्रोन कैमरों का सहारा लिया जा रहा है। इसके अलावा तेंदुओं के पंजों के निशान (पगमार्क) तलाशने के साथ-साथ संवेदनशील स्थानों पर ट्रेस कैमरे भी लगाए जा रहे हैं।

शिकायत के बाद भी देरी से पहुंचा वन अमला

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि वे पिछले कई दिनों से जंगल से आ रही तेंदुओं की गुर्राहट और पशुओं पर हमले के प्रयासों से सहमे हुए हैं। वन विभाग के स्थानीय कर्मियों से शिकायत करने के बाद भी समय पर कोई ठोस मदद नहीं मिली, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश भी देखा गया। हालांकि, अब उच्च स्तर से मिले निदेर्शों के बाद वन टीम सक्रिय नजर आ रही है।

वन विभाग की चेतावनीःअकेले जंगल न जाएं

सर्च अभियान के बीच वन विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर एडवाइजरी जारी की है। ग्रामीणों से अपील है कि वे पूरी तरह सतर्क रहें। अकेले या देर शाम/सुबह के वक्त जंगल की ओर जाने से बचें और छोटे बच्चों को अकेले बाहर न निकलने दें। यदि किसी को भी तेंदुआ या उसका निशान दिखाई दे, तो तुरंत वन विभाग की टीम को सूचित करें। फिलहाल वन विभाग की टीम इलाके में गश्त कर रही है और ड्रोन कैमरों के जरिए स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

दहेज हत्या के मामले में ससुराल पक्ष के तीन आरोपी गिरफ्तार

तितावी पुलिस ने अतिरिक्त दहेज के लिए प्रताड़ित करने और विवाहिता की मौत के मामले में की कार्रवाई

मुजफ्फरनगर। थाना तितावी पुलिस ने दहेज हत्या के मामले में वांछित चल रहे ससुराल पक्ष के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए हरपाल पुत्र फूलसिंह, उसकी पत्नी ओमवती और पुत्री आरती को गिरफ्तार किया। तीनों आरोपी बघरा कस्बे के मातावाला मोहल्ले के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ दर्ज मुकदमे में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करने का आरोप

पुलिस के अनुसार, मामले में 30 सितंबर 2026 को शामली जनपद के थाना बावरी क्षेत्र के ग्राम खानपुर तलवा माजरा निवासी संदीप कुमार पुत्र रणवीर ने तितावी थाने में लिखित तहरीर दी थी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी आकाश (पति), ओमवती (सास), हरपाल (ससुर) और आरती (ननद) निवासी मातावाला मोहल्ला, कस्बा बघरा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। तहरीर में आरोप लगाया गया कि ससुराल पक्ष द्वारा अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर विवाहिता को प्रताड़ित किया जाता था। आरोप है कि उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की गई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। तहरीर में विवाहिता की गला दबाकर हत्या करने और बाद में उसे फांसी पर लटका दिए जाने के गंभीर आरोप भी लगाए गए हैं।

इन धाराओं में दर्ज हुआ मुकदमा

तितावी पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा अपराध संख्या 225/2026 दर्ज किया। मुकदमे में धारा 80(2), 85, 352 और 351(3) बीएनएस तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 के तहत कार्रवाई की गई है।नमुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास शुरू किए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर वांछित आरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत तितावी पुलिस ने आरोपियों की तलाश तेज कर दी।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दबोचा

पुलिस के मुताबिक, मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर टीम ने कार्रवाई करते हुए मुकदमे में नामजद हरपाल, ओमवती और आरती को गिरफ्तार कर लिया। तीनों के खिलाफ मुकदमा संख्या 225/26 में कार्रवाई की जा रही है।।पुलिस का कहना है कि मामले में विवेचना जारी है और उपलब्ध साक्ष्यों एवं तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पति समेत चार लोगों को किया गया था नामजद

मामले में तहरीर के आधार पर मृतका के पति आकाश, सास ओमवती, ससुर हरपाल और ननद आरती को नामजद किया गया था। पुलिस ने नामजद आरोपियों में से तीन को गिरफ्तार कर लिया है। पति आकाश की गिरफ्तारी के संबंध में पुलिस की ओर से जारी प्रेस नोट में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

गिरफ्तारी करने वाली टीम

आरोपियों की गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में वरिष्ठ उपनिरीक्षक अजयपाल सिंह, रिजर्व महिला आरक्षी रुचि, रिजर्व महिला आरक्षी मनीषा, आरक्षी जगवीर और आरक्षी विनीत शामिल रहे।।पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार तीनों आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है और मामले की विवेचना के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रामपुर तिराहा पर आज मुख्यमंत्री उत्तराखंड का कार्यक्रम, सुरक्षा को लेकर पुलिस ने कसी कमर

एसपी सिटी अमृत जैन ने कार्यक्रम स्थल और मंच का किया निरीक्षण, प्रवेश–निकास मार्ग से लेकर सुरक्षा व्यवस्था तक का लिया जायजा

मुजफ्फरनगर। रामपुर तिराहा पर शुक्रवार, 2 अक्टूबर को प्रस्तावित उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर पुलिस-प्रशासन ने सुरक्षा तैयारियां तेज कर दी हैं। कार्यक्रम को सकुशल और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। गुरुवार को पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन ने रामपुर तिराहा पहुंचकर कार्यक्रम स्थल और मंच का बारीकी से निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन ने प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर रामपुर तिराहा स्थित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मंच की व्यवस्था के साथ-साथ कार्यक्रम स्थल पर आने वाले लोगों के प्रवेश और निकास के मार्गों का जायजा लिया। सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थानों और व्यवस्थाओं को भी देखा गया। एसपी सिटी ने

संबंधित पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों से कार्यक्रम के दौरान की जाने वाली सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली और आवश्यक तैयारियों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक नगर ने कार्यक्रम स्थल के प्रवेश एवं निकास मार्गों को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही न हो और सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने-अपने दायित्वों का जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें। कार्यक्रम स्थल पर आने-जाने वाले लोगों की व्यवस्था, मंच की सुरक्षा तथा आसपास के क्षेत्र में पुलिस की मौजूदगी को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि कार्यक्रम को सकुशल और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा संबंधी सभी तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं। आयोजन के दौरान किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पुलिसकर्मियों को सतर्क रहने तथा निर्धारित ड्यूटी प्वाइंट पर मुस्तैद रहने के निर्देश दिए गए।

हर पन्ने पर पन्ना प्रमुख, हर मतदाता से संपर्क की जिम्मेदारी : मोहित बेनीवाल

छह विधानसभा क्षेत्रों से 7 अक्टूबर को निकलेगी रैली, जिला मुख्यालय पर होगा समापन; कार्यकर्ताओं को चुनावी तैयारियों में जुटने के निर्देश

मुजफ्फरनगर। शिक्षक एवं स्नातक विधान परिषद सदस्य चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में भाजपा जिला कार्यालय पर आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य मोहित बेनीवाल ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को चुनावी रणनीति को लेकर विस्तार से दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आगामी शिक्षक एवं स्नातक विधान परिषद सदस्य चुनाव में मतदाता सूची के प्रत्येक पन्ने की जिम्मेदारी एक अलग पन्ना प्रमुख को सौंपी जाएगी। पन्ना प्रमुख अपने पन्ने पर दर्ज प्रत्येक मतदाता से संपर्क एवं संवाद स्थापित करने के साथ ही मतदान के दिन मतदाता की भागीदारी सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी निभाएंगे। मोहित बेनीवाल ने कहा कि सभी विधानसभा संयोजक, सह संयोजक, मोर्चा अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख और मंडल अध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय होकर मतदाताओं से संपर्क बढ़ाएं।

जिला मीडिया प्रभारी पवन अरोरा ने बताया कि मुख्य वक्ता मोहित बेनीवाल ने कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल मतदाता सूची तैयार करना नहीं, बल्कि प्रत्येक मतदाता तक पहुंचकर उससे संवाद कायम करना है। सभी कार्यकर्ता अपने क्षेत्र के मतदाताओं के साथ निरंतर संपर्क में रहें और चुनाव की तैयारियों की नियमित समीक्षा करें। उन्होंने जनप्रतिनिधियों को भी निर्देश दिए कि वे शिक्षक एवं स्नातक मतदाताओं के संपर्क में रहें। पार्टी कार्यालय पर लगातार बैठकर चुनावी तैयारियों की समीक्षा की जाए और विधानसभा, मंडल तथा बूथ स्तर तक संगठन की गतिविधियों की जानकारी ली जाए। उन्होंने कहा कि चुनाव को लेकर प्रत्येक कार्यकर्ता को अपनी जिम्मेदारी पूरी गंभीरता के साथ निभानी होगी। मोहित बेनीवाल ने कहा कि भाजपा ने पिछले चुनाव में

लगभग 50 वर्ष बाद अपने प्रत्याशी उतारे थे और पार्टी को शानदार सफलता मिली थी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि इस बार भी संगठन पूरी ताकत के साथ चुनाव मैदान में उतर रहा है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से शिक्षक एवं स्नातक विधान परिषद सदस्य चुनाव की तैयारियों में पूरी तरह जुट जाने का आह्वान किया।

छह विधानसभा क्षेत्रों से निकलेगी रैली बैठक में आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी ने बताया कि 7 अक्टूबर को जनपद की सभी छह विधानसभा क्षेत्रों से रैली निकाली जाएगी, जो विभिन्न क्षेत्रों से होकर जिला मुख्यालय पहुंचेगी। जिला मुख्यालय पर रैली का समापन होगा, जिसके बाद विशाल बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से रैली को सफल बनाने के लिए अभी से तैयारियों में जुटने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र से लेकर मंडल, शक्ति केंद्र, बूथ और पन्ना स्तर तक कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय होना चाहिए। चुनावी तैयारियों में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए तथा प्रतिदिन की प्रगति की समीक्षा करते हुए संगठन को मजबूत किया जाए। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. सुधीर सैनी ने की, जबकि संचालन श्रीमोहन तायल व कैप्टन प्रवीण ने किया। जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी ने कहा कि शिक्षक एवं स्नातक विधान परिषद चुनाव संगठन के लिए महत्वपूर्ण है और प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने दायित्व के अनुसार पूरी सक्रियता के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी की ताकत उसका कार्यकर्ता है और बूथ स्तर तक मजबूत संगठन के माध्यम से चुनावी तैयारियों को प्रभावी बनाया जाएगा। बैठक में पूर्व विधायक अशोक कंसल, रूपेंद्र सैनी, नितिन मलिक, रामकुमार सहरावत, वंदना वर्मा, उमेश मलिक, सपना कश्यप, वीरपाल निर्वाल, प्रमोद उटवाल, शरद शर्मा, संजय गर्ग, आशुतोष शर्मा, विपुल भटनागर, प्रवीण खेडा, दीपक मित्तल, मनोज लैमन, आदेश गोतम, शिवम् सैनी, मिथुन त्यागी,

नगरपालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने स्वच्छता श्रमदान से दिया स्वच्छ शहर का संदेश

सेवा संकल्प अभियान में टाउनहाल से 151 घंटे का विशेष स्वच्छता अभियान का शुभारंभ, शिव चौक तक चला जागरुकता कार्यक्रम, नागरिकों से प्रतिदिन एक घंटा स्वच्छता के लिए देने का किया आह्वान

मुजफ्फरनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष के सक्रिय कार्यकाल और जन्मदिवस के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत गुरुवार को नगरपालिका परिषद की ओर से 151 घंटे का विशेष स्वच्छता श्रमदान अभियान के रूप में स्वच्छता ही सेवा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। टाउनहाल से शिव चौक तक चलाए गए स्वच्छता श्रमदान अभियान में पालिका सभासदों, अधिकारियों, कर्मचारियों, सफाई मित्रों और सामाजिक कार्यकताओं ने सहभागिता कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इस स्वच्छता अभियान का शुभारंभ नगरपालिका परिषद की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने किया। उन्होंने पालिका के अधिकारियों-कर्मचारियों, सभासदों, सफाई मित्रों और महिला-पुरुष समाजसेवियों के साथ टाउनहाल से शिव चौक तक सफाई श्रमदान किया। इस दौरान लोगों को अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने और सफाई अभियान में सक्रिय भागीदारी करने के लिए प्रेरित किया गया।

पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने कहा कि स्वच्छता केवल किसी एक विभाग या सफाई कर्मचारियों की जिम्मेदारी नहीं है,

बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा और स्वच्छता के संदेश को जनभागीदारी से आगे बढ़ाने के लिए नगरपालिका की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में नगर विकास और जनसुविधाओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया जा रहा है। ऐसे में नागरिकों की सहभागिता से शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने के प्रयासों को और गति मिल सकती है।

उन्होंने सेवा संकल्प अभियान के तहत 151 घंटे के स्वच्छता श्रमदान में नागरिकों से सहभागिता की अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति प्रतिदिन एक घंटा अपने घर, प्रतिष्ठान और आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता के लिए दे तो सामूहिक प्रयास से शहर की तस्वीर बदली जा सकती है। अभियान के दौरान सफाई मित्रों के योगदान की सराहना करते हुए पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप द्वज़रा मेडल पहनाकर उन्हें सम्मानित करते हुए प्रोत्साहित भी किया गया।

कार्यक्रम में अधिशासी अधिकारी पवन कुमार, सभासद पति प्रमोद अंबेडकर, होतीलाल शर्मा एडवोकेट, अनुभव पाल, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनु चौधरी, सीएसएफआई योगेश गोलियान, एसएफआई प्लाक्षा मैनवाल, वैशाली सोती, लिपिक एसबीएम रूचि शर्मा सहित सामाजिक कार्यकताओं और आम नागरिकों ने सहभागिता की। सभी ने टाउनहाल से शिव चौक तक सफाई श्रमदान कर स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

पश्चिम प्रदेश की मांग को लेकर शिवसेना ने निकाली पैदल यात्रा

प्रधानमंत्री के नाम जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन, मुजफ्फरनगर में एम्स और पश्चिमी यूपी में हाईकोर्ट बेंच की भी उठाई मांग

मुजफ्फरनगर। पश्चिमी उत्तर प्रदेश को पृथक राज्य घोषित करने, मुजफ्फरनगर में एम्स की स्थापना तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की स्थायी खंडपीठ स्थापित करने की मांग को लेकर शिवसेना पश्चिम उत्तर प्रदेश इकाई ने गुरुवार को पैदल यात्रा निकाली। प्रकाश चौक स्थित शिवसेना कार्यालय से शुरू हुई पैदल यात्रा प्रकाश चौक, झांसी की रानी और शिव चौक होते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंची। यहां शिवसेना नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए पश्चिमी उत्तर प्रदेश की विभिन्न मांगों पर केंद्र सरकार से आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञापन में कहा गया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश देश का महत्वपूर्ण कृषि, औद्योगिक, व्यापारिक और आर्थिक क्षेत्र है। क्षेत्र में कृषि, गन्ना एवं चीनी उद्योग, दुग्ध उत्पादन, लघु एवं मध्यम उद्योग, व्यापार तथा सेवा क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान है। मेरठ, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, बिजनौर, शामली, बागपत, हापुड़, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, मुरादाबाद, अमरोहा, रामपुर, अलीगढ़, आगरा और मथुरा समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों का आर्थिक एवं सामाजिक महत्व काफी अधिक है।

शिवसेना ने कहा कि इतने बड़े और महत्वपूर्ण क्षेत्र की प्रशासनिक आवश्यकताओं, न्याय तक सरल पहुंच और संतुलित विकास को देखते हुए पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग राज्य 'पश्चिम प्रदेश' के रूप में गठित किए जाने की मांग लंबे समय से उठती रही है। ज्ञापन में संविधान के अनुच्छेद-3 का उल्लेख करते हुए कहा गया कि संसद को मौजूदा राज्यों के क्षेत्र से नया राज्य गठित करने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है। ज्ञापन में कहा गया कि पृथक राज्य की मांग किसी क्षेत्र के विरोध में नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य प्रशासन को जनता के और अधिक करीब लाना, क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास योजनाएं तैयार करना तथा संतुलित विकास को गति देना है। शिवसेना ने केंद्र सरकार से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के पृथक राज्य के प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार करते हुए आवश्यक संवैधानिक प्रक्रिया शुरू करने की दिशा में पहल करने की मांग की। शिवसेना ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाओं की आवश्यकता का मुद्दा भी ज्ञापन में उठाया। ज्ञापन में कहा गया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश की बड़ी आबादी, तेजी से बढ़ते शहरीकरण और औद्योगिक विकास को देखते हुए क्षेत्र में एक एम्स की स्थापना की आवश्यकता है। शिवसेना ने विशेष रूप से मुजफ्फरनगर में एम्स स्थापित किए जाने की मांग की। इसके लिए केंद्र सरकार से विशेषज्ञ समिति के माध्यम से उपयुक्त स्थान का चयन कराने का अनुरोध किया गया। ज्ञापन में कहा गया कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश में एम्स रायबरेली और एम्स गोरखपुर संचालित हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की आबादी और क्षेत्र की आवश्यकताओं को देखते हुए यहां भी उच्चस्तरीय चिकित्सा संस्थान की स्थापना होने से गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए लोगों को दूर के शहरों पर निर्भरता कम हो सकेगी।

हाईकोर्ट की स्थायी खंडपीठ की मांग

शिवसेना ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की स्थायी खंडपीठ स्थापित करने की मांग भी प्रमुखता से उठाई। ज्ञापन में कहा गया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के नागरिकों को उच्च न्यायालय से संबंधित मामलों के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। इससे वादकारियों और अधिवक्ताओं पर समय तथा आर्थिक भार बढ़ता है। हाईकोर्ट बेंच की मांग लंबे समय से चली आ रही है और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अधिवक्ताओं की ओर से भी इस मांग को लेकर कई बार धरना-प्रदर्शन किए जा चुके हैं। शिवसेना ने प्रधानमंत्री से मांग की कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट की स्थायी खंडपीठ स्थापित करने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएं, जिससे क्षेत्र के लोगों को सस्ता, सुलभ और शीघ्र न्याय मिल सके।

मुजफ्फरनगर में भोपा पुल पर सड़क हादसा: बाइक सवार दो सफाईकर्मी गंभीर रूप से घायल, ड्यूटी पर जाते समय अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

कुकड़ा में तैनात हैं दोनों आउटसोर्सिंग कर्मचारी

मुजफ्फरनगर। शहर के व्यस्ततम भोपा पुल पर गुरुवार तड़के एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो सफाईकर्मियों को जबरदस्त टक्कर मार दी। इस दर्दनाक हादसे में दोनों कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि टक्कर लगते ही दोनों सफाईकर्मी उछलकर सड़क पर जा गिरे, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से वाहन लेकर फरार हो गया। ड्यूटी पर जाते समय हुआ हादसा प्राप्त जानकारी के अनुसार, नगर पालिका मुजफ्फरनगर के वार्ड संख्या 17 (कुकड़ा) में आउटसोर्सिंग के तहत कार्यरत सफाई कर्मचारी आकाश और सागर गुरुवार सुबह अपनी नियमित ड्यूटी के लिए घर से निकले थे। वे दोनों बाइक पर सवार होकर कुकड़ा वार्ड की तरफ जा रहे थे। जैसे ही वे भोपा पुल के ऊपर पहुंचे, तभी सामने या पीछे से आए एक तेज रफ्तार अनियंत्रित अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना

में बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों कर्मचारी सड़क पर गिरकर लहूलुहान हो गए। मौके पर जमा हुई भीड़, राहगीरों ने पहुंचाया अस्पताल सुबह-सुबह हुए इस हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और देखते ही देखते स्थानीय लोगों व राहगीरों की भारी भीड़ एकत्र हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने तुरंत तत्परता दिखाते हुए घटना की सूचना स्थानीय पुलिस और नगर पालिका के अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राहगीरों की मदद से दोनों घायल कर्मचारियों आकाश और सागर को तत्काल एंबुलेंस के जरिए जिला अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उनका उपचार चल रहा है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार दोनों घायल कर्मचारियों को गंभीर चोटें आई हैं। घटना की जानकारी मिलते ही नगर पालिका के अधिकारी व अन्य कर्मचारी संगठन के प्रतिनिधि भी घायलों का हाल-चाल जानने अस्पताल पहुंचे। स्थानीय पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और अज्ञात वाहन व उसके चालक की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी (CCTV) कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है।

खतौली में ट्रेन की चपेट में आने से बुजुर्ग किसान नेता की मौत: पोस्टमार्टम कराने से किया इनकार, बिना कानूनी कार्रवाई के अंतिम संस्कार

सर्व जातीय तिसंग बावना समिति के प्रबंधक थे मृतक

खतौली (मुजफ्फरनगर)। स्थानीय क्षेत्र में एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया। गांव चिंदौड़ा निवासी 72 वर्षीय वयोवृद्ध किसान नेता भुल्लन सिंह की ट्रेन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। वे सामाजिक कार्यों में काफी सक्रिय थे और सर्व जातीय तिसंग बावना समिति के प्रबंधक पद पर कार्यरत थे। हादसे के बाद परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से स्पष्ट मना करते हुए बिना किसी कानूनी कार्रवाई के अंतिम संस्कार कर दिया।

दुर्गा मंदिर के सामने हुआ हादसा

घटना सुबह करीब 11:00 बजे की है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भुल्लन सिंह खतौली क्षेत्र में स्थित दुर्गा मंदिर के सामने रेलवे लाइन पार कर रहे थे। उसी दौरान मेरठ की तरफ से

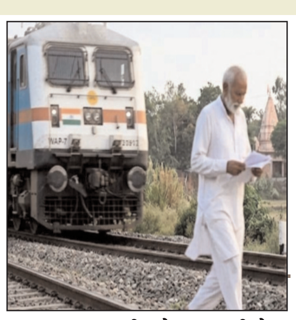

मुजफ्फरनगर की ओर जा रही तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में वे आ गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। ट्रेन दुर्घटना की सूचना फैलते ही आसपास के लोगों और राहगीरों की भारी भीड़ घटनास्थल पर जमा हो गई।

जेब में मिले कागजात से हुई पहचान

हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। जब मृतक की तलाशी ली गई, तो उनकी जेब से सर्व जातीय तिसंग बावना समिति का आधिकारिक पत्र-शीर्ष (लेटरहैड) और किसानों की समस्याओं से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण कागजात बरामद हुए। इन दस्तावेजों और मौके पर पहुंचे स्थानीय निवासियों की मदद से उनकी शिनाख्त चिंदौड़ा निवासी भुल्लन सिंह के रूप में हुई। किसान समस्याओं के समाधान के लिए थे समर्पित

गांव चिंदौड़ा और आसपास के क्षेत्र में भुल्लन सिंह एक समर्पित और संघर्षशील किसान नेता के रूप में जाने जाते थे। वे किसानों की विभिन्न समस्याओं और क्षेत्र के विकास के लिए लगातार शासन और प्रशासन स्तर पर पत्राचार करते रहते थे। उनके निधन की खबर मिलते ही गांव चिंदौड़ा और आसपास के ग्रामीण इलाकों में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस और जीआरपी का बयान घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और जीआरपी की टीम मौके पर पहुंची। जीआरपी के जांच अधिकारी कुलदीप शर्मा ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय चौकी इंचार्ज गजेंद्र सिंह को तुरंत मौके पर भेजा गया था। मृतक के परिजनों को सूचित किया गया, जिसके बाद वे घटनास्थल पर पहुंचे। परिजनों ने किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई करने और शव का पोस्टमार्टम कराने से साफ इनकार कर दिया। इसके बाद परिजन शव को अपने साथ ले गए।

ककरौली में एक महीने से लापता सोनू का सुराग नहीं: परिवार ने जताई अनहोनी की आशंका, पुलिस से लगाई गुहार

पिछले महीने 1 सितंबर से है गायब, चार मासूम बच्चों और पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल, सीओ ने दिया सख्त कार्रवाई का आश्वासन

मोरना (मुजफ्फरनगर)। थाना ककरौली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव खोकनी में एक बेहद चिंताजनक मामला प्रकाश में आया है। गांव निवासी 38 वर्षीय युवक सोनू पिछले करीब एक महीने से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता है। परिजनों द्वारा संभावित स्थानों पर काफी खोजबीन करने के बावजूद जब उसका कोई सुराग नहीं मिला, तो अब पीड़ित परिवार ने किसी अनहोनी की आशंका जताते हुए पुलिस प्रशासन से न्याय और सोनू की सुरक्षित बरामदगी की गुहार लगाई है। लापता सोनू की वृद्ध मां लाजो ने भरे गले से आपबीती सुनाते हुए बताया कि सोनू बीते 1 सितंबर 2026 को परिजनों को बिना कुछ बताए अचानक घर से निकल गया

था। जब वह देर शाम तक वापस नहीं लौटा, तो परिजनों को चिंता हुई। शुरूआत में परिवार के सदस्यों ने नाते-रिश्तेदारों, दोस्तों और आसपास के सभी संभावित स्थानों पर उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन सोनू का कहीं कोई पता नहीं चल सका। जैसे-जैसे दिन बीतते गए, परिवार की चिंताएं गहराती गईं। पूरे एक महीने तक अपने स्तर पर तलाश करने के बाद आखिरकार हताश होकर परिजनों ने ककरौली थाना पुलिस का दरवाजा खटखटाया है। सोनू के रहस्यमय तरीके से गायब होने के बाद से उसके घर में चूल्हा जलना मुश्किल हो गया है। घर के मुख्य कमाने वाले सदस्य के गायब होने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। सोनू की पत्नी गीता और उसकी वृद्ध मां लाजो का रो-रोकर बुरा हाल है। सोनू की दो बेटियां-पायल व रुचि, तथा दो छोटे बेटे-युवी व कन्हैया अपने पिता के लौटने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पिता के अचानक गायब हो जाने से इन मासूम बच्चों के भविष्य पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। सोनू का भाई मोनू भी लगातार पुलिस और स्थानीय लोगों के संपर्क में रहकर अपने भाई की तलाश में जुटा हुआ है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया है। क्षेत्राधिकारी (सीओ) राधा रमन ने परिजनों को सांत्वना देते हुए निष्पक्ष और त्वरित कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। पुलिस उपाधीक्षक राधा रमन के भी यह मामला पुलिस के संज्ञान में आ चुका है। पुलिस टीम को गुमशुदा युवक की तलाश में लगा दिया गया है। आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस की मदद से सोनू का सुराग लगाने का प्रयास जारी है। जल्द ही युवक को सकुशल बरामद कर लिया जाएगा।

खतौली के मेला श्रावणी छड़ियान में लोक संस्कृति की धूम: रागिनी सुनककर देर रात तक झूमे श्रोता

रागिनी जैसे कार्यक्रम हमारी समृद्ध परंपरा की पहचान: पालिका अध्यक्ष

खतौली (मुजफ्फरनगर)। नगर पालिका परिषद खतौली के सौजन्य से ऐतिहासिक मेला श्रावणी छड़ियान के शुभ अवसर पर एक भव्य एवं विशाल रागिनी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश व हरियाणा के सुप्रसिद्ध लोक कलाकारों ने अपनी सुरीली एवं ओजस्वी प्रस्तुतियों से देर रात तक दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर बांधे रखा। विशाल सांस्कृतिक संध्या का आनंद लेने के लिए नगर के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण इलाकों से भी भारी संख्या में जनसैलाब उमड़ा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर जनसमूह को संबोधित करते हुए नगर पालिका परिषद खतौली के चेयरमैन हाजी शाहनवाज लालू ने कहा कि रागिनी और अन्य लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम हमारी ग्रामीण व अंचलिक परंपराओं की पहचान हैं। हाजी शाहनवाज लालू ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से हमारी नई पीढ़ी को अपनी जड़ों, समृद्ध लोक कला और सांस्कृतिक विरासत को करीब से जानने व जुड़ने का अवसर मिलता है। नगर पालिका का उद्देश्य लोगों को स्वस्थ मनोरंजन प्रदान करने के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखना है। इस सफल आयोजन

के लिए मैं सभी सहयोगियों और उपस्थित क्षेत्रवासियों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। सांस्कृतिक संध्या में देश और प्रदेश के नामचीन रागिनी गायकों ने मंच संभाला। सुप्रसिद्ध लोक गायक हरेंद्र नागर, मोनू पिपलेड़ा, राहुल बालियान तथा अनु शर्मा सहित अन्य साथी कलाकारों ने एक से बढ़कर एक ऐतिहासिक, सामाजिक और पौराणिक रागिनियों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कलाकारों की सुरीली तानों और सामाजिक संदेश देती रागिनियों पर दर्शक देर रात तक झूमते रहे और पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। आयोजकों ने अतिथियों का जताया आभारकार्यक्रम के सफल संयोजन में जुटीं संयोजक सभासद श्रीमती संतोष रमकेश गुर्जर, श्रीमती प्राची कमल वर्मा एवं श्रीमती मनीषा कपिल मोतला ने मंचासीन सभी विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिन्ह (प्रतीक चिन्ह) भेंट कर उनका स्वागत किया व आभार व्यक्त किया। इस भव्य लोक सांस्कृतिक संध्या में सभी राजनीतिक दलों के नेताओं व गणमान्य नागरिकों ने दलीय सीमाओं से ऊपर उठकर शिरकत की। मुख्य रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. सुधीर सैनी, वरिष्ठ नेता अभिषेक चौधरी गुर्जर, समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव चौधरी इलम सिंह गुर्जर, रमेश भाटी, लतेश विधूड़ी, इरशाद गुर्जर, राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के अजीत राठी, आजाद समाज पार्टी (असपा) के रविंद्र भाटी के अलावा पूर्व मंत्री योगराज सिंह, सभासद दिमाग सिंह मौजूद रहे। वहीं कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नगर पालिका के सभासद, पुलिस-प्रशासनिक प्रतिनिधि और हजारों की संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

चोरी की टाटा-407 को कबाड़ में काटकर बेचने की तैयारी, दो आरोपी गिरफ्तार

सिविल लाइन पुलिस ने मिमलाना रोड से दबोचे अय्याज और साजिद उर्फ मुन्ना, चोरी की गाड़ी के कटे हुए पाट्र्स और वाहन काटने के उपकरण बरामद

मुजफ्फरनगर। थाना सिविल लाइन पुलिस ने चोरी की टाटा-407 को काटकर उसके पाट्र्स बेचने की तैयारी कर रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई टाटा-407 के कटे हुए पाट्र्स और वाहन काटने के उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर वाहन चोरी किया था और उसे काटकर बेचने की तैयारी में थे। मामले में फरार दो आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार, अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ जोन, पुलिस उपमहानिरीक्षक सहारनपुर परिक्षेत्र के निर्देशन तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन, सहायक पुलिस अधीक्षक नगर/क्षेत्राधिकारी नगर सिद्धार्थ के. मिश्र और थाना प्रभारी सिविल लाइन रघुराज सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया।

डीजे सिस्टम लगवाने के लिए लाई गई थी टाटा-407

पुलिस के मुताबिक, 30 सितंबर को तंजीम पुत्र मौ. ताजीम निवासी इंद्रा कॉलोनी, थाना सिविल लाइन ने पुलिस को तहरीर दी थी। तंजीम ने बताया कि वह गाड़ियों में डीजे सिस्टम लगाने का काम करता है। मध्य प्रदेश के भिंड जनपद के सुंदरपुरा निवासी देवेंद्र पुत्र कृष्णा ने अपनी टाटा-407, जिसका पंजीकरण नंबर एमपी-07-जीए-3438 था, डीजे सिस्टम लगवाने के लिए उसके पास भेजी थी। बताया गया कि तंजीम ने टाटा-407 को अपने गोदाम से करीब 200 मीटर दूर बेरी वाले कब्रिस्तान के पास सड़क किनारे खड़ा कर दिया था। 28 सितंबर की सुबह करीब आठ बजे जब वह गाड़ी देखने पहुंचा तो टाटा-407 वहां से गायब थी। इसके बाद पुलिस ने तहरीर के आधार पर थाना सिविल लाइन में मुकदमा अपराध संख्या 252/2026, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया।

सीसीटीवी और मुखबिर की सूचना से खुला मामला

गाड़ी की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए थाना प्रभारी की ओर से पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। जांच के दौरान पुलिस को वाहन चोरी से जुड़े आरोपियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस टीम ने मिमलाना रोड से अय्याज पुत्र रियाजू उर्फ राजू निवासी सत्तार डीलर वाली गली नंबर-31, मिमलाना रोड, थाना कोतवाली नगर तथा साजिद उर्फ मुन्ना पुत्र मकसूद अहमद निवासी मछुआरों का मोहल्ला, थाना कुतुबशेर, जनपद सहारनपुर, हाल निवासी सत्तार डीलर वाली गली नंबर-31, मिमलाना रोड को गिरफ्तार किया।

काटी जा रही थी चोरी की गाड़ी

पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों के कब्जे से चोरी की टाटा-407 के कटे हुए पाट्र्स बरामद हुए। मौके से वाहन काटने के उपकरण भी बरामद किए गए। पुलिस का कहना है कि चोरी की गाड़ी को काटकर उसके अलग-अलग पाट्र्स बेचने की तैयारी की जा रही थी। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे उस स्थान पर काम करते थे, जहां यह गाड़ी आई थी। पुलिस के अनुसार, लालच में आकर उन्होंने अय्याज के दो भाइयों सावेज और शुऐब के साथ मिलकर गाड़ी चोरी कर ली थी। इसके बाद गाड़ी को काटकर उसके पाट्र्स बेचने की योजना थी। पुलिस के पहुंचने पर सावेज और शुऐब मौके से फरार हो गए।

दो आरोपी गिरफ्तार, दो की तलाश

पुलिस ने मामले में अय्याज और साजिद उर्फ मुन्ना को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि सावेज पुत्र रियाजू उर्फ राजू और शुऐब पुत्र रियाजू उर्फ राजू निवासी सत्तार डीलर वाली गली नंबर-31, मिमलाना रोड फरार बताए गए हैं। पुलिस उनकी तलाश में दबिश दे रही है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना सिविल लाइन में मुकदमा अपराध संख्या 252/2026 के तहत धारा 303(2)/317(2) बीएनएस में कार्रवाई दर्ज है। पुलिस द्वारा आरोपियों की पूर्व और आगे की कड़ियों की भी जांच की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वाहन चोरी और कटे हुए वाहनों के पाट्र्स की बिक्री के मामले में इनके साथ और कौन-कौन लोग जुड़े हैं।

नसों में खून, हड्डियों में कैल्शियम भर सकते हैं रागी के लड्डू

शरीर को ताकतवर और इम्यूनिटी बूस्ट करने के लिए आप रागी के लड्डू खा सकते हैं, रागी में कैल्शियम और अन्य पोषक तत्व अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर के बेहतर कामकाज के लिए जरूरी हैं।

इन दिनों इम्यून सिस्टम कमजोर होने से बीमारियों का ज्यादा खतरा होता है। कमजोर इम्यूनिटी, ठंड की बीमारियां, प्रदूषण आदि से आपके शरीर में कमजोरी और थकान पैदा हो सकती है। शरीर में जान भरने और इम्यूनिटी मजबूत बनाने के लिए आप रागी लड्डू अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। राही का लड्डू कैल्शियम, फाइबर और आयरन आदि पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यह शरीर को ताकत देता है, गर्म रखता है, इम्यूनिटी मजबूत करता है और बीमारियों से बचाता है।

जरूरी सामग्री

- 1 कप रागी आटा
- ¾ कप गुड़
- ¼ कप घी
- ¼ कप कद्दूकस किया नारियल
- ½ चम्मच इलायची पाउडर
- थोड़े भुने हुए नट्स बादाम, काजू, या किशमिश, बारीक कटे हुए

बनाने की विधि

- धीमी आंच पर एक पैन में रागी आटे को खुशबू आने तक भूनें। जलने से बचाने के लिए लगातार चलाते रहें।
- एक अलग पैन में 2-3 चम्मच पानी के साथ गुड़ को पिघलाएं।
- भुने हुए रागी आटे में पिघला हुआ गुड़ डालें और अच्छी तरह मिलाएं।
- इसमें नारियल, इलायची पाउडर और भुने हुए मेवे डालें।
- गर्म घी को धीरे-धीरे मिश्रण में डालें और इसे अच्छी तरह मिलाएं ताकि यह बंधने लगे।
- मिश्रण गर्म रहते हुए इसे हाथों से छोटे-छोटे गोले का आकार दें
- लड्डू को पूरी तरह ठंडा होने दें और फिर एक एयरटाइट डिब्बे में रखें। यह 10 दिनों तक ताजा रहता है।

हड्डियों को मिलेगी मजबूती

रागी कैल्शियम का सबसे अच्छा स्रोत है, जो हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाता है। नियमित सेवन से ऑस्टियोपोरोसिस को रोका जा सकता है और बच्चों व बुजुर्गों की हड्डियों का विकास बेहतर होता है।

दिल को स्वस्थ रखने में सहायक

रागी में मैग्नीशियम और पोटैशियम जैसे तत्व होते हैं, जो ब्लड प्रेशर कंट्रोल करते हैं, खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करते हैं और दिल को स्वस्थ रखते हैं। यह लड्डू सर्दी-खांसी और संक्रमण से बचाव करते हैं।

पाचन में होता है सुधार

रागी में फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो कब्ज को रोकता है और पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है। रागी आयरन से भरपूर होता है, जो हीमोग्लोबिन बढ़ाने और एनीमिया को रोकने में मदद करता है। गुड़ के साथ मिलाने पर इसका आयरन कंटेंट और भी बढ़ जाता है।

वजन और ब्लड शुगर कंट्रोल करने में सहायक

रागी में फाइबर अधिक होने के कारण यह पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, जिससे भूख कम लगती है और वजन कंट्रोल रहता है। रागी का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जो ब्लड शुगर को कंट्रोल करता है।

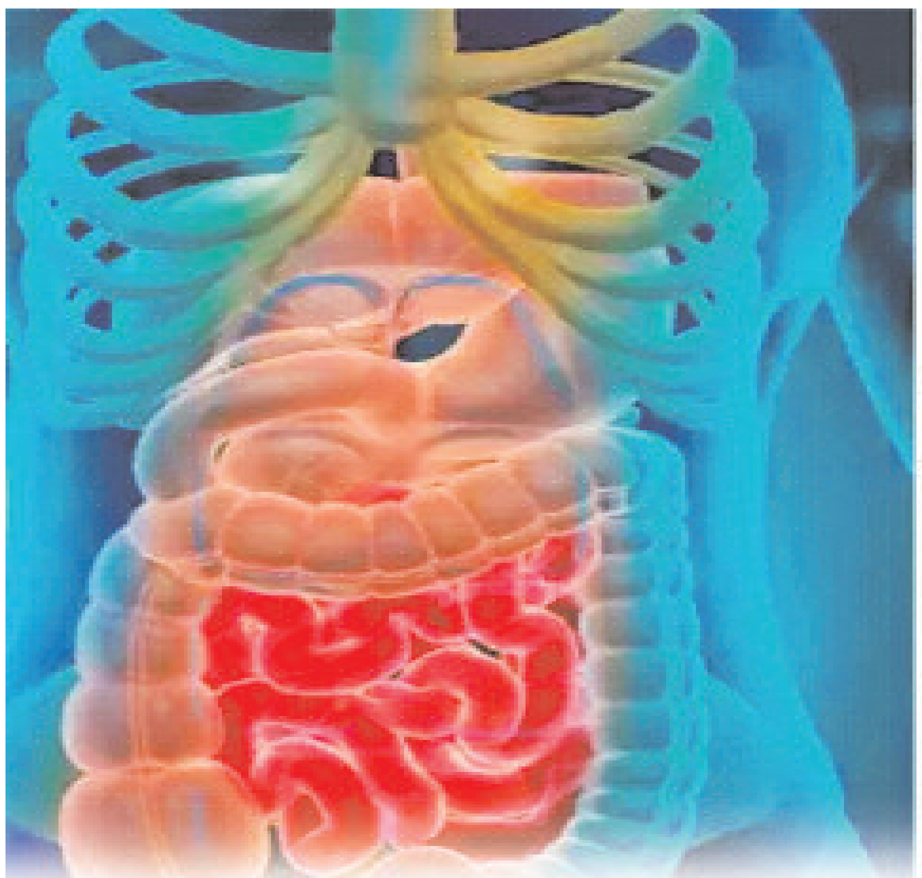

सैकड़ों बीमारियों की दवा है शहद, गलत तरीके से खा रहे लोग

शहद, जब सही तरीके से उपयोग किया जाए, तो यह स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है। लेकिन इसे गलत चीज़ों के साथ मिलाने या गलत तरीके से उपयोग करने से नुकसान हो सकता है।

शहद एक ऐसा फूड है जो तेसी होने के साथ-साथ सेहत को कई फायदे पहुंचाता है। आयुर्वेद में शहद को एक शक्तिशाली फूड माना गया है जिसके कई औषधीय गुण भी हैं। शहद में नेचुरल शुगर होती है। शहद के पोषक तत्वों की बात करें, तो यह विटामिन, मिनरल्स, एंटीऑक्सिडेंट्स, एंजाइम्स और अमीनो एसिड्स से भरा होता है। शहद खाने के फायदे अनगिनत हैं। इसके सेवन से इम्यूनिटी बढ़ती है, त्वचा में सुधार होता है, पाचन बेहतर बनता है, ऊर्जा देता है, वजन कंट्रोल रहता है, दिल को स्वस्थ करता है, दिल को स्वस्थ रखता है।

शहद खाने के यह फायदे आपको तभी मिल सकते हैं, जब आपका इसका सही तरीके से इस्तेमाल कर रहे हों। ध्यान रहे कि शहद को कुछ चीजों के साथ मिलाने से यह हानिकारक या विषाक्त हो सकता है, जिससे सेहत को कई गंभीर नुकसान हो सकते हैं।

गर्म पानी में शहद मिलाना

अधिकतर लोग शहद को गर्म पानी के साथ मिलाकर पीते हैं। ध्यान रहे कि शहद को 140°F से अधिक गर्म करने पर हाइड्रॉक्सिमिथाइलफुरफुरल नामक विषाक्त पदार्थ उत्पन्न हो सकता है। आयुर्वेद के अनुसार, गर्म करने पर शहद के गुण बदल जाते हैं, जिससे यह पचने में कठिन और हानिकारक हो सकता है। शहद को हमेशा हल्के गुनगुने पानी या ठंडे होने के बाद पेय में डालें।

शहद और घी बराबर मात्रा में लेना

आयुर्वेद के अनुसार, शहद और घी को समान मात्रा में मिलाना विषाक्त हो सकता है। शहद अमृत से बनता है, जबकि घी वसा है। शहद एक ठंडा करने वाला एजेंट है, जबकि घी गर्मी पैदा करता है। दोनों को मिलाने से क्लोस्ट्रीडियम बोटुलिनम नामक बैक्टीरिया निकलता है, जो विषाक्त पदार्थ पैदा करता है जिससे पेट दर्द, सांस की समस्या और यहां तक कि कैंसर जैसी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

शहद और किण्वित उत्पाद (जैसे शराब या खट्टा दही)

शहद और किण्वित चीजें जैसे खट्टा दही या शराब पाचन में असंतुलन और पेट की समस्याएं पैदा कर सकती हैं। शहद में नेचुरल शुगर होती है, जो इन उत्पादों के साथ मिलकर किण्वन को बढ़ा सकती है।

शहद और रिफाइंड शुगर

बहुत से लोग शहद और चीनी का एक साथ सेवन करते हैं। ध्यान रहे कि रिफाइंड शुगर या मिठाई के साथ शहद का उपयोग करने से शरीर में अतिरिक्त चीनी जमा हो जाती है, जिससे मोटापा, दिल के रोग और डायबिटीज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इनके अलावा शहद को कभी मछली के साथ नहीं खाना चाहिए। यह पाचन तंत्र को प्रभावित कर विषाक्तता पैदा कर सकता है।

मूली और प्याज

शहद और मूली का मेल शरीर में विषाक्तता उत्पन्न कर सकता है। यह पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचा सकता है और सूजन जैसी समस्याएं पैदा कर सकता है। आयुर्वेद ग्रंथ भी मूली को शहद के साथ न मिलाने की सलाह देते हैं। इसी तरह शहद और प्याज को समान मात्रा में मिलाने से शरीर में गर्मी और असंतुलन हो सकता है।

शहद और खट्टे फल

खट्टे फल (जैसे नींबू, संतरा) और गर्म शहद का संयोजन कुछ लोगों के पाचन तंत्र के लिए नुकसानदेह हो सकता है। यह पेट में जलन पैदा कर सकता है। हमेशा शुद्ध शहद का उपयोग करें, उबलते पानी, चाय, या दूध में शहद डालने से बचें। शहद को सूखे और ठंडे स्थान पर एयरटाइट कंटेनर में रखें और अधिक मात्रा में सेवन हानिकारक हो सकता है।

जिला पूर्ति अधिकारी एवं एआरटीओ ने पेट्रोल पंपों का संयुक्त रूप से किया स्थलीय निरीक्षण

गौतमबुद्धनगर। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु गुणवत्ता में सुधार एवं प्रदूषण नियंत्रण के दृष्टिगत वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा जारी निर्देशों के क्रम में 01 अक्टूबर, 2026 से बिना वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र (पीयूसीसी) वाले वाहनों को पेट्रोल एवं डीजल उपलब्ध नहीं कराया जाएगा, जो कि जनपद में 01 अक्टूबर से लागू हो गया है। उक्त निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जनपद में जिला पूर्ति अधिकारी एवं एआरटीओ की संयुक्त टीम द्वारा जनपद के 113 पेट्रोल पंपों पर पीयूसीसी ऐप इंस्टॉल कर वाहनों की जांच की प्रक्रिया प्रारंभ करा दी गई है। साथ ही, क्षेत्रीय पूर्ति अधिकारी एवं पूर्ति निरीक्षकों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमणशील रहकर पेट्रोल पंपों पर शासन एवं वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराया जा रहा है। इसी क्रम में आज जिला पूर्ति अधिकारी एवं एआरटीओ द्वारा संयुक्त रूप से जनपद के विभिन्न पेट्रोल पंपों का स्थलीय भ्रमण एवं निरीक्षण किया गया। इस दौरान पेट्रोल पंप संचालकों को निर्धारित दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिला पूर्ति अधिकारी निलेश उत्पल द्वारा बताया गया कि बिना वैध पीयूसीसी प्रमाण-पत्र वाले वाहनों को ईंधन उपलब्ध न कराने की व्यवस्था का प्रभावी ढंग से पालन कराया जाएगा। इसके साथ ही वाहन स्वामियों को प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र की वैधता सुनिश्चित करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। जन-सामान्य में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जनपद के सभी पेट्रोल पंपों पर पीयूसीसी संबंधी दिशा-निर्देशों के बैनर भी लगाए जा रहे हैं, ताकि वाहन स्वामी समय से अपने वाहनों का प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र बनवाकर नियमों का पालन सुनिश्चित कर सकें।

लोकप्रिय सांसद डॉक्टर महेश शर्मा को अग्रवाल मित्र मंडल ने दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

नोएडा। आज अग्रवाल मित्र मंडल नोएडा द्वारा गौतमबुद्ध नगर के प्रेरणास्पद सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री भारत सरकार डॉ. महेश शर्मा को जन्मदिवस की बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की और ईश्वर से प्रार्थना है कि आपको उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और जनसेवा की असीम ऊर्जा प्राप्त हो।

इस अवसर पर अग्रवाल मित्र मंडल के अध्यक्ष मूलचंद गुप्ता, महासचिव भूपेन्द्र मित्तल, पूर्व अध्यक्ष संजय कुमार गोयल, राजेन्द्र जैन, भाजपा युवा मोर्चा नोएडा के जिला महामंत्री एवं अग्रवाल मित्र मंडल के मीडिया प्रभारी तुषार गोयल इत्यादि उपस्थित रहे।

छात्र की पिटाई का वीडियो वायरल, प्रदर्शन के बाद गार्डों पर गिरी गाज

नोएडा। नॉलेज पार्क स्थित एक कॉलेज में बीबीए छात्र के साथ सिक्योरिटी गार्डों की मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बृहस्पतिवार को सपा छात्र सभा के कार्यकर्ताओं और छात्रों ने कॉलेज गेट पर प्रदर्शन कर आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग की। मामला बढ़ता देखकर कॉलेज प्रबंधन ने आरोपी दोनों सिक्योरिटी गार्डों की सेवा समाप्त कर दी। वहीं नॉलेज पार्क कोतवाली पुलिस ने मामले में दो सिक्योरिटी सुपरवाइजर और एक गार्ड को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हरिओम रावल और विपिन त्रिपाठी के रूप में हुई है।

बीबीए छात्र विपिन भाटी ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि वह कक्षा में बैठा था। इसी दौरान दो सिक्योरिटी गार्ड उसके पास पहुंचे और उसे जबरन कक्षा से बाहर निकालने का प्रयास किया। छात्र के विरोध करने पर उसके साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है। इसमें सिक्योरिटी कर्मचारी छात्र के साथ मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। वहीं एसीपी ग्रेटर नोएडा कृष्णपाल सिंह ने बताया कि मामला कॉलेज के गेट नंबर-दो पर प्रवेश को लेकर हुए विवाद से संबंधित है। इसमें सिक्योरिटी सुपरवाइजर और छात्र के बीच विवाद हुआ था। पुलिस ने मामले में दो सिक्योरिटी सुपरवाइजर और एक गार्ड को गिरफ्तार किया है।

वहीं कॉलेज के पीआरओ राज तिलक शर्मा ने बताया कि कॉलेज प्रबंधन के अनुसार छात्र के शराब के नशे में परिसर में आने का आरोप है। इसी को लेकर सिक्योरिटी कर्मचारियों ने आपत्ति जताई थी और विवाद हुआ। उन्होंने बताया कि विवाद के बाद सिक्योरिटी सुपरवाइजर हरिओम रावल और विपिन त्रिपाठी को हटा दिया गया है।

छात्र-छात्राओं के बीच मारपीट का वीडियो वायरल: एक निजी कॉलेज में मारपीट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि क्लासरूम में दो लड़कियों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ और वह एक-दूसरे के साथ मारपीट करने लगीं। यह झगड़ा इतना बढ़ गया कि कुछ ही सेकंड में लगभग एक दर्जन छात्र इसमें कूद पड़े और जमकर लात-घूंसे चलने लगे। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, हालांकि इसे दो साल पुराना बताया गया है। कॉलेज के प्रवीण शुक्ला का कहना है कि संभवता वीडियो दो साल पुराना है। वीडियो कहां का है पता नहीं।

आरडब्ल्यूए सेक्टर 105 ने की सीसीटीवी निगरानी, ऑन-द-स्पॉट चालान और अतिक्रमण पर सख्त कार्रवाई की मांग

नोएडा। नोएडा शहर को एक स्वच्छ, सुंदर और सुरक्षित विश्वस्तरीय पहचान दिलाने के उद्देश्य से आरडब्ल्यूए सेक्टर 105 ने एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं दूरदर्शी प्रशासनिक पहल की है। संस्था के अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी को एक विस्तृत एवं प्रभावकारी मांग पत्र प्रेषित कर शहर की मूलभूत व्यवस्थाओं में व्यापक सुधार का आग्रह किया है। इसके साथ ही, नागरिक सुरक्षा और प्रशासनिक नियंत्रण के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने हेतु इस पत्र की प्रतिलिपि पुलिस कमिश्नर, गौतम बुद्ध नगर को भी प्रेषित की गई है।

पत्र के माध्यम से आरडब्ल्यूए ने शहर में कचरा प्रबंधन और विद्युत सुरक्षा से जुड़े गंभीर विषयों पर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। खुले स्थानों, नालों के किनारों और खाली भूखंडों पर अनियंत्रित कचरा फेंकने की प्रवृत्ति पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए, सरकारी संपत्तियों तथा विद्युत पैनल बॉक्सों के पास कचरा जमा करने की लापरवाही से होने वाली संभावित दुर्घटनाओं के प्रति सचेत किया गया है। इसके अलावा, नालियों व सड़कों के किनारों पर हो रहे पक्के निर्माणों के कारण सफाई व्यवस्था में आने वाली बाधाओं और जलभराव की समस्या को रेखांकित करते हुए ऐसे अवैध अतिक्रमणों पर तत्काल वैधानिक कार्रवाई का अनुरोध किया गया है।

नागरिक सुरक्षा और अवसंरचनात्मक सुधारों पर बल देते हुए आरडब्ल्यूए ने निर्माणाधीन स्थलों पर सड़कों पर फैली सामग्री और अवैध झोपड़ियों से बाधित होते रास्तों का मुद्दा उठाया है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से निर्माणाधीन स्थलों पर कार्य करने वाले सभी श्रमिकों (लेबर) का अनिवार्य पुलिस वेरिफिकेशन कराए जाने की मांग की गई है। इसके अतिरिक्त, सार्वजनिक पार्कों और आवासीय क्षेत्रों के मुख्य द्वारों पर गंदगी रोकने तथा सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आवारा पशुओं के लिए निश्चित फीडिंग स्पॉट्स निर्धारित करने हेतु व्यावहारिक नियम लागू करने का निवेदन किया गया है।

आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय का मानना है कि माननीय प्रधानमंत्री जी के 'स्वच्छ भारत मिशन' के सपने को साकार करने और नोएडा की भव्य छवि को बनाए रखने के लिए जन-जागरूकता के साथ-साथ कड़े प्रशासनिक व कानूनी कदमों का होना बेहद ज़रूरी है। उन्होंने प्राधिकरण से अति-संवेदनशील स्थलों पर 24 घंटे सीसीटीवी कैमरों के जरिए डिजिटल निगरानी, सुरक्षा मार्शलों व उड़नदस्तों की मुस्तैद तैनाती और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ ऑन-द-स्पॉट चालान जैसी पारदर्शी व्यवस्थाएं लागू करने की अपील की है।

सेक्टर 105 आरडब्ल्यूए ने उम्मीद जताई है कि प्रशासन जनस्वास्थ्य और नागरिक हितों को सर्वोपरि रखते हुए इन सुधारात्मक मांगों पर शीघ्र ही सकारात्मक एवं निर्णायक कदम उठाएगा।

नोएडा में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अवैध पटाखे, शराब और चोरी की बाइक के साथ चार गिरफ्तार

नोएडा। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह पूरी कार्रवाई 1 अक्टूबर को की गई, जिसमें पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अवैध पटाखे, भारी मात्रा में गंधक और पोटाश, देशी शराब, चोरी की मोटरसाइकिल के साथ अवैध हथियार और कारतूस बरामद किए हैं।

थाना बादलपुर पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने सहारा कॉलोनी के पास से नरेश शर्मा पुत्र नैनदत्त शर्मा को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के दौरान जब पुलिस ने उसकी तलाशी ली, तो उसके कब्जे से चार प्लास्टिक के कट्टे बरामद हुए। इन कट्टों के भीतर 96 पैकेट माचिस, 95 डिब्बे नाजी बम पटाखे और 20 डिब्बे अनार पटाखे रखे हुए थे। इसके अलावा पुलिस ने उसके पास से दो अन्य कट्टे भी बरामद किए, जिनमें 25 किलोग्राम गंधक और 25 पैकेट पोटाश मौजूद था। थाना बादलपुर प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार गुप्ता ने बताया कि आरोपी के पास से इन सबके साथ-साथ दिल्ली राज्य की 25 पव्वे देशी शराब भी बरामद की गई है।

सेक्टर-126 और नॉलेज पार्क पुलिस की गिरफ्त में आरोपी: दूसरी तरफ, थाना सेक्टर-126 पुलिस ने भी लोकल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर ही सफलता हासिल की। पुलिस ने सेक्टर-94 के इलाके से दो लोगों को दबोचा। पकड़े गए युवकों की पहचान अरुण कुमार पुत्र प्रदीप कुमार और योगेश पुत्र जोगेंद्र के रूप में हुई है। थाना सेक्टर-126 प्रभारी निरीक्षक सोमनेश कुमार सिंह ने बताया कि इन दोनों आरोपियों के कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। इसके अलावा इनके पास से .315 बोर का एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक अवैध चाकू भी मिला है। उधर, तीसरे मामले में थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने निर्माणाधीन फ्लाईओवर के पास से एक और आरोपी को पकड़ा। थाना नॉलेज पार्क प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि पकड़े गए युवक का नाम प्रवीन कुमार पुत्र महेश चंद है। पुलिस ने उसके कब्जे से .315 बोर का एक तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है।

नोएडा पंजाबी एकता समिति ने किया दवा कंपनियों के मनमानी तरीके से कीमतें बढ़ाने का विरोध

नोएडा। नोएडा पंजाबी एकता समिति के महासचिव नरेंद्र चोपड़ा ने दवा कंपनियों द्वारा मनमानी तरीके से कीमतें बढ़ाने का विरोध करते हुए इस मामले में सरकार से हस्तक्षेप कर जनता को राहत देने की मांग की है। श्री चोपड़ा का कहना है कि नोएडा पंजाबी एकता समिति

परिवार देश के स्वास्थ्य मंत्री से पुरजोर अपील करती है कि विगत कुछ वर्षों से स्वास्थ्य सेवा में कार्यरत कंपनी मनमाने ढंग से दवाइयों की कीमतों में अत्यधिक लाभ अर्जित करने के लिए दवाइयों की कीमतों में बढ़ोतरी कर रही है जिससे की मध्यम वर्ग एवं गरीब आदमी के लिए अपना इलाज करवाना बहुत ही दुर्लभ होता जा रहा है।

अतः नोएडा पंजाबी एकता समिति परिवार देश के स्वास्थ्य मंत्री से पुरजोर अपील करती है कि दवाई एवं इलाज से संबंधित सभी उपकरणों की लागत सीमा निर्धारित की जाए जिससे की मध्यम वर्ग एवं गरीब आदमी को कुछ राहत मिल सके।

नोएडा में पांच अक्टूबर को सांसद कार्यालय पर भाकियू भानू की वार्ता, प्रधानमंत्री आवास कूच की चेतावनी

नोएडा। भारतीय किसान यूनियन भानू के प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर योगेश प्रताप ने पांच अक्टूबर के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर गौतमबुद्ध नगर के पदाधिकारियों के साथ कैंप कार्यालय पर एक बैठक आयोजित की। प्राप्त जानकारी के अनुसार, किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर संगठन की तरफ से 21 सितंबर को प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन दिया जा चुका है।

प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर योगेश प्रताप ने बैठक के दौरान कहा कि संगठन की मुख्य मांग यह है कि जैविक खेती को बढ़ावा दिया जाए। इसके लिए मंडी समितियों में जैविक फसलों की खरीद के लिए सरकारी दुकानें खोली जानी चाहिए और किसानों को उनके जैविक उत्पाद का उचित मूल्य मिलना चाहिए। संगठन ने यह मांग भी रखी है कि सांसद और विधायकों की पेंशन व अन्य सुविधाएं बंद की जाएं। आम जनता के लिए निशुल्क शिक्षा और दवाओं की व्यवस्था की जाए तथा देश में सभी के लिए समान कानून बनाया जाए। इसके अतिरिक्त, सरकारी विद्यालयों में किसान, अधिकारी, प्रधान से लेकर प्रधानमंत्री तक के बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था करने की मांग भी संगठन द्वारा उठाई गई है।

क्षेत्रीय मांगें और प्रधानमंत्री आवास कूच की चेतावनी: क्षेत्रीय मांगों के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि किसानों को 10 प्रतिशत आवासीय भूखंड शीघ्र दिए जाने, किसानों की भूमि का सर्किल रेट अनुपात के अनुसार बढ़ाने, 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर ब्याज सहित देने, खेतीहर मजदूरों को 120 वर्गमीटर के भूखंड देने, किसानों की आबादी को यथावत रखने और बैकलीज का शीघ्र निस्तारण करने की मांग शामिल है। ठाकुर योगेश प्रताप ने बताया कि आगामी पांच अक्टूबर को संगठन के पदाधिकारी गौतमबुद्ध नगर के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेश शर्मा के नोएडा के सेक्टर-27 स्थित कार्यालय पहुंचकर इन सभी मांगों पर वार्ता करेंगे। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि यदि सांसद स्तर पर समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो संगठन प्रधानमंत्री आवास की ओर कूच करेगा।

बैठक में शामिल पदाधिकारी: इस महत्वपूर्ण बैठक में राष्ट्रीय प्रमुख उपाध्यक्ष अजब सिंह कसाना, राष्ट्रीय महासचिव वीरेंद्र गुर्जर, पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष राजीव अधाना, उपेंद्र कुमार उर्फ बाबा, कोशिंदर गुर्जर, संजय नागर, कौशल भाटी, मनोज चौधरी, अशोक ठाकुर, अनिल बैसोया, मनोज नागर, सतीश कसाना और जिलाध्यक्ष राजकुमार नागर समेत बड़ी संख्या में अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

बिजली कनेक्शन की मांग को लेकर पैदल मार्च

नोएडा। नोएडा में बिजली कनेक्शन की मांग को लेकर भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखवीर खलीफा के नेतृत्व में गुरुवार को किसानों और सैकड़ों की संख्या में कालोनी वासियों ने पैदल मार्च निकाला।

चोटपुर, छिजारसी समेत 42 डूब क्षेत्र की कॉलोनियों के लोगों ने इसमें हिस्सा लिया। मार्च पर्थला चौक से शुरू होकर सेक्टर-63 थाने के आसपास तक निकाला गया। इस दौरान भारी पुलिस बल मौजूद रहा। साथ ही यातायात को भी डायवर्ट किया गया। प्रदर्शन के दौरान सुखवीर खलीफा ने कहा कि बिजली विभाग के अधिकारी धरनास्थल पर पहुंचे थे।

जब तक कनेक्शन नहीं धरना जारी: अधिकारियों ने कहा कि बिजली कनेक्शन को लेकर जियो आ गया है। खलीफा ने कहा कि अगर कनेक्शन देने की अनुमति आ गई है तो अधिकारी लिखित आदेश लेकर उनके पास आएं और उसे लोगों को दिखाएं। उन्होंने कहा कि जब तक लोगों को बिजली कनेक्शन नहीं दिया जाता, तब तक धरना जारी रहेगा।

उनका कहना है कि 42 कॉलोनियों के लोग लंबे समय से बिजली कनेक्शन की मांग कर रहे हैं। पैदल मार्च के दौरान लोगों ने बिजली कनेक्शन की मांग को लेकर नारेबाजी भी की।

पहले भी दर्ज हो चुका है मुकदमा: बिजली कनेक्शन की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन के दौरान सेक्टर-113 थाने में सुखवीर खलीफा समेत करीब 200 लोगों के खिलाफ पहले मुकदमा दर्ज हो चुका है। इसमें 40 लोगों को नामजद किया गया था। पुलिस की शिकायत में सड़क पर नारेबाजी, मार्ग बाधित करने, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और पुलिसकर्मियों से अभद्रता व मारपीट के आरोप लगाए गए थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

धर्म, संस्कार और सनातन संस्कृति के संरक्षण के उद्देश्य के साथ भारत विकास परिषद कर रहा श्रीमद भागवत कथा का आयोजन

नोएडा। भारत विकास परिषद, नोएडा श्रीमद भागवत कथा का आयोजन धर्म, संस्कार और सनातन संस्कृति के संरक्षण के पावन उद्देश्य से किया जा रहा हैं। सनातन धर्म, संस्कार, संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन तथा मानवीय मूल्यों की स्थापना संकल्प के साथ भारत विकास नोएडा द्वारा श्री मद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ दिनांक 3 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक किया जा रहा हैं। प्रसिद्ध भागवत मर्मज्ञ एवं कथा व्यास आचार्य श्री मृदुल कांत शास्त्री जी करेंगे। समयः प्रतिदिन सायं 4:00 से रात्रि 8:00 बजे तक नोएडा सेक्टर-33 में शिल्प हाट के निकट स्थित हेलीपैड ग्राउंड पर होगा। आयोजन में प्रतिदिन लगभग 5,000 श्रद्धालुओं के सम्मिलित होने की संभावना है। इस अवसर पर वात्सल्य मूर्ति ऋतंभरा दीदी जी, श्री महामंडलेश्वर सतुआ महाराज जी, जगद्गुरु श्री सुतीक्ष्ण देवाचार्य महाराज जी, बागेश्वर पीठाधीश्वर श्री धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री जी, श्री अनिरुद्धाचार्य जी महाराज और भक्त शिरोमणि श्री नंदू भैया जी की उपस्थिति अपेक्षित है।कथा पंडाल हेतु भूमि पूजन दिनांक 21 सितंबर 2026 को वैदिक मंत्रोच्चार एवं हवन के साथ संपन्न हुआ।कथा प्रारम्भ की पूर्व संध्या पर 02 अक्टूबर 2026 को सायं 4:00 बजे भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी जिसमें विभिन्न बैंड, भजन मंडली, बग्गी व घोड़ो के साथ लगभग 1,100 श्रद्धालु महिलाएँ कलश लेकर चलेगी तथा कलश शोभा यात्रा में 2,500 श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

प्रमुख अतिथि मुख्य अतिथि ब्रजेश पाठक, उपमुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश, उपमुख्य अतिथिः डॉ. महेश शर्मा, सांसद, गौतमबुद्ध नगर

विशिष्ट अतिथि पंकज सिंह, विधायक, नोएडा रहेंगे।

श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा की व्यापक व्यवस्था परिषद के अध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता ने बताया कि कथा के मुख्य यजमान डॉ. वी.के. गुप्ता और श्रीमती रीना गुप्ता होंगे। श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त पार्किंग, यातायात प्रबंधन, सुरक्षा गार्ड, पीएसओ और लगभग 100 स्वयंसेवकों की व्यवस्था की गई है। प्रतिदिन भोजन-प्रसाद भी वितरित किया जाएगा7 पत्रकार वार्ता में शाखा संरक्षक प्रताप मेहता, मधुसूदन दादू, कोषाध्यक्ष अक्षय पारीक, विकास अग्रवाल, संयोजिका महिला सहभागिता श्रीमती सुनीता मित्तल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एस.एन. गोयल, उपाध्यक्ष भूपेन्द्र मित्तल, प्रकल्प संयोजक संस्कार अजय अग्रवाल, कथा संयोजक विपिन मल्हन, केशव गंगल, एन.के. अग्रवाल, कुलदीप गुप्ता, रामरतन शर्मा, पूर्व अध्यक्ष डॉ. टी.एन. गोविल, राजीव अग्रवाल, पंकज जिंदल और मनोज गोयल आदि उपस्थित रहे।

परिषद के सचिव अखिलेश भदौरिया ने अतिथियों, सदस्यों और मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

गार्ड से बहस, फिर बीएमडब्ल्यू से बैरियर तोड़कर निकला चालकः सुपरनोवा का वीडियो वायरल

नोएडा। सेक्टर-94 स्थित सुपरनोवा सोसाइटी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें बीएमडब्ल्यू कार सवार चालक पहले सोसाइटी के गेट पर तैनात गार्ड से करीब एक मिनट तक बहस करता दिखाई दे रहा है। इसके बाद चालक कार से बैरियर को टक्कर मारकर तोड़ता है और निकल जाता है।

वायरल वीडियो के आधार पर बताया जा रहा है कि कार चालक इसी सोसाइटी में Airbnb चलाता है। बताया गया कि रात में वह सोसाइटी आया था। बाद में बाहर निकलते समय गार्ड से उसका विवाद हो गया। इसके बाद उसने कार से गेट पर लगे बैरियर को तोड़ दिया। वायरल हो रहे एक मिनट से अधिक के वीडियो में पूरी घटना कैद है। शुरुआत में बीएमडब्ल्यू चालक और गार्ड के बीच बातचीत होती दिखाई देती है। कुछ देर बाद चालक कार को आगे बढ़ाता है और बैरियर से टकराकर उसे तोड़ देता है। वीडियो में कार के पीछे नंबर प्लेट भी दिखाई नहीं दे रही है।

पुलिस ने वीडियो का लिया संज्ञानः वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने इसका संज्ञान लिया है। पुलिस की ओर से मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही विवाद की वजह और बैरियर तोड़ने की पूरी स्थिति स्पष्ट होगी।

नोएडा प्राधिकरण शासन को भेजेगा रोड सेफ्टी प्लान

नोएडा। नोएडा में इंजीनियर युवराज मेहता की मौत और रोड सेफ्टी को लेकर उठे सवालों के बाद प्राधिकरण ने शहर के डार्क स्पॉट और हादसे की आशंका वाले स्थानों का सर्वे कराया। सर्वे में 65 रोड सेफ्टी प्वाइंट चिह्नित किए गए थे।

रोड सेफ्टी को लेकर तैयार की गई यह रिपोर्ट आगामी सप्ताह शासन को भेजी जाएगी। इसमें सेक्टर-150 में किए गए कामों के साथ शहर के बाकी 65 रोड सेफ्टी प्वाइंट पर प्रस्तावित और चल रहे कार्यों का पूरा प्लान दिया गया है। युवराज मेहता की मौत के बाद सड़क सुरक्षा को लेकर सामने आई कमियों के बाद प्राधिकरण अब इन स्थानों पर चरणबद्ध तरीके से सुरक्षा इंतजाम करने की तैयारी में है।

सेक्टर-150 में शुरू हुए कई काम सेक्टर-150 में रोड सेफ्टी का विस्तृत प्लान तैयार किया गया था। इसके तहत सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। वाहनों की रफ्तार नियंत्रित करने के लिए स्पीड ब्रेकर बनाए जा रहे हैं। सड़क पर थर्माप्लास्टिक पेंट से मार्किंग और जरूरी स्थानों पर साइनेज लगाने का काम भी किया जा रहा है। इसके अलावा सड़क किनारे खुले नालों और डक्ट को कवर करने का काम भी प्लान में शामिल है।

हर डार्क स्पॉट के लिए अलग से होंगे सुरक्षा इंतजाम प्राधिकरण ने 65 चिह्नित प्वाइंट के लिए रोड सेफ्टी से जुड़े कामों का पूरा विवरण तैयार किया है। इसमें यह बताया गया है कि किस स्थान पर सीसीटीवी, स्पीड ब्रेकर, साइनेज, रोड मार्किंग, नाला या डक्ट कवरिंग समेत कौन-कौन से काम कराने की जरूरत है। इसके लिए प्राधिकरण ने अब तक कराए गए कार्यों और आगे कराए जाने वाले कामों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार की है। अगले सप्ताह शासन को भेज दिया जाएगा।

कनाडा वीजा के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, महिला समेत तीन गिरफ्तार

नोएडा। विदेश भेजने के नाम पर लोगों के साथ धोखाधड़ी करने वाले एक शातिर गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। थाना फेस-1 पुलिस ने इस मामले में दो पुरुषों और एक महिला समेत कुल तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह गिरोह लोगों को कनाडा का वीजा दिलाने का झांसा देकर ठगी का धंधा चला रहा था।

थाना फेस-1 प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र शुक्ला ने बताया कि पुलिस टीम ने एक अक्टूबर को मैनुअल सूचना और इलेक्ट्रॉनिक निगरानी के आधार पर कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने सेक्टर-2 स्थित सी-7 इमारत से राहुल कुमार चौहान, संदीप सिंह और पूजा महाजन को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन आरोपियों के कब्जे से घटना में इस्तेमाल किए गए

सात मोबाइल फोन, एक थार कार और पांच अलग-अलग ग्राहकों के पासपोर्ट बरामद किए हैं।

ऐसे खुला ठगी का खेलः पुलिस के मुताबिक, सेक्टर-2 में एक शिक्षा परामर्श कंपनी संचालित होती है जो विदेश भेजने का काम करती है। इस कंपनी का संपर्क अरमान और क्रिस्टन जेनिफर नाम के व्यक्तियों से हुआ था, जिन्होंने कनाडा का कार्य वीजा दिलाने का दावा किया था। इन लोगों के झांसे में आकर कंपनी ने पांच ग्राहकों के विवरण और उनके पासपोर्ट इन आरोपियों को उपलब्ध करा दिए थे।

जांच में पुलिस को इस बात का खुलासा हुआ कि क्रिस्टन जेनिफर का वास्तविक नाम पूजा महाजन है और अरमान का वास्तविक नाम संदीप सिंह है।

पुलिस के अनुसार, संदीप सिंह 'माई सेकंड लाइन' ऐप का इस्तेमाल करता था। वह इस ऐप के माध्यम से कनाडा का आभासी फोन नंबर दिखाता था और नोएडा की परामर्श कंपनियों से संपर्क साधता था। खुद को कनाडा में रहने वाला बताकर वह लोगों से बातचीत करता था ताकि किसी को कोई शक न हो।

लाखों रुपये की अवैध मांगः आरोप है कि इन ठगों ने कागजी कार्रवाई, जैवमितीय प्रक्रिया और चिकित्सकीय जांच के नाम पर प्रत्येक ग्राहक से 25 हजार रुपये वसूले थे। इसके बाद आरोपियों ने अस्थायी निवास वीजा बनवाकर विदेश भेजने का भरोसा दिया और प्रक्रिया शुरू करने के नाम पर प्रत्येक ग्राहक से 12.50 लाख रुपये की अतिरिक्त मांग की।

पुलिस ने पकड़े गए सभी आरोपियों के खिलाफ थाना फेस-1 में मुकदमा अपराध संख्या 526/26 दर्ज किया है। यह मामला भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 318(4), 338, 336(3) और 340(2) के तहत पंजीकृत किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

एलिवेटेड रोड की तकनीकी जांच की मांग

नोएडा। कोनरवा नोएडा चैप्टर ने बरौला-भंगेल एलिवेटेड रोड की गुणवत्ता और डिजाइन की तकनीकी जांच की मांग की है। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ को पत्र भेजकर अध्यक्ष डॉ. पीएस जैन और महासचिव राजीव गर्ग ने कहा कि एलिवेटेड रोड पर वाहन चलाते समय अत्यधिक झटके लगते हैं और पूरी सड़क पर काफी उबड़-खाबड़पन है। संगठन के अनुसार सेक्टर-18 की ओर से एनएसईजेड से पहले नीचे उतरते समय बनाया गया लूप टर्न काफी तीखा है। इससे वाहन चालकों को मोड़ लेने में परेशानी होती है और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। कोनरवा ने एलिवेटेड रोड के साथ नोएडा के अंडरपास और नोएडा एलिवेटेड रोड की गुणवत्ता की भी जांच कराने की मांग की है।

जिलाधिकारी ने जिलाकोषागार का निरीक्षण करपेंशन सुविधाओं का जायजा लिया

नोएडा। जिलाधिकारी मेधा रूपम ने गुरुवार को जिला कोषागार का निरीक्षण किया। उन्होंने पेंशनरों को मिल रही सुविधाओं और पेंशन संबंधी कामों की जानकारी ली। वरिष्ठ कोषाधिकारी शिखा गुप्ता ने कोषागार की कार्यप्रणाली और व्यवस्थाओं के बारे में बताया।

जिलाधिकारी ने पेंशनर हेल्प डेस्क और लाउंज को देखा। उन्होंने एसी, बैठने की व्यवस्था, पीने का पानी और पेंशन के काम निपटाने की जानकारी ली। उन्होंने पेंशनरों को सुविधाजनक सेवाएं देने पर जोर दिया। इसके बाद, जिलाधिकारी ने कोषागार के डबल लॉक की सुरक्षा और प्रक्रियाओं को जाना। उन्होंने जरूरी रिकॉर्ड के सुरक्षित रखरखाव की स्थिति भी देखी। सीसीटीवी कैमरे, अग्निशमन उपकरण और साफ-सफाई जैसी सुविधाओं का भी जायजा लिया। ये सभी व्यवस्थाएं ठीक पाई गईं। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी और वरिष्ठ कोषाधिकारी शिखा गुप्ता समेत कई अधिकारी मौजूद थे।

मोबाइल चोरी-स्नेचिंग करने वाला आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। सेक्टर-58 थाने की पुलिस ने चोरी और स्नेचिंग की वारदातों को अंजाम देने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी और स्नेचिंग के तीन मोबाइल फोन, दो हजार रुपये नकद, चोरी की एक मोटरसाइकिल और एक अवैध चाकू बरामद किया है।

थाना सेक्टर-58 के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि 30 सितंबर को पुलिस ने स्थानीय खुफिया सूचना के आधार पर कार्रवाई की। पुलिस टीम ने सेक्टर-57 स्थित रेडिसन होटल के पास से आरोपी को धर दबोचा। पकड़े गए आरोपी की पहचान 24 वर्षीय निखिल मिश्रा उर्फ कन्हैया के रूप में हुई है। वह मूल रूप से एटा का रहने वाला है और वर्तमान में गाजियाबाद की खोड़ा कॉलोनी में रह रहा था।

चोरी की बाइक से करता था वारदातः पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह अपने एक साथी के साथ मिलकर चोरी की मोटरसाइकिल पर सवार होकर मोबाइल चोरी और स्नेचिंग करता था। पुलिस के अनुसार, आरोपी के पास से जो मोटरसाइकिल बरामद हुई है, उसे उसने सेक्टर-56 से चोरी किया था। पुलिस बरामद हुए अन्य तीन मोबाइल फोन के संबंध में भी जानकारी जुटा रही है।

सस्ते में बेचा छीना हुआ आईफोनः आरोपी ने खुलासा किया कि उसने सेक्टर-58 से एक आईफोन-14 प्रो छीना था। इस आईफोन को उसने राह चलते एक व्यक्ति को सस्ते दाम में बेच दिया था। मोबाइल बेचने से मिली रकम में से उसके पास केवल दो हजार रुपये ही बचे थे, जबकि बाकी पैसे उसने खर्च कर दिए थे। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

ग्रेटर नोएडा में यीडा सीईओ राकेश कुमार सिंह का कार्यकाल एक साल बढ़ा

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राकेश कुमार सिंह का कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश के बाद अब वह 1 अक्टूबर 2026 से 30 सितंबर 2027 तक यीडा के सीईओ के पद पर बने रहेंगे। उनका पिछला पुनर्नियोजन कार्यकाल 30 सितंबर 2026 को समाप्त हो रहा था।

राकेश कुमार सिंह के पास नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड से जुड़ी जिम्मेदारी भी बनी रहेगी। यह सेवा विस्तार ऐसे समय हुआ है, जब यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, औद्योगिक परियोजनाओं, संस्थागत भूखंडों और शहरी विकास से जुड़ी कई योजनाओं पर काम चल रहा है। यीडा की आधिकारिक वेबसाइट पर राकेश कुमार सिंह को वर्तमान में मुख्य कार्यपालक अधिकारी के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में गौतमबुद्ध नगर के अलावा बुलंदशहर, अलीगढ़, हाथरस, मथुरा और आगरा के क्षेत्र भी शामिल हैं। यीडा का कार्य औद्योगिक, आवासीय और संस्थागत विकास के साथ क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे तथा कनेक्टिविटी से जुड़ी योजनाओं को आगे बढ़ाना है।

पहले भी यीडा से जुड़ी रही है जिम्मेदारीः राकेश कुमार सिंह इससे पहले यीडा में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पद पर काम कर चुके हैं। बाद में उन्हें यीडा और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जुड़ी जिम्मेदारियां दी गईं। वर्ष 2025 में सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें एक वर्ष के पुनर्नियोजन पर इन जिम्मेदारियों में बनाए रखा गया था। अब यह पुनर्नियोजन एक और वर्ष के लिए बढ़ाया गया है।

यीडा क्षेत्र में कई योजनाएं जारीः यीडा की ओर से सितंबर 2026 में वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय और कॉरपोरेट कार्यालयों के भूखंडों की योजनाएं जारी की गई हैं। इसके अलावा होटल और ग्रुप हाउसिंग भूखंडों से संबंधित योजनाएं भी हाल में सामने आई हैं।

दिल्ली में 3 अक्टूबर को होगी परिवर्तन योगेश की 38वीं सुदर्शन सभा

नोएडा। नीति आयोग द्वारा मानित राष्ट्र, संस्कृति व समाज हित समर्पित संस्था परिवर्तन योगेश अपनी 38वीं सुदर्शन सभा 3 अक्टूबर 2026 को दिल्ली में आयोजित कर रहा है। यह सभा परिवर्तन योगेश संस्थान के उप संगठन महर्षि सत्य सनातन हिन्दी विद्यापीठ के विद्या वाचस्पति एवं विद्या सागर मानद सम्मान प्रेषण द्वारा सम्पन्न होगी। मुख्य अतिथि होंगे - सद्गृहस्थ संत डॉ हरीश मिश्र (राष्ट्रीय अध्यक्ष : परिवर्तन योगेश-नईदिल्ली, पीठाध्यक्ष:महर्षि सत्य सनातन अखाड़ा- वाराणसी, उपकुलपतिः महर्षि सत्य सनातन विद्यापीठ - वाराणसी), डॉ. योगेश तरेहन (संस्थापक - परिवर्तन योगेश), महामंडलेश्वर निरंकार नंद महाराज जी (पीठाधीश्वर : महर्षि सत्य सनातन अखाड़ा), डॉ. प्रशांत मनोहर गायकवाड (तबला वादक एवं ज्योतिषाचार्य) एवं डॉ. रविकुमार द्विवेदी (कुलपति : महर्षि सत्य सनातन हिन्दी विद्यापीठ) इस सभा में विद्या सागर देश के 3 विद्वानों को दिया जायेगा जिनके नाम हैं- डॉ. भभुता राम चौहान, डॉ. लोकेश कुमार एवं डॉ यशदेव प्रसाद शर्मा। विद्या वाचस्पति 33 महानुभावों को प्रेषित होगा, जिनके नाम हैं- संजय हरिहरनाथ त्रिपाठी, प्रमोद तिवारी, शम्भू नाथ दुबे, राहुल कपूर, विजय प्रकाश दीक्षित, प्रभात अग्रवाल, शंकर कुमार मिश्रा, चन्द्र मोहन बाली, यश अवस्थी, महामंडलेश्वर मंजू वर्मा, श्रीमती रेखा मुकुल चौबे, विवेका कुमार सिन्हा, डॉ. जितेन्द्र माधव, कुलजीत सिंह, श्री दर्शन दिलीपराव जोशी, रामेश्वर सिंह शांडिल्य, श्रीमती शुभांगी शांडिल्य, कृष्ण कान्त दूबे, महर्षि श्री राजेन्द्र प्रसाद विश्वकर्मा, प्रकाश चंद्र पंड्या, सुरेश चन्द्र जोशी, डॉ. जितेंद्रकुमार बाबूलाल प्रजापति, शिव शंकर शर्मा, टीकादास मराबी, विनोद राजपूत, देवेन्द्र सिंह आर्य, विष्णु सिकरवार, धनन्जय सिंह, सुंदर पाल यादव, कमलेश कुमार मिश्रा, परमार कुंजलता सुरसिंह, देश दीपक शर्मा एवं पंकज कुमार दीक्षित।

सभा में प्रसिद्ध नृत्यांगना श्रीमती कमलेश शर्मा कत्थक नृत्य की प्रस्तुति करेंगी, उन्हें कला शिरोमणि सम्मान देय होगा व प्रसिद्ध तबला वादक एवं ज्योतिषाचार्य डॉ. प्रशांत मनोहर गायकवाड जी जोकि राष्ट्रपति सम्मान प्राप्तकर्ता एवं गिनीज वर्ड रिकॉर्ड होल्डर हैं, सनातन गौरव सम्मान प्राप्त करेंगे।

5 दिन में डेंगू के 47 नए केस

नोएडा। नोएडा में डेंगू के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। गुरुवार तक डेंगू के 201 मरीज मिल चुके हैं। इनमें 47 मरीज पिछले पांच दिनों में सामने आए हैं। सभी मरीज निजी अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, सभी की हालत सामान्य है।

डेंगू की पुष्टि होने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीमें मरीजों के घर और आसपास के इलाकों का सर्वे कर रही हैं। मच्छरों के लार्वा की जांच के साथ दवाओं का छिड़काव भी कराया जा रहा है।जिला अस्पताल की ओपीडी में रोजाना 3 से 4 हजार मरीज पहुंच रहे हैं। इनमें 60 प्रतिशत से ज्यादा मरीज बुखार और मौसमी बीमारियों से पीड़ित हैं। डॉक्टरों के मुताबिक, मौसम में अचानक बदलाव के कारण वायरल और दूसरी मौसमी बीमारियों के मरीज बढ़े हैं। डॉक्टरों ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। भीड़भाड़ वाली जगहों पर मास्क लगाने और साफ-सफाई रखने की अपील की गई है।

डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया की रोकथाम के लिए नोएडा प्राधिकरण गुरुवार से विशेष एंटी लार्वा स्प्रे और फॉगिंग अभियान शुरू करेगा। प्राधिकरण के महाप्रबंधक एसपी सिंह ने बताया कि सेक्टर, सोसाइटी और गांवों के लिए अभियान का रोस्टर तैयार कर लिया गया है।

अभियान के दौरान गड्ढों और नालियों में जमा पानी में एंटी लार्वा का छिड़काव किया जाएगा। इसका उद्देश्य मच्छरों के लार्वा को पनपने से पहले ही नष्ट करना है। इसके अलावा चिन्हित स्थानों पर फॉगिंग भी कराई जाएगी।

जलभराव और लार्वा मिलने पर 50 से ज्यादा नोटिसः मलेरिया विभाग इस मौसम में जलभराव और मच्छरों का लार्वा मिलने पर 50 से अधिक संस्थानों और लोगों को नोटिस जारी कर चुका है। जिला मलेरिया अधिकारी श्रुति कीर्ति वर्मा ने बताया कि डेंगू के मरीजों की नियमित निगरानी की जा रही है।

सोसाइटी, कॉलोनी और गांवों में निरीक्षण के साथ दवाओं का छिड़काव भी कराया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, स्वाइन फ्लू के अब इक्का-दुक्का मरीज ही सामने आ रहे हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी से पूनम के परिवार को मिला अपना आशियाना

नोएडा। हर परिवार के जीवन में अपने घर की एक अलग अहमियत होती है। घर केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि परिवार की सुरक्षा, स्थायित्व और भविष्य से जुड़ा विश्वास होता है। आर्थिक परिस्थितियों के कारण कई परिवारों के लिए अपने पक्के घर का निर्माण आसान नहीं होता। ऐसे में सरकारी आवासीय योजनाएं जरूरतमंद परिवारों के लिए महत्वपूर्ण सहारा बनती हैं।

अपने घर की चाहत को मिला सरकारी योजना का सहारा: गौतमबुद्धनगर की दौलतराम कॉलोनी, तहसील दादरी निवासी श्रीमती पूनम पत्नी श्री हेमंत कुमार के परिवार के लिए भी प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी अपने घर की आवश्यकता को पूरा करने का माध्यम बनी। वर्ष 2018-19 में उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी का लाभ प्रदान किया गया। नगर पालिका दादरी के माध्यम से योजना का लाभ उनके परिवार तक पहुंचाया गया।

योजना के सहयोग से पक्के आवास की ओर बढ़ा परिवारः प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को पक्का आवास उपलब्ध कराने के लिए 2.50 लाख रुपये की सहायता प्रदान की गई। योजना के माध्यम से मिले इस सहयोग ने पूनम के परिवार को अपने पक्के आवास की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर दिया। अपने आवास की उपलब्धता परिवार के लिए स्थायित्व की महत्वपूर्ण उपलब्धि बनी और उन्हें रहने के लिए एक निश्चित आधार मिला।

डूडा के माध्यम से योजना के क्रियान्वयन को गतिः प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के अंतर्गत शहरी क्षेत्रों में पात्र परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। गौतमबुद्धनगर में जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) योजना के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। नगर निकायों के माध्यम से पात्र लाभार्थियों तक योजना का लाभ पहुंचाया जा रहा है। इसी क्रम में नगर पालिका दादरी के माध्यम से श्रीमती पूनम को योजना का लाभ मिला।

एक आवास, परिवार के लिए स्थायित्व का आधारः पूनम के परिवार के लिए यह उपलब्धि केवल आवास मिलने तक सीमित नहीं है। अपने घर की उपलब्धता ने परिवार को स्थायी आवासीय आधार दिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के माध्यम से मिला यह सहयोग उनके परिवार की आवास संबंधी आवश्यकता को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हुआ।

सरकारी योजना का जमीनी असरः किसी भी सरकारी योजना की सार्थकता तब दिखाई देती है, जब उसका लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंचकर उसकी वास्तविक आवश्यकता को पूरा करता है। पूनम के परिवार की कहानी इसी जमीनी बदलाव को सामने रखती है। वर्ष 2018-19 में योजना का लाभ मिलने के बाद उनके परिवार को अपने पक्के आवास का आधार मिला, जिससे आवास संबंधी आवश्यकता को पूरा करने का रास्ता प्रशस्त हुआ।

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के माध्यम से पूनम के परिवार को मिला यह लाभ इस बात का उदाहरण है कि योजनाओं का प्रभाव केवल सरकारी आंकड़ों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पात्र परिवारों के जीवन में स्थायित्व का आधार भी बनता है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में बारिश थमते ही बढ़ा प्रदूषण, 92 दिनों में सिर्फ एक दिन मिली 'स्वच्छ हवा'

नई दिल्ली, एजेंसी। मानसून की 576.9 मिमी वर्षा भी दिल्ली की हवा को पूरी तरह साफ नहीं कर सकी। सेंटर फार साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) के नए आकलन के मुताबिक जून से अगस्त तक 92 दिनों में दिल्ली में सिर्फ एक दिन वायु गुणवत्ता 'अच्छी' रही। वर्षा थमने के 24 घंटे बाद पीएम 2.5 का स्तर 10.7 प्रतिशत और 48 घंटे बाद 37.9 प्रतिशत बढ़ गया। सीएसई के अनुसार, नौ जुलाई को 67.75 मिमी वर्षा के बीच ही इस मानसून का एकमात्र 'अच्छी' हवा वाला दिन दर्ज हुआ। आठ अगस्त को मानसून की सबसे अधिक 101.05 मिमी वर्षा हुई, लेकिन इसके बावजूद वायु गुणवत्ता केवल 'संतोषजनक' रही। मानसून में औसत पीएम 2.5 स्तर 40.2 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा, जो गर्मियों के 60.2 माइक्रोग्राम से 33.2 प्रतिशत कम था। हालांकि वर्षा के दौरान प्रदूषण में आई कमी ज्यादा देर कायम नहीं रही। छह अलग-अलग वर्षा की घटनाओं के विश्लेषण में वर्षा से पूर्व पीएम 2.5 का औसत स्तर 40.6 माइक्रोग्राम था, जो वर्षा के दौरान घटकर 32.7 माइक्रोग्राम रह गया। लेकिन 24 घंटे बाद यह 36.2 और 48 घंटे बाद 45.1 माइक्रोग्राम पर पहुंच गया। यानी वर्षा के दो दिन बाद स्तर वर्षा के दौरान के मुकाबले 37.9 प्रतिशत अधिक हो गया और वर्षा से पहले के स्तर से भी 11.1 प्रतिशत ऊपर पहुंच गया। मानसून के 53 दिन यानी 57.6 प्रतिशत दिन 'मध्यम' वायु गुणवत्ता श्रेणी में रहे। 35 दिन 'संतोषजनक', तीन दिन 'खराब' और केवल एक दिन 'अच्छी' श्रेणी में रहा। सीएसई के मुताबिक, वर्षा से कण प्रदूषक तो धुल जाते हैं, लेकिन गैसीय प्रदूषक बने रहते हैं। मानसून के 20 दिनों में जमीन के करीब बनने वाली ओजोन प्रमुख प्रदूषक रही। नाइट्रोजन डाइआक्साइड और कार्बन मोनोआक्साइड की मौजूदगी भी महत्वपूर्ण रही। सीएसई की कार्यकारी निदेशक (शोध एवं वकालत) अनुमिता रायचौधरी ने कहा कि वर्षा अस्थायी राहत देती है, लेकिन प्रदूषण के मूल स्रोतों को खत्म नहीं करती। उन्होंने कहा कि सर्दियों में अस्थायी उपायों पर निर्भर रहने के बजाय पूरे एनसीआर में सालभर और सभी क्षेत्रों में समन्वित तरीके से उत्सर्जन कम करना होगा। सीएसई ने परिवहन में बिजली आधारित व्यवस्था, स्वच्छ औद्योगिक ईंधन, खुले में कचरा जलाने पर रोक, निर्माण कचरे के पुनर्चक्रण, निर्बाध बिजली आपूर्ति और पूरे एनसीआर के लिए एकीकृत 'एयरशेड' व्यवस्था लागू करने पर भी जोर दिया है।

अब एआई संभालेगा दिल्ली का ट्रैफिक, जाम में नहीं फंसेंगे दिल्लीवाले

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में जाम से निपटने के लिए अब ट्रैफिक व्यवस्था को ढ्ढ यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सहारे चलाने की तैयारी है। केंद्र सरकार ने दिल्ली पुलिस के इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम को मंजूरी दे दी है। सीधे शब्दों में समझें तो अभी कई जगह ट्रैफिक सिग्नल तय समय या मैनुअल तरीके से चलते हैं। सड़क पर उस समय कितना ट्रैफिक है, कहां जाम है, कहां दुर्घटना हुई है और किस रास्ते पर वाहनों की गति कम है-इन जानकारियों के आधार पर ट्रैफिक को मैनेज करने की कोशिश होगी। इस परियोजना पर 1,789.52 करोड़ रुपये खर्च होंगे और दिल्ली में चिह्नित किए गए 42 ट्रैफिक कॉरिडोर को तीन चरणों में इसके दायरे में लाया जाएगा। दिल्ली में बड़ी संख्या में वाहन हैं और जाम शहर की प्रमुख समस्याओं में है। नई व्यवस्था का मकसद मौजूदा सड़कों का ही बेहतर इस्तेमाल करके ट्रैफिक को अधिक व्यवस्थित करना है। परियोजना के तहत सड़क नेटवर्क को रियल-टाइम ट्रैफिक डेटा, एआई आधारित ट्रैफिक सिग्नल, ऑटोमेटेड एनफोर्समेंट और इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम से जोड़ा जाएगा। यानी ट्रैफिक पुलिस को अलग-अलग जगहों की स्थिति का डेटा एक साथ मिल सकेगा और उसके आधार पर तुरंत फैसला लेने की क्षमता बढ़ेगी। मान लीजिए किसी चौराहे पर एक तरफ वाहनों की लंबी कतार है और दूसरी तरफ सड़क लगभग खाली है। नई व्यवस्था में ट्रैफिक की स्थिति के अनुसार सिग्नल का समय बदला जा सकेगा। अगर कही अधिक जाम है तो उसे प्राथमिकता दी जाएगी। एक ही कॉरिडोर पर लगातार आने वाले सिग्नलों के बीच भी बेहतर तालमेल बनाया जाएगा। इससे वाहन चालकों को हर थोड़ी दूरी पर अनावश्यक रूप से रुकना कम पड़ सकता है। सिस्टम रियल टाइम ट्रैफिक डेटा का विश्लेषण करेगा।

दिल्ली के झारखंड भवन में पूर्व सांसद का परिवार लिफ्ट में फंसा, 6 सदस्य हुए बेहोश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मुनिरका स्थित झारखंड भवन में पूर्व सांसद घूरन राम का पूरा परिवार लिफ्ट में फंस गया। काफी देर तक लिफ्ट में फंसे रहने के कारण परिवार के 6 सदस्य बेहोश हो गए। वहीं, आनन-फानन सभी को रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया और बसंत विहार के होली एंजिल्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उधर, परिवार की हालत देखकर पूर्व सांसद घूरन राम गुस्से में हैं और नाराज हो गए। दिल्ली पुलिस का

कहना है कि घटना के दिन झारखंड भवन से कोई सूचना नहीं मिली थी और मामले की जानकारी उन्हें आज प्राप्त हुई है। जानकारी के के अनुसार, पूर्व सांसद घूरन राम के परिवार के सदस्य दिल्ली में स्थित झारखंड भवन में ठहरे हुए थे। बताया गया कि बुधवार की रात को जब वे लिफ्ट का इस्तेमाल कर रहे थे, तभी अचानक तकनीकी खराबी आ गई और परिवार के छह सदस्य लिफ्ट में ही फंस गए। जानकारी के अनुसार, पूर्व सांसद घूरन राम के परिवार के छह सदस्य काफी देर तक लिफ्ट में फंसे रहे, जिस वजह से उनकी तबीयत बिगड़ने लगी।

वहीं, सूचना मिलने पर रेस्क्यू टीम मौके पहुंची और लिफ्ट खोलने का काम शुरू किया। इसके बाद सभी छह सदस्यों को बाहर निकाला गया और उनकी हालत को देखते हुए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के अनुसार, पूर्व सांसद घूरन राम के परिवार का एक सदस्य अभी भी अस्पताल में भर्ती है। उनका इलाज किया जा रहा है।

एम्स में अब रोबोटिक सर्जरी से पित्ताशय का इलाज

3डी दृश्य और फ्लैक्सिबल टूल्स से जटिल केस भी होंगे आसान

नई दिल्ली, एजेंसी। पित्ताशय (गाल ब्लैडर) की सर्जरी आम तौर पर सामान्य मानी जाती है, लेकिन कुछ मरीजों में ऑपरेशन के दौरान मुश्किलें बढ़ जाती हैं। ज्यादा सूजन, पहले हुए संक्रमण के कारण अंदर चिपकाव, पुराने रोग के कारण बने निशान या आसपास के अंगों की बनावट सामान्य से अलग होने पर सर्जन के लिए ऑपरेशन चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

वहीं, ऐसी स्थिति में रोबोटिक-असिस्टेड सर्जरी मददगार हो सकती है। एम्स के सर्जनों के अनुसार, इससे शरीर के अंदर का हिस्सा ज्यादा साफ दिखाई देता है और उपकरणों को अधिक नियंत्रित तरीके से चलाया जा सकता है। एम्स के सर्जिकल डिसिप्लिन विभाग को विभिन्न विशेषज्ञताओं में 1500 से अधिक रोबोटिक-असिस्टेड सर्जरी का अनुभव है। विभाग के प्रो. डॉ. हेमंगा के. भट्टाचार्जी ने कहा कि पित्ताशय की सर्जरी में सूजन और चिपकाव की वास्तविक स्थिति कई बार ऑपरेशन शुरू होने के बाद ही पता चलती है। ऐसी स्थिति में रोबोटिक तकनीक मुश्किल बनावट के बीच सर्जन को अधिक सटीक तरीके से काम करने में मदद कर सकती है। रोबोटिक सर्जरी में साफ दिखता शरीर के अंदर का हिस्सा हाई-डेफिनिशन तीन आयामों वाली (थ्रीडी) तस्वीर में दिखाई देता है। इसमें इस्तेमाल होने वाले उपकरण कलाई की तरह अलग-अलग दिशाओं में घूम सकते हैं। इससे शरीर के अंदर छोटे और मुश्किल हिस्सों तक पहुंचकर सावधानी से काम करने में मदद मिलती है।

एम्स के सर्जिकल डिसिप्लिन विभाग के प्रमुख डा. सुनील चुम्बर ने पित्ताशय की सर्जरी में बदलाव के कई दौर देखे हैं। उन्होंने ओपन सर्जरी, मिनी-लैपरोटामी, पारंपरिक लैप्रोस्कोपिक सर्जरी और अब रोबोटिक-असिस्टेड सर्जरी की है। उन्होंने कहा कि इतने वर्षों तक लैप्रोस्कोपिक सर्जरी करने के बाद उनके अनुभव में रोबोटिक-असिस्टेड सर्जरी एक महत्वपूर्ण कदम आगे है और यह एक बेहतर सर्जिकल प्लेटफार्म है। डा. सुनील चुम्बर के अनुसार, सर्जनों का अनुभव बढ़ने के साथ पित्ताशय की सर्जरी में रोबोटिक तकनीक का इस्तेमाल बढ़ सकता है। उनका अनुमान है कि भविष्य में पित्ताशय की सर्जरी रोबोटिक तकनीक से होने लगेगी और पारंपरिक लैप्रोस्कोपी का इस्तेमाल धीरे-धीरे कम हो सकता है। अब रोबोटिक सर्जरी तक का बदलाव देखा है। हर नई तकनीक पिछली तकनीक के अनुभव पर आगे बढ़ती है और उनके अनुसार लैप्रोस्कोपी के बाद रोबोटिक्स इस विकास की अगली कड़ी है।

दिल्ली में 8 महीने में कटे 10 लाख से ज्यादा चालान, फिर भी अभियान नाकाम; चौंका देगा मौतों का आंकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार भले ही 'हेलमेट पहनने के परिणाम' अभियान को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलने का हवाला देकर सड़क सुरक्षा के प्रयासों की सराहना कर रही हो, लेकिन ट्रैफिक पुलिस के आंकड़े राजधानी में हेलमेट नियमों के उल्लंघन की गंभीर स्थिति बयां कर रहे हैं। इस वर्ष शुरुआती 8 महीनों में बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों के खिलाफ 10.41 लाख चालान किए गए। पिछले वर्ष इसी अवधि में 7.73 लाख चालान हुए थे। यानी इस साल करीब 2.68 लाख अधिक चालान किए गए।

वहीं, आंकड़े बताते हैं कि हेलमेट को लेकर जागरूकता और नियमों के पालन के बावजूद उल्लंघन के मामले लगातार बड़ी संख्या में सामने आ रहे हैं। ट्रैफिक पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक, बिना हेलमेट सड़कों पर फर्राटा भरते दो पहिया वाहन चालकों के इस वर्ष सबसे अधिक मार्च माह में 1.69 लाख चालान मैनुअली व कैमरों के जरिये जारी किए गए। इसके बाद जुलाई में 1.46 लाख और अप्रैल माह में 1.44 लाख चालान काटे गए। इन कार्रवाइयों के बावजूद नियमों का उल्लंघन करने के मामले घटने का नाम नहीं ले रहे हैं। राजधानी में सड़क दुर्घटनाओं में दोपहिया वाहन सवार लगातार सबसे अधिक जोखिम वाले वर्गों में शामिल हैं। दिल्ली सड़क दुर्घटना रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों में करीब 38 प्रतिशत मोटरसाइकिल और स्कूटर सवार थे। 2022 में दिल्ली में कुल 1,461

सड़क दुर्घटना मौत दर्ज हुई। 2023 में 549 दोपहिया सवारों की मौत हुई, जबकि 2024 में यह संख्या 687 रही। 2025 में दिल्ली में 611 मौत सड़क दुर्घटना में हुई हैं। परिवहन विभाग ने हेलमेट अभियान अगस्त 2025 में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की मौजूदगी में शुरू किया था। परिवहन मंत्री डॉ. पंकज सिंह ने कहा था कि हेलमेट पहनना केवल यातायात नियमों का पालन नहीं, बल्कि दुर्घटना की स्थिति में जीवन बचाने का महत्वपूर्ण उपाय है। अभियान में युवाओं को हेलमेट पहनने की शपथ दिलाने के साथ परिवार और आसपास के लोगों को भी यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। इसी संदेश के साथ शुरू किए गए दिल्ली सरकार के अभियान को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली। दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में आयोजित विश्व सुरक्षा सम्मेलन में दिल्ली परिवहन विभाग के 'हेलमेट पहनने के परिणाम' अभियान को बहुत छोटी चलचित्र श्रेणी में विशेष उल्लेख सम्मान दिया गया। बावजूद इसके चिंताजनक बात यह है कि एक तरफ जहां सरकार अभियान को लेकर अपनी पीठ थपथपा रही है वहीं ट्रैफिक पुलिस के आंकड़े नियमों की धज्जियां उड़ाने वालों की हकीकत बयां कर रहे हैं।

दिल्ली में 1000 पार्कों में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे और तैनात होंगे सुरक्षा गार्ड, आस्था कुंज वारदात से जागा सिस्टम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में आस्था कुंज पार्क में हुए दुष्कर्म मामले के बाद हुई किरकिरी और प्रशासनिक व्यवस्था पर उठे सवालों पर विभाग कुंभकर्णी नींद से जाग रहे हैं। इसी कड़ी में एमसीडी ने अपने बड़े एक हजार पार्कों को सीसीटीवी युक्त करने के साथ सुरक्षा के लिए मद्देनजर गार्ड की तैनाती की तैयारी की दिशा में कदम बढ़ाया है। इसके लिए एमसीडी ने 1000 बड़े पार्कों में सीसीटीवी कैमरे और सुरक्षा गार्ड तैनात करने के लिए दिल्ली सरकार से सहयोग मांगेगा। इसके लिए जल्द ही प्रस्ताव दिल्ली सरकार को भेजा जाएगा। एमसीडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एमसीडी के पास 15000 से ज्यादा पार्क हैं। इसमें 1000 ऐसे पार्क हैं जो एक एकड़ से अधिक बड़े हैं। बाकि शेष पार्क कालोनी पार्क हैं। जहां पर ज्यादातर पार्क स्थानीय नागरिकों की निगरानी में है। लोग स्वयं ही इन पार्कों में असमाजिक तत्वों का प्रवेश न हो इसके लिए सजग रहते हैं। लेकिन, एक एकड़ से बड़े पार्क और जो आबादी के निकट नहीं हैं, उनमें सुरक्षा के लिए गार्ड की जरूरत है। इसलिए इन पार्कों के प्रवेश और निकास पर सीसीटीवी और सुरक्षा गार्ड की तैनाती होना जरूरी है। ताकि कोई अनहोनी न हो। वहीं, कैमरों की निगरानी की जिम्मेदारी और फुटेज तक किस-किस अधिकारी को पहुंच दी जाएगी, इसका फैसला दिल्ली सरकार को करना होगा। निगम के अनुसार, दो आठ-आठ घंटे की शिफ्ट में करीब 2000 सुरक्षा गार्डों की जरूरत पड़ेगी। इसके लिए प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि एमसीडी के पास फिलहाल 42 ही सुरक्षा गार्ड है। जबकि 6500 के करीब मालियों में से सिर्फ 1400 माली ही हैं। जबकि 3000 हजार माली अनुबंध पर हैं। निगम ने सभी 12 प्रशासनिक क्षेत्रों में पार्कों का सुरक्षा आट करने के निर्देश दिए हैं। 25 सितंबर को जारी निर्देश में अधिकारियों से पार्कों में अंधेरे और ब्लाइंड स्पाट चिह्नित करने, खराब लाइट की सूचना तत्काल विद्युत विभाग को देने तथा क्षतिग्रस्त चारदीवारी, फेंसिंग और गेट की मरम्मत के लिए संबंधित विभाग को सूचित करने को कहा गया है।

आपराधिक मामलों में निजी विचार थोपने से बचें अदालतें', मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि जमानत याचिकाओं और आपराधिक मामलों में निर्णय लेते समय अदालतों को नैतिकता को लेकर अपनी निजी राय या मूल्य-आधारित निष्कर्ष थोपने से बचना चाहिए। जस्टिस उज्ज्वल भुइयां और एएस चंदुरकर की पीठ ने यौन उत्पीड़न से जुड़े एक मामले में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के आदेश को रद करते हुए यह टिप्पणी की। हाई कोर्ट ने आरोपित को यह कहते हुए जमानत देने से इनकार कर दिया गया था कि इससे सामाजिक व्यवस्था और पीड़िता के परिवार के मनोबल पर असर पड़ सकता है। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता एक साल से ज्यादा समय तक जेल में रह चुका है। मुकदमे की सुनवाई पूरी होने में अभी कुछ और समय लगेगा। ऐसी स्थिति में हमारी राय है कि जमानत का मामला बनता है। शीर्ष अदालत ने 23 सितंबर के अपने आदेश में कहा-याचिकाकर्ता मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में भारतीय न्याय संहिता, यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पाक्सो) अधिनियम और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज मामले में आरोपित है। याचिकाकर्ता पीड़िता के पड़ोस में किराये पर रहता था। उस पर आरोप है कि विवाहित होने के बावजूद उसने पीड़िता की बड़ी बहन का अपहरण करने की कोशिश की।

वसंत कुंज में 18 दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर 75 वर्षीय बीमार बुजुर्ग महिला से 30 लाख की ठगी

नईदिल्ली, एजेंसी। वसंत कुंज थाना क्षेत्र में 75 वर्षीय बीमार बुजुर्ग महिला को 22 दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर लगभग सवा दो करोड़ की ठगी का मामला सामने आया है। साइबर ठगों ने पहले बैंक बैलेंस, घर में रखे सोने और प्रापर्टी की जानकारी ली। बैंक खाते से तीन लाख रुपये ट्रांसफर कराए फिर सोना गिरवी रखवाकर बुजुर्ग को लोन दिलाया। पांच लाख लोन की राशि अपने खातों में ट्रांसफर करा ली। इसके बाद अपना एजेंट भेजकर फ्लैट के दस्तावेज कब्जे में लिए। स्थानीय प्राप्टी डीलर से बुजुर्ग का रिश्तेदार बनकर फ्लैट बिकवाया और एडवांस में मिले 24 लाख रुपये भी ठग लिए। पीड़ित महिला की बेटी ने विदेश से आकर मामले की सूचना पुलिस को दी। केस दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। बुजुर्ग ललिता रल्हान का कैंसर का उपचार चल रहा है। वसंत कुंज में वे अकेली रहते हैं। पति की पहले ही मौत हो चुकी है। जबकि बेटी राधिका रल्हान नीदरलैंड में रहकर जाब करती हैं। हर छह महीने पर वे मां का उपचार कराने के लिए आती रहती हैं। पीड़िता ललिता रल्हान के मुताबिक छह अप्रैल को एक अज्ञात नंबर से उनके लैंडलाइन पर कॉल आया। कॉल करने वाले ने स्वयं को सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय का अधिकारी बताया। दावा किया कि उनका नंबर मनी लांड्रिंग मामले में इस्तेमाल किए गए एक अन्य नंबर से जुड़ा हुआ है। आरोपितों के निर्देश पर बुजुर्ग महिला वसंत कुंज

स्थित बैंक आफ महाराष्ट्र गई और फोन करने वालों द्वारा बताए गए खाते में तीन लाख रुपये ट्रांसफर किए। सात अप्रैल को फोन करने वालों ने उन्हें मुथूट फिनकार्प में जाकर 83.5 ग्राम सोना जमा करने को कहा। सोने के बदले लगभग 4,95,250 रुपये का गोल्ड लोन लिया। यह राशि भी जालसाजों की ओर से उपलब्ध कराए गए खाते में ट्रांसफर कर दी गई। पुलिस को दी गई शिकायत में बताया गया कि आठ अप्रैल को एक व्यक्ति ने खुद को प्रापर्टी डीलर बताकर महिला से संपर्क किया। 13 अप्रैल को वह उनके घर पहुंचा और संपत्ति से जुड़े मूल दस्तावेज और उनकी प्रतियां लेकर चला गया। आरोप है कि दस्तावेज लेने के बावजूद कोई रसीद नहीं दी गई। इसके दो दिन बाद 15 अप्रैल को वह व्यक्ति दो लोगों को साथ लेकर महिला के घर पहुंचा। महिला पर दबाव डालकर फ्लैट खरीद-बिक्री एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर कराए जिसमें महिला की संपत्ति की कीमत दो करोड़ 40 लाख रुपये बताई। एडवांस के रूप में 17 अप्रैल को महिला के खाते में 24 लाख और 10 लाख रुपये के चेक जमा किए गए। इसके अगले दिन खाते से दो बार में 21 लाख और तीन लाख रुपये निकॉल गए। 23 अप्रैल के बाद आरोपियों ने पीड़ित महिला से संपर्क तोड़ दिया। महिला की बेटी राधिका रल्हान नीदरलैंड में रहती हैं। वीडियो कॉल के दौरान उन्होंने अपनी मां को एक अनजान व्यक्ति के साथ कार में देखा। जिसके बाद उन्होंने मां को तुरंत पुलिस से संपर्क करने को कहा और परिवार के एक सदस्य को वसंत कुंज थाने भेजा। वह 29 अप्रैल सुबह दिल्ली पहुंचीं। जिसके बाद उन्होंने प्रापर्टी डीलर से मूल दस्तावेज मांगे तो उसने 24 लाख रुपये का भुगतान करने के बाद दस्तावेज लौटाने की बात कही।

कॉलेजों के पास डार्क स्पॉट और असामाजिक तत्वों पर कसेगा शिकंजा

डीयू स्टूडेंट्स की सुरक्षा को लेकर एलजी का फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में दिल्ली विश्वविद्यालय के महिला कॉलेजों में पढ़ने वाली छात्राओं की सुरक्षा को लेकर अब कॉलेज परिसर के साथ-साथ उसके आसपास के पूरे क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में लाने की तैयारी है।

उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधु ने बुधवार को उच्चस्तरीय बैठक में कॉलेजों के आसपास मौजूद डार्क स्पॉट, अनियंत्रित ई-रिक्शा, अतिक्रमण, पार्कों में असामाजिक तत्वों के जमावड़े और छेड़छाड़ जैसी शिकायतों पर संबंधित विभागों को कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में डीयू कुलगुरु के अलावा मिरांडा हाउस, लेडी श्रीराम कॉलेज, दौलतराम कॉलेज, इंद्रप्रस्थ कॉलेज और गार्गी कॉलेज की प्राचार्याओं के साथ दिल्ली पुलिस, पीडब्ल्यूडी, एमसीडी, परिवहन विभाग और दिल्ली मेट्रो के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक का आकर्षण छात्राओं को सुरक्षित आवागमन और

कॉलेज के आसपास सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने पर रहा। एलजी ने निर्देश दिया कि प्रत्येक महिला कॉलेज के लिए एक समर्पित नोडल पुलिस अधिकारी नियुक्त किया जाए। कॉलेजों और मेट्रो स्टेशनों के आसपास पुलिस गश्त बढ़ाने, पिकेट जांच करने और पिंक बूथ स्थापित करने को भी कहा गया है।

डार्क स्पॉट और अतिक्रमण होंगे खत्म: पीडब्ल्यूडी और एमसीडी को खराब स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त करने तथा डार्क स्पॉट खत्म करने के निर्देश दिए गए। कॉलेजों के आसपास अवैध अतिक्रमण, अवांछित स्टाल और शराब की दुकानों से संबंधित समस्याओं पर भी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

लास्ट-माइल कनेक्टिविटी पर विशेष जोर: ई-रिक्शा के लिए निर्धारित पिकअप-ड्राप प्वाइंट बनाए जाएंगे। शाम के समय छात्राओं के लिए यू-स्पेशल, शटल और फीडर बसों की व्यवस्था करने को कहा गया है। इसके अलावा आपातकालीन अलर्ट और जीपीएस लोकेशन शेयरिंग सुविधा वाला छात्र सुरक्षा एप विकसित किया जाएगा। उत्तर और दक्षिण परिसर के लिए अंतर-कॉलेज महिला सुरक्षा समिति भी बनाई जाएगी।

आरएसएस ने दोहराई देशभर में एनआरसी कराने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन और जनगणना को लेकर चल रही चर्चा के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने एक बार फिर पूरे देश में नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन्स लागू करने की पुरजोर मांग उठाई है। दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान संघ के प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह बिल्कुल साफ होना चाहिए कि देश में कौन असली भारतीय नागरिक है और कौन नहीं? कार्यक्रम के दौरान सुनील आंबेकर ने दो टूक कहा कि अगर किसी को एनआरसी की प्रक्रिया पर कोई भी आपत्ति है, तो उनके लिए अदालत और कानून के रास्ते हमेशा खुले हैं। लेकिन सिर्फ राजनीतिक फायदों के लिए किसी भी गैर-नागरिक को भारतीय नागरिक मान लेना किसी भी कीमत पर सही नहीं है।

दिल्ली सरकार में बढ़ेगी एआई की उपयोगिता, अधिकारियों को मिलेगा प्रशिक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार के कामकाज में अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की उपयोगिता बढ़ाने की तैयारी है। इसके लिए सरकार ने सिविल लाइंस स्थित विकास भवन-दो में एआई प्रशिक्षण केंद्र शुरू किया है। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने बुधवार को केंद्र का उद्घाटन किया। यहां विभिन्न विभागों के अधिकारियों को एआई के व्यावहारिक इस्तेमाल का प्रशिक्षण दिया जाएगा। पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम 15 अक्टूबर से शुरू होगा। इसमें अधिकारियों को एआई के जरिए सरकारी कामकाज को आसान और तेज बनाने के तरीके बताए जाएंगे। प्रशिक्षण में एआई उपकरणों के इस्तेमाल, निर्देश देकर एआई से काम कराने, सरकारी पत्र और अन्य दस्तावेज तैयार करने, आंकड़ों के विश्लेषण तथा प्रस्तुतीकरण तैयार करने जैसे विषय शामिल होंगे। इसके साथ ही साइबर सुरक्षा और एआई के जिम्मेदार इस्तेमाल पर भी जानकारी दी जाएगी। उद्घाटन के दौरान अधिकारियों को एआई उपकरणों के बारे में जानकारी दी गई। अधिकारियों को बताया गया कि रोजमर्रा के किन कामों में इनका इस्तेमाल किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

सातवें स्थान पर रहे अनीश, 15 मेडल के साथ भारत का शूटिंग अभियान समाप्त

नागोया । 'एशियन गेम्स- 2026' में भारतीय शूटर अनीश भनवाला गुरुवार को आइची प्रीफेक्चरल जनरल शूटिंग गैलरी में पुरुषों के 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल व्यक्तिगत फाइनल में सातवें स्थान पर रहे। इसके साथ ही भारत का शूटिंग अभियान 15 मेडल के साथ समाप्त हो गया। अनीश का स्कोर अन्य शूटर्स के साथ 11 पर टाई हुआ, लेकिन क्वालिफिकेशन में कम रैंकिंग के

कारण 'काउंटबैक' नियम से वे बाहर हो गए और सातवें स्थान पर रहे। एशियन गेम्स में भारतीय शूटर्स ने तीन गोल्ड, आठ सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल के साथ अपना अभियान खत्म किया। अनीश ने क्वालिफिकेशन राउंड में 576-17× के स्कोर के साथ 9वां स्थान हासिल करने के बावजूद पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। टॉप आठ में साउथ कोरिया के तीन शूटर्स शामिल थे, लेकिन फाइनल में प्रति एनओसी (नेशनल ओलंपिक कमेटी) केवल दो शूटर्स को ही अनुमति होती है, जिससे अनीश के लिए आठवां और अंतिम क्वालिफाइंग स्थान हासिल करने का रास्ता साफ हो गया।

मनु फ्रांसिस और प्रिंस कुरिसिंकल नोबल ने पुरुषों के स्किफ इवेंट में सिल्वर जीता

गामागोरि सिटी । एशियन गेम्स में भारत ने सेलिंग में अपना पहला मेडल जीता। गुरुवार को पुरुषों के स्किफ इवेंट में मनु फ्रांसिस और प्रिंस कुरिसिंकल नोबल ने सिल्वर मेडल हासिल किया। नौ रेस के बाद वे चीन की जोड़ी के बाद दूसरे स्थान पर रहे। भारतीय जोड़ी ने 23 पॉइंट्स के साथ रेगाटा (सेलिंग प्रतियोगिता) खत्म किया। चीन की जोड़ी, वेन जाइडिंग और लियू तियान ने 16 पॉइंट्स के साथ गोल्ड मेडल जीता, जो भारतीय जोड़ी से चार

पॉइंट्स कम थे। हांगकांग, चीन के अकीरा ल्यूक सकाई और रसेल आयल्सवर्थ 24 पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर रहे। फ्रांसिस और नोबल का प्रदर्शन लगातार अच्छा रहा। उनका सबसे अच्छा नतीजा तीसरी रेस में आया, जिसे उन्होंने जीता। भारतीय सेलर्स ने रेस 3 जीती और रेस 1, 5 और 9 में दूसरे स्थान पर रहे। नौ रेस में उन्होंने कुल 29 पॉइंट्स हासिल किए। रेस 8 में छठे स्थान पर रहने के नतीजे को हटाकर उनका नेट स्कोर 23 रहा।

महिला स्क्वैश टीम ने जीता ब्रॉन्ज मेडल, सेमीफाइनल में हांगकांग से मिली हार

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला स्क्वैश टीम ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया है। हालांकि, टीम को सेमीफाइनल में हांगकांग के खिलाफ हार 1-2 से हार का सामना करना पड़ा।

सेमीफाइनल मुकाबले की शुरुआत भारतीय महिला स्क्वैश टीम के लिए अच्छी नहीं रही। अनाहत सिंह ने चान सिन युक के खिलाफ शानदार शुरुआत की और पहले दो गेम जीते। अनाहत ने पहला गेम 11-9 और दूसरा गेम 11-8 से अपने नाम किया।

एशियन गेम्स: पाकिस्तान को 4-3 से हराया, कप्तान हरमनप्रीत ने मारे 2 गोल

फाइनल में भारतीय हॉकी टीम

काकामिगहारा । भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पाकिस्तान को एक रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में हराकर फाइनल में जगह बना ली है। भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 4-3 से हराया। मौजूदा चैंपियन ने अब एक और मेडल पक्का कर लिया है। पाकिस्तान के खिलाफ खेला गया यह सेमीफाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और मैच के अधिकांश समय में भारतीय टीम ने दबदबा बनाए रखा था। मैच के आखिरी हाफ में पाकिस्तान ने जोरदार वापसी की कोशिश की, लेकिन आखिरी मिनट में अभिषेक के किए गोल ने न सिर्फ पाकिस्तान पर भारत को जीत दिलाई बल्कि एशियन गेम्स 2026 के फाइनल का टिकट भी दिलाया। भारत 3-0 की बढ़त के साथ आसान जीत की ओर बढ़ रहा था, लेकिन पाकिस्तान ने वापसी करते हुए आखिरी क्वार्टर की शुरुआत में ही स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद अभिषेक ने आखिरी मिनट में निर्णायक गोल करके भारत को फिर से बढ़त दिलाई और टीम को फाइनल में पहुंचा दिया।

पुरुष वॉलीबॉल क्वार्टर फाइनल में भारत को पाकिस्तान से मिली हार

ओकाजाकी । भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम को गुरुवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही एशियन गेम्स में पदक जीतने का भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम का 1986 से चला आ रहा इंतजार बरकरार है। पाकिस्तान ने ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क जिम्नेजियम में खेले गए एकतरफा मुकाबले में भारत को 25-19, 25-23, 25-18 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पाकिस्तान वॉलीबॉल टीम ने 64 साल में पहली बार एशियाई खेलों में शीर्ष चार में जगह बनाई है। मैच की शुरुआत में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला बराबरी का था। स्कोर 11-11 की बराबरी पर था। इसके बाद पाकिस्तान ने पहले सेट में बढ़त बनानी शुरू की और लगातार पांच पॉइंट जीतकर 16-11 से आगे हो गया।

ग्रीको-रोमन रेसलिंग में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर

सुनील कुमार ने इतिहास रचा

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में बुधवार को सुनील कुमार ने पुरुषों के 87 किलोग्राम ग्रीको-रोमन रेसलिंग इवेंट में फिलीपींस के कैलम जॉनस्टन रॉबर्ट्स के खिलाफ 'टेक्निकल सुपीरियरिटी' के आधार पर 9-0 से जीत हासिल की। इसी के साथ सुनील ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम कर लिया। सुनील ने एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम करते हुए रिकॉर्ड बुक में नाम दर्ज करवा लिया है। 27 वर्षीय सुनील एशियन गेम्स में दो ग्रीको-रोमन रेसलिंग मेडल जीतने वाले पहले भारतीय रेसलर बन गए हैं। हांगझोऊ 2022 में इसी कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद पोडियम पर वापसी करते हुए, सुनील को नागोया सिटी इनाए स्पोर्ट्स सेंटर में मुकाबला जीतने के लिए मुश्किल से एक राउंड की जरूरत पड़ी। उन्होंने तुरंत मैच पर पकड़ बना ली और शुरुआती दांव-पेच में रॉबर्ट्स को दो बार पटखनी देकर चार

प्वाइंट्स हासिल किए। इसके बाद प्रतिद्वंद्वी की निष्क्रियता (पैसिविटी) के कारण उन्हें एक और प्वाइंट्स मिला, जिससे मुकाबले के शुरू होने के 90 सेकंड के भीतर ही भारतीय खिलाड़ी को 5-0 की बढ़त मिल गई। सुनील ने ढील देने का कोई संकेत नहीं दिखाया। उन्होंने एक और 'पैसिविटी' स्थिति का फायदा उठाते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी को नीचे गिराकर बढ़त को 7-0 कर दिया, जिससे रॉबर्ट्स भारतीय खिलाड़ी के लगातार हमलों का जवाब खोजने के लिए संघर्ष करते दिखे।

इसके कुछ ही देर बाद मुकाबला खत्म हो गया। सुनील ने एक और स्कोरिंग मूव करते हुए दो और प्वाइंट्स हासिल किए और 'टेक्निकल सुपीरियरिटी' के लिए जरूरी नौ प्वाइंट्स के अंतर तक पहुंच गए, जिससे मुकाबले का शानदार अंत हुआ।

यह ब्रॉन्ज मेडल उनके करियर में एक और अध्याय जोड़ता है, जिसमें पहले से ही छह एशियन चैंपियनशिप मेडल शामिल हैं। अब सुनील कॉन्टिनेंटल गेम्स में एक से ज्यादा ग्रीको-रोमन मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं।

एशियन गेम्स 2026: श्रीलंका को 124 रन से रौंदकर फाइनल में पहुंचा भारत

गोल्ड के लिए भिड़ेंगे भारत-पाकिस्तान

जापान। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ने श्रीलंका को 124 रन के बड़े अंतर से हराया। अब गोल्ड मेडल के लिए भारतीय टीम का सामना पाकिस्तान से होगा। पाकिस्तान ने पहले सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 6 विकेट से मात देकर फाइनल का टिकट कटाया। भारत ने बनाए 169 रन निशिन में खेले गए सेमीफाइनल में श्रीलंका ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 169 रन का स्कोर खड़ा किया। भारत की ओर से ईशान किशन ने नाबाद 80 रन की शानदार पारी खेली। वहीं, वैभव सूर्यवंशी ने महज 21 गेंदों में 38 रन बनाकर टीम के स्कोर को तेजी से आगे बढ़ाया।

45 रन पर ढेर हुई श्रीलंका की टीम

170 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की पारी भारतीय गेंदबाजों के सामने पूरी तरह लड़खड़ा गई। पूरी टीम महज 9.5 ओवर में 45 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका के 6 बल्लेबाज अपना खाता तक नहीं खोल सके। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और अभिषेक शर्मा ने 2-2 विकेट हासिल किए। भारतीय गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के चलते श्रीलंकाई बल्लेबाज टिक नहीं सके और भारत ने मुकाबला 124 रन से अपने नाम कर लिया।

ईशान किशन की दमदार पारी

एशियन गेम्स 2026 के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में भारत की भिड़ंत श्रीलंका से हो रही है। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क के मैदान पर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 169 रन बनाए। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अभिषेक शर्मा 3 गेंदों में महज 7 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद संजू सैमसन भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 9 गेंदों में 7 रन बनाकर पवेलियन लौटे। कप्तान श्रेयस अय्यर का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा और वह 13

रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, प्लेइंग इलेवन में लौटे वैभव सूर्यवंशी बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने 21 गेंदों में 38 रनों की अहम पारी खेली। वैभव ने अपनी इस पारी में 6 चौके और 2 छक्के लगाए। वैभव के पवेलियन लौटने के बाद भारतीय पारी को ईशान किशन ने संभाला। दूसरे छोर से भारतीय टीम विकेट गंवाती रही, लेकिन ईशान क्रीज पर डटे रहे। उन्होंने 33 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। फिफ्टी पूरा होने के बाद विकेटकीपर-बल्लेबाज ने अपना अंदाज बदला और उन्होंने अगली 13 गेंदों में 30 रन बनाए। ईशान 46 गेंदों में 80 रन बनाकर नाबाद रहे। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 4 चौके और 5 छक्के लगाए।
अक्षर पटेल बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 13 गेंदों का सामना करने के बावजूद सिर्फ 8 रन ही बना सके। उकप्तान तिलक वर्मा 2 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि शिवम दुबे महज 3 रन बनाकर थरिंदु रत्नायके का शिकार बने। वॉशिंगटन सुंदर 3 गेंदों में 7 रन बनाकर नाबाद रहे।

पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 6 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई

निशिन । पाकिस्तान ने बांग्लादेश को सेमीफाइनल में 6 विकेट से हराकर एशियन गेम्स 2026 के पुरुष क्रिकेट इवेंट के फाइनल में जगह बना ली है। बारिश की वजह से गीले आउटफील्ड के कारण कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में 20 ओवर की जगह 13 ओवर का मैच खेला गया। पाकिस्तान को जीत के लिए 112 रन का लक्ष्य मिला था। पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही। टीम के कप्तान और सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान सिर्फ 1 रन बनाकर आउट हो गए। माज सदाकत 7 गेंदों पर 15 और उस्मान खान 9 गेंदों पर 14 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सईम अयूब ने 12 गेंदों पर 2 छक्कों और 1 चौके की मदद से 21 रन बनाकर लक्ष्य हासिल करने की गति बरकरार रखी।

'हालात बिल्कुल भी अच्छे नहीं थे'

बांग्लादेश क्रिकेट टीम को एशियन गेम्स 2026 के पुरुष सेमीफाइनल मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास हार से निराश नजर

आए। दास ने हार की वजह एशियाई खेलों में तैयारी और गेम टाइम की कमी को बताया। हार के बाद पत्रकारों से बात करते हुए लिटन ने कहा, 'हालात बिल्कुल भी अच्छे नहीं थे। हम कई दिनों से अपने कमरों में बैठे थे, फिर टॉस भी हार गए, इसलिए हम ज्यादा कुछ नहीं कर सकते थे। पिच को समझना भी मुश्किल था। अगर हम अच्छा खेलते तो बेहतर होता, लेकिन इतने लंबे समय तक खाली बैठे रहने के बाद अचानक मैदान पर आकर शानदार पारी खेलना आसान नहीं होता। हमें उस स्थिति से उबारने का श्रेय हृदोय को जाता है।

गुवाहाटी में 'गरजा' गिल का बल्ला

'दोहरे शतक' के साथ वेस्टइंडीज को 8 विकेट से रौंदा, वनडे सीरीज में भारत की अजेय बढ़त

गुवाहाटी। कप्तान शुभमन गिल की डबल सेंचुरी के दम पर भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ बारसापरा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले को 8 विकेट से अपने नाम किया। बुधवार को खेले गए इस मैच में दमदार जीत के साथ टीम इंडिया ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त हासिल कर ली है। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी वेस्टइंडीज ने निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 405 रन बनाए। इस टीम को 37 के स्कोर पर कीसी कार्टी (9) के रूप में पहला झटका लग गया था, जिसके बाद जॉन कैंपबेल ने शाई होप के साथ दूसरे विकेट के लिए 79 गेंदों में 110 रन जोड़ते हुए टीम को 147 के स्कोर तक पहुंचा दिया। कैंपबेल 68 गेंदों में 5 छक्कों और 9 चौकों के साथ 101 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद कप्तान शाई होप ने आमिर जंगू के साथ 131 गेंदो में 182 रन जोड़कर टीम को 300 के पार पहुंचा दिया।

होप 94 गेंदों में 104 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी में 3 छक्के और 8 चौके शामिल रहे, जबकि आमिर 77 गेंदों में 3 छक्कों और 13 चौकों के साथ 114 रन बनाकर आउट हुए। इनके अलावा, रोस्टन चेज ने 29 रन की नाबाद पारी खेली।

भारत के लिए गूरनूर बरार, रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव ने 2-2 विकेट हासिल किए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने 1 विकेट अपने नाम किया।

इसके जवाब में भारत ने 43.3 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। रोहित शर्मा ने कप्तान शुभमन गिल के साथ पहले विकेट के लिए 158 गेंदों में 255 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई।

रोहित 75 गेंदों में 6 छक्कों और 10 चौकों के साथ 101 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद गिल ने विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 35 गेंदों में 65 रन जुटाकर टीम को 300 के पार पहुंचा दिया।

यहां से गिल ने ऋतुराज गायकवाड़ के साथ मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने 68 गेंदों में 86 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को आसान जीत दिलाई। गिल 133 गेंदों में 223 रन बनाकर नाबाद रहे।

एशियन गेम्स के फाइनल में कैसा रहा है टीम इंडिया का रिकॉर्ड, पाकिस्तान के खिलाफ 'वर्चस्व' बरकरार रखने की चुनौती

नई दिल्ली । भारतीय मेंस क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में अपनी जगह बना ली है। श्रीलंका को सेमीफाइनल में 124 रनों से रौंदकर टीम इंडिया अब फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ अपने गोल्ड मेडल का बचाव करने

उतरेगी। भारतीय टीम को एशियन गेम्स के फाइनल में खेलने का मौका अब तक एक बार भी नहीं मिला है। पिछले एशियन गेम्स में टीम इंडिया ने फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन वो मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया था। बेहतर टी20 रैंकिंग के आधार पर अफगानिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम को विजेता घोषित करते हुए गोल्ड मेडल दिया गया था। अफगानिस्तान ने इस मैच में 18.2 ओवर बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट खोकर 112 रन बनाए थे। गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे और रवि बिश्नोई एक-एक विकेट निकालने में सफल रहे थे।